page 1 and 8 July 28_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/28/2026 2:27 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 जावेद डार ने जेकेएचपीएमसी की 45वीं वार्षिक आम बैठक की अध्यक्षता की

5 राष्ट्रमंडल खेल 2026 : मीराबाई चानू ने जीता स्वर्ण, लगाई सोने की हैट्रिक

8 ग्राम सभा में हंगामा-आवास योजना सूची पर उठे सवाल

मौसम जम्मू — न्यूनतम 23 — अधिकतम 35

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-188 | जम्मू तवी, मंगलवार 28 जुलाई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

पेपर लीक पर अंकुश लगाने वाला संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश, हंगामे के कारण नहीं हुई चर्चा

नयी दिल्ली, 27 जुलाई । लोकसभा में पेपर लीक तथा लोक परीक्षाओं में अनुचित साधनों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पेश 卐लोक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) संशोधन विधेयक, 2026卐 सोमवार को चर्चा के लिए पेश किया गया लेकिन कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण इस पर चर्चा नहीं हो सकी और अंततः सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी।

तीन बार के स्थगन के बाद शाम पांच बजे जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी शुरू कर दी। विपक्ष के सदस्य तख्तियां लेकर सदन के बीचोंबीच आ गए। पीठासीन अधिकारी कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने हंगामा कर रहे सदस्यों से अपनी सीटों पर लौटने का आग्रह करते हुए कहा कि यह अत्यंत महत्वपूर्ण विधेयक है। इसकी प्रति सभी सदस्यों को पहले ही उपलब्ध कराई जा चुकी है, इसलिए सदस्यों को इस पर चर्चा करनी चाहिए।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, 卐कई सदस्य विधेयक पर चर्चा के लिए पूरी तैयारी के साथ आए हैं। विपक्ष के कई सदस्यों ने संशोधन भी दिए हैं। यह बच्चों और छात्रों के भविष्य से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण विधेयक है। वक्ता भी चर्चा के लिए तैयार हैं, लेकिन कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दल जानबूझकर इस विधेयक पर चर्चा नहीं होने दे रहे हैं। मैं बहुत दुखी मन से कह रहा हूं कि पहले दिन यही लोग पेपर लीक पर चर्चा की मांग कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि सरकार अब विधेयक लेकर आई है और विधेयक को सदन में चर्चा के लिए पेश भी कर किया जा चुका है, लेकिन विपक्ष इस महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा नहीं होने दे रहा है। उन्होंने कांग्रेस के सदस्यों से आग्रह करते हुए कहा, 卐कृपया ऐसा न करें। आपकी छवि पहले ही काफी खराब हो चुकी है। ऐसे कार्य न करें, जिनसे आपकी पार्टी की और बदनामी हो। पूरी पार्टी को एकजुट होकर इस महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा में भाग लेना चाहिए। इस विधेयक का उद्देश्य हमारे युवाओं और छात्रों के भविष्य को बेहतर बनाना है।

श्री तेन्नेटी ने कहा कि यह विधेयक देश के युवाओं के भविष्य से जुड़ा है। विपक्ष ने भी विधेयक लाने की बात कही थी। सरकार विधेयक लेकर आई है। इसकी प्रति सभी सदस्यों को पहले ही उपलब्ध कराई जा चुकी है। इसके बावजूद चर्चा नहीं हो पा रही है, जबकि अनेक सदस्य इसकी तैयारी करके आए हैं। उनकी अपील के बावजूद किसी सदस्य ने उनकी बात नहीं सुनी तो उन्होंने सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी।

इससे पहले दो बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही शुरू करते हुए सदस्यों से संशोधन विधेयक पर चर्चा प्रारंभ करने का आग्रह किया था। लेकिन कांग्रेस तथा अन्य कई विपक्षी दलों के सदस्य सदन के बीचोंबीच आ गए और तख्तियां लहराते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। हंगामे के बीच उन्होंने सदस्यों से आग्रह करते हुए कहा कि यह विधेयक देश के करोड़ों विद्यार्थियों की आकांक्षाओं से जुड़ा है और इसका उद्देश्य पेपर लीक तथा लोक परीक्षाओं में होने वाली धांधली पर प्रभावी अंकुश लगाना है। उनका कहना था कि लोकतंत्र की शक्ति विचार-विमर्श में निहित है और प्रत्येक सदस्य को इस महत्वपूर्ण विधेयक पर अपने विचार एवं मत व्यक्त करने का अवसर मिलना चाहिए।

उपराज्यपाल ने गांधी मेमोरियल कॉलेज श्रीनगर के शासी बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता की

श्रीनगर, 27 जुलाई। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज लोक भवन में गांधी मेमोरियल कॉलेज श्रीनगर के नवगठित शासी बोर्ड की परिचयात्मक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शैलेंद्र कुमार, उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त सचिव राम निवास शर्मा, कानून, न्याय एवं संसदीय कार्य विभाग के आयुक्त सचिव अचल सेठी, कॉलेज निदेशक प्रो. (डॉ.) एस. एजाज बशीर, हिंदू एजुकेशन सोसाइटी कश्मीर के अध्यक्ष प्रो. बी. एल. जुत्शी, प्रो. अशोक आइमा, प्रो. वीणा पंडिता, प्रो. वीरेंद्र रावल, वी.के. रैना, एम.के. जलाली सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

इसके अलावा कश्मीर विश्वविद्यालय के डीन अकादमिक अफेयर्स प्रो. शरीफुद्दीन पीरजादा, कश्मीर विश्वविद्यालय के डीन कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल प्रो. (डॉ.) अनीसा शफी, गांधी मेमोरियल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. मसूद अहमद मलिक तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में मौजूद रहे।

उपराज्यपाल की अध्यक्षता में हुई शासी बोर्ड की बैठक में कॉलेज के समग्र कामकाज को और बेहतर बनाने के लिए शैक्षणिक और प्रशासनिक महत्व के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

उपराज्यपाल ने संस्थान में प्रशासनिक और परिचालन ढांचे को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से एक व्यापक नीति तैयार करने के निर्देश दिए।

शासी बोर्ड ने शासी बोर्ड के कार्य संचालन नियमों को अपनाने, जम्मू के बंतालाब स्थित जी.एम. कॉलेज ऑफ एजुकेशन को अनुदान सहायता प्रदान करने, भर्ती प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने, वर्ष 2002 से मौजूदा कर्मचारियों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पेंशन संबंधी लाभ, परिसर के बुनियादी ढांचे के विस्तार, मौजूदा पाठ्यक्रम में संशोधन तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप नए पाठ्यक्रम शुरू करने सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया।

खबर संक्षेप

जीएमसी में कर्मचारियों ने ढाई दिन के वेतन की कटौती के विरोध में किया प्रदर्शन

जम्मू, 27 जुलाई । जम्मू के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) बक्शी नगर अस्पताल में सोमवार को कर्मचारियों ने ढाई दिन के वेतन की कटौती के विरोध में एक दिवसीय हड़ताल कर प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया।

कर्मचारियों ने वेतन कटौती को पूरी तरह अनुचित और अन्यायपूर्ण बताते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की।

उन्होंने प्रशासन से मांग की कि कटौती के कारणों को स्पष्ट किया जाए तथा कर्मचारियों का बकाया वेतन शीघ्र जारी किया जाए। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो वे भविष्य में आंदोलन को और तेज करने पर विचार करेंगे।

एनडीपीएस के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए ड्रग तस्करी से जुड़ी 5.60 करोड़ की संपत्ति ज़ब्त

श्रीनगर, 27 जुलाई। घाटी में नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ़ अब तक की सबसे बड़ी वित्तीय कार्रवाई में से एक में श्रीनगर पुलिस ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट 1985 के प्रावधानों के तहत लगभग 5.60 करोड़ की अचल संपत्ति ज़ब्त की है। इससे शहर में सक्रिय कथित ड्रग तस्करों के वित्तीय नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई एनडीपीएस एक्ट की धारा 68एफ के तहत नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के हिस्से के रूप में की गई। इस अभियान का मकसद अवैध ड्रग व्यापार से कमाई गई संपत्ति को निशाना बनाकर नशीले पदार्थों के सिंडिकेट की वित्तीय कमर तोड़ना है। पुलिस ने बताया कि चनापोरा पुलिस स्टेशन ने अलग-अलग एनडीपीएस मामलों में शामिल आरोपियों से जुड़ी सात अचल संपत्तियों को ज़ब्त किया। ज़ब्त की गई संपत्तियों में चनापोरा के मोहम्मद यासीन राथर की लगभग 65 लाख की संपत्ति शामिल है जो एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21, 22 के तहत प्राथमिकी नंबर 42/2023 से जुड़ी है। इसी तरह लाल नगर की गौसिया कॉलोनी के सुहेल राशिद हारून की लगभग 60 लाख की संपत्ति को एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22, 29 के तहत प्राथमिकी नंबर 41/2025 के सिलसिले में ज़ब्त किया गया। बाग-ए-मेहताब के मोहम्मद आसिफ राथर की लगभग 75 लाख की एक और संपत्ति को एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत प्राथमिकी नंबर 35/2026 में ज़ब्त किया गया। पुलिस ने नटीपोरा की आज़ाद बस्ती के अर्सलान सैयद बेग की लगभग 35 लाख की संपत्ति भी ज़ब्त की जो एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत प्राथमिकी नंबर 28/2026 से जुड़ी है। एक अन्य बड़ी कार्रवाई में नटीपोरा के बुदशाह नगर के हिलाल अहमद परे की लगभग 1 करोड़ की संपत्ति को एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21, 29 के तहत प्राथमिकी नंबर 23/2026 के सिलसिले में ज़ब्त किया गया।

सात लापता लोगों की तलाश में सेना का डॉग स्क्वॉड शामिल

जम्मू, 27 जुलाई। मौसम में सुधार के साथ सेना ने राजौरी जिले में अचानक आई बाढ़ में बह गए एक सरकारी कर्मचारी की तलाश में सहायता के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित डॉग स्क्वॉड को अभियान में शामिल किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पड़ोसी पुंछ जिले में छह अन्य लापता लोगों का पता लगाने के लिए बचाव दलों ने भी तलाश अभियान तेज कर दिया है।

सभी सात लोग 19 जुलाई से लापता हैं। उस दिन भारी बारिश के कारण दोनों सीमावर्ती जिलों में अचानक बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं हुई थीं, जिनमें 22 लोगों की मौत हो गई थी। इनमें अधिकांश मौतें पुंछ के सुरनकोट क्षेत्र में हुई थीं।

लापता लोगों में सुरनकोट के लोअर मुर्रा के एक परिवार के चार सदस्य और संगला गांव के दूसरे परिवार के दो सदस्य शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और नागरिक प्रशासन की संयुक्त बचाव टीमें प्रभावित क्षेत्रों में तलाशी अभियान चला रही हैं। टीमें जल शक्ति विभाग के दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी अब्दुल गनी का पता लगाने का प्रयास कर रही हैं। हालिया भारी बारिश और चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों के कारण अभियान में मुश्किलें आ रही हैं।

पश्चिम एशिया में जंग थमते ही लुढ़का कच्चा तेल, ब्रेंट क्रूड में 10.95 प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली, 27 जुलाई । पश्चिम एशिया में पिछले दो सप्ताह से अमेरिका और ईरान के बीच जारी जंग के थमने का असर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत पर भी नजर आ रहा है। दोनों देशों द्वारा बमबारी रोकने के कारण आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड और वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड की कीमत में जबरदस्त गिरावट आ गई। ब्रेंट क्रूड फिसल कर 88 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से भी नीचे पहुंच गया, वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड लुढ़क कर 82 डॉलर के स्तर के करीब आ गया।

सीजफायर खत्म होने के बाद अमेरिका और ईरान दोनों देशों ने एक दूसरे के ठिकानों पर हमले शुरू कर दिए थे। दोनों देश एक दूसरे के ठिकानों पर लगातार 14 दिन तक बमबारी करते रहे,

जिसकी वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 102 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के करीब पहुंच गई थी। अब दोनों देशों द्वारा एक दूसरे के ठिकानों पर हमला रोकने के बाद आज के कारोबार में कच्चे तेल की कीमत में तेज गिरावट दर्ज की गई है। आज कच्चे तेल की कीमत में दस प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट की वजह से ब्रेंट क्रूड लुढ़क कर इंट्रा-डे में 87.61 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक गिर गया।

कश्मीर में 20 दिनों तक बंद रहने के बाद स्कूल फिर से खुले

जम्मू , 27 जुलाई। कश्मीर में भीषण गर्मी और उसके बाद भारी बारिश के कारण 20 दिनों तक बंद रहने के बाद सोमवार को स्कूल फिर से खुल गए।

यूनिफॉर्म पहने छात्र सुबह-सुबह स्कूलों की ओर रवाना हुए। घाटी में असामान्य रूप से भीषण गर्मी के कारण 6 जुलाई से 13 दिनों के लिए स्कूल बंद कर दिए गए थे। लगभग 18 जुलाई को भारी बारिश के साथ भीषण गर्मी का दौर समाप्त हो गया लेकिन लगातार बारिश और बाढ़ जैसी स्थिति के कारण सरकार को छुट्टियां 26 जुलाई तक बढ़ानी पड़ीं।

मुख्य सचिव ने जम्मू-कश्मीर में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के कार्यान्वयन की समीक्षा की

हर नागरिक के लिए व्यापक डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड तैयार करने पर दिया जोर

श्रीनगर, 27 जुलाई। मुख्य सचिव अटल डुल्लो ने आज जम्मू-कश्मीर में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में मिशन के प्रमुख घटकों के तहत हुई प्रगति, डिजिटल स्वास्थ्य समाधानों को अपनाने तथा जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की डिलीवरी पर उनके प्रभाव का विशेष रूप से आकलन किया गया।

बैठक में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त सचिव, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक, एबीडीएम जम्मू-कश्मीर के प्रबंध निदेशक, जीएमसी श्रीनगर/जम्मू के प्राचार्य, स्वास्थ्य सेवाएं जम्मू के निदेशक, स्वास्थ्य

एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने रेखांकित किया कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का मूल उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति के लिए व्यापक डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड तैयार करना है। उन्होंने जोर दिया कि मिशन के तहत किए जा रहे सभी प्रयास इसी मूल लक्ष्य के अनुरूप होने चाहिए।

उन्होंने कहा कि एबीएचए आईडी के निर्माण और डिजिटल स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे के विकास में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, लेकिन मिशन की अंतिम सफलता तभी मानी जाएगी जब प्रत्येक नागरिक के लिए पूर्ण, सुरक्षित और विभिन्न प्रणालियों के बीच आसानी से साझा किए जा सकने वाले डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड उपलब्ध हों।

इस उद्देश्य को हासिल करने के लिए डुल्लो ने मिशन को स्पष्ट मील के पत्थरों के साथ एक सुव्यवस्थित कार्यान्वयन रणनीति तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि केंद्र शासित प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड तैयार करने और उन्हें आपस में जोड़ने की प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से मजबूत किया जा सके।

उन्होंने सभी स्वास्थ्य संस्थानों में अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) के कार्यान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए, जिसमें सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा गया, ताकि प्रत्येक मरीज की स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी जानकारी व्यापक डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड तैयार करने में योगदान दे सके।

उधमपुर में भूस्खलन से जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग बाधित, 1700 ट्रक फंसे

बनिहाल, 27 जुलाई । जम्मू-कश्मीर के उधमपुर के देवल में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन हुआ है। इससे उधमपुर और बनिहाल के बीच लगभग 1700 ट्रक और कई यात्री वाहन फंस गए, जिन्हें सिंगल लेन से निकाला जा रहा है। सड़क की मरम्मत का काम भी चल रहा है।

यातायात पुलिस ने बताया कि यात्री वाहनों को प्राथमिकता दी जा रही है। हालांकि जब तक सड़क मरम्मत का काम पूरा नहीं हो जाता तब तक जम्मू से श्रीनगर, डोडा, रामबन, पटनीटॉप आदि की ओर या इसके विपरीत दिशा में किसी भी नए वाहन को जाने की अनुमति नहीं होगी। यातायात पुलिस ने यात्रियों को दी है कि जब तक सड़क को सुरक्षित और ट्रैफिक के लिए खुला घोषित न कर दिया जाए तब तक यात्रा न करें, क्योंकि और भूस्खलन और पत्थर गिरने का खतरा है। अफवाहों पर ध्यान न दें।

श्री अमरनाथ यात्रा- 4.22 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

श्रीनगर, 27 जुलाई । श्री अमरनाथ यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या 4.22 लाख के पार पहुंच गई है। कश्मीर के संभागीय आयुक्त (डिविजनल कमिश्नर) अंशुल गर्ग ने सोमवार को बताया कि अब तक 4.22 लाख से अधिक श्रद्धालु पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि पहलगाम मार्ग पर मरम्मत कार्य जारी होने के कारण फिलहाल यात्रा बालटाल मार्ग से संचालित की जा रही है।

श्रीनगर में पत्रकारों से बातचीत में गर्ग ने कहा कि यात्रा का संचालन पूरी तरह मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुरूप किया जा रहा है। किसी भी दिन यात्रा शुरू करने से पहले मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की मौसम संबंधी सलाह और दोनों मार्गों की स्थिति का विस्तृत आकलन किया जाता है। इसके बाद ही श्रद्धालुओं की आवाजाही की अनुमति दी जाती है।

पिछले कुछ दिनों में खराब मौसम के कारण यात्रा अस्थायी रूप से रोकनी पड़ी थी। बाद में निरीक्षण में पहलगाम मार्ग के कुछ हिस्सों में मरम्मत की आवश्यकता पाई गई, जिस पर सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) कार्य कर रहा है

उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों में खराब मौसम के कारण यात्रा अस्थायी रूप से रोकनी पड़ी थी। बाद में निरीक्षण में पहलगाम मार्ग के कुछ हिस्सों में मरम्मत की आवश्यकता पाई गई, जिस पर सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि पहलगाम मार्ग बंद होने के बावजूद पिछले दो दिनों से बालटाल मार्ग से यात्रा सुचारु रूप से जारी है।

संभागीय आयुक्त ने यात्रा के सफल संचालन का श्रेय बचाव दलों, स्वास्थ्य कर्मियों, सफाई कर्मियों, कैंप कमांडरों, जिला प्रशासन तथा अन्य संबंधित विभागों के समन्वित प्रयासों को दिया।

अंशुल गर्ग ने बताया कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 28 से 31 जुलाई के बीच भारी बारिश और प्रतिकूल मौसम की चेतावनी जारी की है। इसे देखते हुए प्रत्येक शाम श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड और संबंधित विभागों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की जाती है। इन बैठकों में मौसम के पूर्वानुमान और यात्रा मार्गों की स्थिति का

एयर इंडिया ने भारत को टूरिस्ट हब के तौर पर बढ़ावा देने के लिए पर्यटन मंत्रालय के साथ किया समझौता

नई दिल्ली, 27 जुलाई । भारत को एक पसंदीदा वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में बढ़ावा देने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने टाटा की अगुवाई वाली एयरलाइन एयर इंडिया के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह सहयोग इंक्रेडिबल इंडिया ब्रांड के तहत पर्यटन स्थलों के प्रचार, पर्यटन से जुड़े लोकसंपर्क और आगंतुकों की सहभागिता को मजबूत करेगा।

पर्यटन मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि नई दिल्ली में केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की उपस्थिति में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जंतर-मंतर पर दिए बयानों को एआई बताने के बजाय महबूबा को माफ़ी मांगनी चाहिए: सीएम उमर

श्रीनगर, 27 जुलाई । मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ़्ती को जंतर-मंतर पर दिए गए अपने बयानों के वीडियो को एआई-जनरेटेड बताने के बजाय माफ़ी मांगनी चाहिए क्योंकि इन टिप्पणियों से जम्मू-कश्मीर में सत्ता के दुरुपयोग को सही ठहराने की कोशिश की गई। श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए उमर ने कहा कि इन बयानों में उग्रवाद के नाम पर गिरफ़्तारियों, न्याय से वंचित रखने और अन्य कठोर उपायों को सही ठहराने की कोशिश की गई थी। उन्होंने कहा कि उग्रवाद की मौजूदगी लोगों को न्याय से वंचित रखने, पासपोर्ट रोकने या कानून के

शासन को कमज़ोर करने को कैसे सही ठहरा सकती है? मुझे यह तर्क समझ नहीं आता। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब इन बयानों की वजह से लोगों ने आलोचना की तो पीडीपी ने अपने एक विधायक के ज़रिए वीडियो को एआई-जनरेटेड बताकर खारिज करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पर देश भर के मीडिया संगठन मौजूद थे। कई वीडियो रिकॉर्ड किए गए और अलग-अलग मीडिया आउटलेट्स के माइक्रोफ़ोन भी दिखाई दे रहे थे। इसे एआई कहना लोगों की समझदारी का अपमान है। उमर ने कहा कि अगर ये बयान जोश में या गुस्से में दिए गए थे तो महबूबा को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके माफ़ी मांगनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि गलतियाँ हर किसी से होती हैं। वह बस इतना कह सकती थीं कि उन्होंने भावुक होकर ऐसा कहा और माफ़ी मांग सकती थीं। इसके बजाय उन्होंने वीडियो को फ़र्ज़ी बताकर ज़ख्मों पर नमक छिड़कने का काम किया। मुख्यमंत्री ने पीडीपी अध्यक्ष पर यह आरोप भी लगाया कि उन्होंने 2015 में बीजेपी के साथ अपनी पार्टी के गठबंधन, 2016 के अशांति के दौर को संभालने के तरीके और अन्य विवादास्पद फ़ैसलों पर कभी अफ़सोस ज़ाहिर नहीं किया।

साभार : अशोक कुमार मुनड़ेतिया

खूबसूरत दिखना हर कोई चाहता है। लोगों की यही चाहत ऐसे बहुत से रोजगार पैदा कर जाती है, जिसकी आमतौर पर सामान्य छात्र कल्पना नहीं करता। कॉस्मेटोलॉजी ऐसा ही क्षेत्र है। इसमें अनेक शाखाएं हैं, जहां भविष्य की संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। आप हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट तक बन सकते हैं और जॉब के रूप में हजारों तथा खुद का काम करके लाखों कमा सकते हैं।

सौन्दर्य के संसार में खूबसूरत करियर

सुन्दर दिखने की चाहत और उसके लिए तरह-तरह के नुस्खों की आजमाइश जोरों पर है। इसके लिए बाजार में सौन्दर्य प्रसाधनों व लाइफ स्टाइल के उत्पादों की बाढ़ सी आ गई है। शेविंग क्रीम हो या टूथ पेस्ट, फेस क्रीम, स्क्रीन क्रीम या फिर शैम्पू, साबुन और तेल-ये सभी आम जीवन की जरूरतों में शामिल हैं। बाजार में रोजमर्रा की मांग ने इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी खूब पैदा किए हैं। कॉस्मेटोलॉजी का कोर्स इन अवसरों के बीच ही ले जाता है। इसकी मांग को देखते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय में भी इस कोर्स को करवाया जा रहा है।

कॉस्मेटोलॉजी के रंग

इस कोर्स में छात्रों को पहले कॉस्मेटोलॉजी की विभिन्न ब्रांच और उसके विविध रूपों की जानकारी दी जाती है। ये ब्रांच हैं हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट। इसके बाद इन क्षेत्रों में काम आने वाले विभिन्न प्रोडक्ट्स के निर्माण के बारे में बताया जाता है। मसलन शेविंग क्रीम, टूथ ब्रश, पेस्ट, फेस क्रीम, सन्सक्रीम, नेल पॉलिश आदि। कोर्स से जुड़े विशेषज्ञों की मानें तो लाइफ स्टाइल और सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े जितने भी प्रोडक्ट प्रचलन में हैं, चाहे वे त्वचा संबंधी हों या आंख, नाक, कान, बाल, मुंह या शरीर के किसी और अंग से, इन सबके बारे में इस कोर्स में बताया जाता है। हेयर स्टाइलिस्ट को बालों के विभिन्न रूप, उनकी कटिंग और उनमें काम आने वाले कैमिकल्स की जानकारी दी जाती है। बालों को सुंदर बनाने की कला से भी रूबरू कराया जाता है।

शैम्पू टेक्नीशियन को आमतौर पर शैम्पू बनाने की विधियां, उसमें इस्तेमाल होने वाले रसायन और उसके इस्तेमाल की तरकीबें बताई जाती हैं। नख प्रसाधन के क्षेत्र में हाथ और पैर को सुन्दर बनाने वाली पॉलिश और क्रीम आदि के बारे में बताया जाता है। साथ ही देखभाल के बारे में जानकारी दी जाती है।

इस्थेटिशियन को आमतौर पर त्वचा की देखभाल की कला सिखाई जाती है। उसे नई तकनीक के इस्तेमाल से अंग लेपन, फेशियल मसाज आदि से अवगत कराया जाता है। इसमें दक्ष इस्थेटिशियन चाहे तो स्वतंत्र रूप से सैलून या स्पा में काम कर सकता है। वह चाहे तो किसी डॉक्टर को इस क्षेत्र की प्रैक्टिस में सहायता भी प्रदान कर सकता है। इस्थेटिशियन को त्वचा की देखभाल संबंधी उत्पाद की जानकारी के साथ-साथ उसके नफे-नुकसान के बारे में बताया जाता है। त्वचा की पूरी तरह से देखभाल के कारण इसे स्किन केयर थेरेपिस्ट भी कहा जाता है।

ब्यूटी थेरेपिस्ट को मशीन द्वारा बालों को हटाना, आंखों की पुतलियां सजाना, ठीक करना जैसी चीजों के बारे में दक्ष बनाया जाता है। इलेक्ट्रोलॉजिस्ट को इलेक्ट्रोलिसिस का इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। विद्युत तरंगों से लैस मशीन से बाल को उखाड़ना या उसे उगाना जैसे काम इसमें बखूबी किए जाते हैं। कोर्स में छात्रों को सामान्य मेडिसिन की जानकारी भी दी जाती है। हालांकि डॉक्टर की तरह इलाज करना उसका काम नहीं होता। उसे सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े प्रोडक्ट्स का क्या-क्या असर होगा, यह भी पढ़ाया जाता है। मोटापा बढ़ने पर वजन कम करने और आकर्षक लुक व सुडौल शरीर कैसे बने, इसका भी ज्ञान दिया जाता है। यही नहीं, उसे मानव साइकोलॉजी का भी पाठ पढ़ाया जाता है। कोर्स में एनेलिटिकल कैमिस्ट्री का भी पाठ शामिल है।

दाखिले की प्रक्रिया

दाखिले के लिए कहीं 12वीं पास तो कहीं बीएससी या स्नातक की मांग की जाती है। कैमिस्ट्री की पढ़ाई करने वालों के लिए यह और फायदेमंद हो जाता है। यह कोर्स सरकारी और गैर-सरकारी, दोनों तरह के संस्थानों में चल रहे हैं।

रोजगार कहां

कोर्स को करने के बाद छात्र चाहे तो खुद बॉडी केयर सेंटर खोल सकते हैं। दिल्ली जैसे शहर में इस तरह के सेंटर से लोग प्रति माह हजारों रुपए कमा रहे हैं। आप ब्यूटीशियन के लिए बतौर कंसलटेंट काम कर सकते हैं। कॉस्मेटिक प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों में भी काफी अवसर हैं। छात्र चाहे तो कॉस्मेटिक निर्माण की यूनिट भी लगा सकता है। जहां तक आय का सवाल है, कोई चाहे तो किसी के यहां काम करके 20 से 30 हजार रुपए भी कमा सकता है और स्वरोजगार में लाख, दो लाख रुपए महीना भी।

क्या कहता है आपका एप्टीटयूड

विषय अनेक और करियर भी अनेक, इतने कि किसे चुनें, किसे नहीं। इसी ऊहापोह में छात्र भटक कर रह जाते हैं। अपनी दुविधा लेकर काउंसलरों के पास आने वाले छात्रों के आंकड़े बताते हैं कि हाल-फिलहाल में छात्रों में यह असमंजस की स्थिति कहीं ज्यादा बढ़ी है। आपके इस असमंजस को सही दिशा दे सकता है एप्टीटयूड टैस्ट। किस-किस तरह के हैं ये एप्टीटयूड टैस्ट?

अमोल संगीतज्ञ बनना चाहता है, लेकिन उसके माता-पिता उसे इंजीनियर के रूप में देखना चाहते हैं। पिता और अमोल के बीच करियर के चुनाव को लेकर काफी दिन तक खींचतान चलती रही। घर में इस कलह को दूर करने के लिए उसे काउंसलरों ने एप्टीटयूड टैस्ट कराने की सलाह दी। अमोल के एप्टीटयूड टैस्ट के बाद ही यह पता लगाया गया कि वह एक सफल संगीतज्ञ बन सकता है। टैस्ट में उसमें क्रिएटिव इनोवेशन के लक्षण ज्यादा पाए गये। इस क्षेत्र में उसकी विशेष रुचि भी देखी गई। अमोल अकेला ऐसा छात्र नहीं। उसकी तरह कई और भी छात्र हैं, जिनके जीवन को सही दिशा देने के लिए माता-पिता अब एप्टीटयूड टैस्ट कराने लगे हैं। किसी व्यक्ति की क्षमता का आकलन एप्टीटयूड टैस्ट से ही हो पाता है। उसमें इंजीनियर बनने की क्षमता है या ड्राइवर या कलाकार, इसे पता लगाने का सटीक उपाय है एप्टीटयूड टैस्ट। दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के प्रो. एनके चड्ढा कहते हैं, करियर का सही चुनाव और उसमें मौजूद क्षमता के आकलन के लिए एप्टीटयूड के साथ बच्चे की रुचि भी देखी जाती है। ऐसा करने पर करियर के चुनाव में खासी मदद मिलती है। एप्टीटयूड और इंटरेस्ट, दोनों एक-दूसरे के साथ जुड़े हैं और साथ-साथ चलते हैं। अगर एक है और दूसरा नहीं तो करियर को सही दिशा नहीं मिलती।

काउंसलर गीतांजलि कुमार करियर और जीवन को सही दिशा देने में एप्टीटयूड और इंटरेस्ट के साथ व्यक्ति के व्यक्तित्व और शारीरिक क्षमता को भी एक कड़ी मानती हैं। वह कहती हैं, इन सबको मिला कर ही किसी को करियर या जीवन में कोई राह चुनने की सलाह दी जाती है। अगर किसी में किसी कार्य के प्रति एप्टीटयूड है, पर रुचि या करने की इच्छा नहीं तो उस दिशा में भेजना बेकार है। इसी तरह पहली दोनों चीजें हैं, लेकिन शारीरिक क्षमता या व्यक्तित्व नहीं तो ऐसे करियर के चुनाव की सलाह देना बेकार है। वह कहती हैं, व्यक्तित्व भी पॉजिटिव मोटिव देता है, इसलिए तीनों को देखना जरूरी है।

क्यों है जरूरी

एप्टीटयूड टैस्ट ही किसी छात्र या व्यक्ति के करियर और काम की दिशा बताता है। उसकी क्षमता और रुचि को बताता है। इसके बाद उसे सही प्रोफेशन चुनने की सलाह दी जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर ऐसा नहीं होता तो अमुक व्यक्ति में आगे चल कर कुंठा का जन्म होता है। वह काम को एन्जॉय नहीं कर पाता। ऐसी स्थिति में उसके अंदर नकारात्मक सोच हावी हो जाती है। वह विध्वंसात्मक दिमाग का हो जाता है। उसमें पहचान का संकट भी पैदा होने लगता है। एप्टीटयूड, रुचि और व्यक्तित्व के हिसाब से काम नहीं मिलने पर वह अपने पेशे में उतना सक्षम साबित नहीं होता, जितना दूसरे लोग। ऐसे में वह दूसरों को नीचा दिखाने के लिए कई बार उलटे-सीधे हथकंडे भी अपनाता है। सफलता नहीं मिलने पर वह कई बार अवसाद की स्थिति में आ जाता है और आत्महत्या को मजबूर हो जाता है, इसलिए शिक्षण संस्थानों को सरकार ने बच्चों के करियर की दिशा तैयार करने को कहा है। शिक्षण संस्थाओं में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर आए दिन इसी वजह से खोले जा रहे हैं। यह हर संस्थान और काम की जगह की जरूरत बनती जा रही है। प्रो. चड्ढा कहते हैं, भारत में इस तरह की समस्याओं के लिए निजी प्रैक्टिशनर की ओर से जगह-जगह नगरों व महानगरों में काउंसलिंग सेंटर खुल गए हैं, लेकिन इसे चलाने वाले लोग आमतौर पर क्वालिफाइड नहीं होते। काउंसलिंग के लिए कौन सा व्यक्ति उपयुक्त है या नहीं, इसके लिए नेशनल एजेंसी बनी है। वह क्वालिफिकेशन तय करती है। गाइडलाइंस भी तैयार किए हैं।

एप्टीटयूड टैस्ट के रूप-रंग

लॉजिकल रीजनिंग- एप्टीटयूड टैस्ट के कई आयाम हैं, जिनमें एक है लॉजिकल रीजनिंग। इसके तहत कार्य-कारण संबंध पर जोर होता है। किसी व्यक्ति में मानसिक स्तर पर कैलकुलेशन की क्षमता कितनी है, इसका आकलन लॉजिकल रीजनिंग के माध्यम से किया जाता है। अगर वह लॉजिकल रीजनिंग में ज्यादा स्कोर करता है तो इससे पता चलता है कि वह कायदे-कानून में रह कर कठिन से कठिन समस्याओं को हल कर सकता है। इस क्षमता से लैस युवा मैनेजर, वैज्ञानिक और व्हाइट कॉलर जॉब में जाने के उपयुक्त होते हैं।

एब्सट्रेक्ट रीजनिंग - इसके तहत खरा उतरने वाला युवा बिखरी हुई चीजों को एकत्रित करके प्लान के साथ काम करने में विशेष हुनर रखता है। इसमें एप्टीटयूड किस तरफ जा रहा है, उसकी दिशा क्या है, वह एक एरिया से दूसरे एरिया में लिंक कर रहा है या नहीं, यह भी देखा जाता है। सिविल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में बेहतर करने वाले युवाओं में एब्सट्रेक्ट रीजनिंग हल करने की क्षमता ज्यादा पाई जाती है।

न्यूमेरिकल रीजनिंग - यह किसी व्यक्ति की गणितीय क्षमता की जानकारी देता है। वह गुणा-भाग करने और सांख्यिकीय सवालों को हल करने की कितनी क्षमता रखता है, इसका आकलन इसके द्वारा किया जाता है। इसे देख कर ही उसे इस विषय या क्षेत्र से जुड़े करियर में जाने की सलाह दी जाती है। मसलन सीए, गणितज्ञ और लेखाकार आदि बनने के लिए न्यूमेरिकल रीजनिंग में बेहतर होना चाहिए।

आई-हैंड कोऑर्डिनेशन - आमतौर टेक्निकल काम मसलन ड्राइविंग हो, पायलट या फिर किसी मशीन को चलाने के लिए मशीनमैन हो, उसमें यह एप्टीटयूड जरूर होना चाहिए। इसमें कोई व्यक्ति हाथ, पैर व आंख को काम करते वक्त कितना केन्द्रित कर पाता है, यह देखा जाता है। ऐसा व्यक्ति दुर्घटनाओं को कम करने में काफी मददगार साबित होता है। ड्राइवर, पायलट, मशीनमैन और मैकेनिकल जॉब के लिए यह एप्टीटयूड बढ़िया माना जाता है।

क्रिएटिव इनोवेशन - इसमें किसी व्यक्ति की रचनात्मक क्षमता का आकलन किया जाता है। उसमें कलात्मक रुझान व रुचि का पता लगाया जाता है। आमतौर पर व्हाइट कॉलर जॉब में इस तरह के लोगों की जरूरत पड़ती है। इसके तहत यह भी देखा जाता है कि वह निर्णय कितना शीघ्र और सही रूप में लेता है। उसमें फ्लेक्सिबिलिटी भी होनी चाहिए। कोई व्यक्ति स्वभाव में अड़ियल तो नहीं है। अगर उसमें फ्लेक्सिबिलिटी का स्तर बेहतर है तो उसे उच्चतम पदों की जिम्मेदारी दी जाती है। इसमें उसके अंदर बड़प्पन कितना है, इसका आकलन भी किया जाता है। एप्टीटयूड टैस्ट में ओरिजनेलिटी और मौलिकता को भी देखा जाता है। ऐसे चंद ही व्यक्ति होते हैं, जो अलग किस्म के आइडिया से लैस होते हैं। इस टैस्ट में ओरिजनल आइडिया को देखा व समझा जाता है। इसे बहुविध सोच के रूप में भी देखा जाता है। यह गुण जिसमें है, उसमें अध्यापक, लेखक, अभिनेता, संगीतज्ञ और आविष्कारक बनने की क्षमता होती है।

प्रोफेशनल लाइफ में रख रहे हैं कदम अपनाएं ये टिप्स

कॉलेज लाइफ को अलविदा कहकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में कदम रखने कम चुनौतीपूर्ण नहीं हैं। कई युवाओं के लिए कॉलेज ग्रेजुएशन पूरा होने और अपने पहले जॉब की शुरुआत काफी तनावपूर्ण होती है। कॉलेज पूरा करने के बाद आपको जॉब हंटिंग, इंटरव्यू देना होता है और वास्तविकता का सामना करना इतना आसान नहीं है। कॉलेज स्टूडेंट से एक प्रोडक्टिव एम्प्लॉई बनने का यह ट्रांजिशन सफल बनाने के लिए कुछ बातों को समझना जरूरी है। इन मुद्दों को समझकर और उनके लिए तैयार रहकर इस बदलाव को आसान बना सकते हैं।

कॉलेज जाने और नौकरी पर जाने में बहुत फर्क है। आप जॉब में बंक नहीं मार सकते। आप पैसे देकर ट्यूशन नहीं ले रहे बल्कि आपको पे किया जा रहा है। इसलिए ट्यूशन की तरह मन न होने पर आप काम पर नहीं जाने का मन नहीं बना सकते। आपको नौकरी में आठ घंटे तो काम करना ही पड़ता है।

कॉलेज का समय प्रयोग का समय होता है। हम यहां थोड़ा गैर जिम्मेदार हुए तो चलेगा लेकिन प्रोफेशनल लाइफ में ऐसा नहीं है। कॉलेज में गैर जिम्मेदार होने का मतलब खराब ग्रेड लेकिन वर्कप्लेस पर अनप्रोफेशनल होना मतलब आपके नौकरी की छुट्टी। प्रोफेशनल का मतलब ही सेल्फ-स्टार्टर होता है। कॉलेज से ज्यादा डेडलाइन का सामना आपको प्रोफेशनल वर्ल्ड में करना होगा।

ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद आपके दिमाग में अपना स्पष्ट करियर पाथ होना चाहिए लेकिन अगर आपका पहला जॉब अपनी योजना से मेल नहीं खाता है तो घबराइए नहीं।

कॉलेज छोड़ने और प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखने में बहुत चीजें बदलती है। हां, अगर आप दोपहर तक सोते रहते हैं या देर रात फिल्में देखते हैं तो यह सब आपको बंद करना पड़ेगा। आपकी डाइट भी बदलेगी। लाइफस्टाइल के बदलावों के लिए तैयार रहें।

कॉलेज लाइफ खत्म होने का मतलब नहीं कि आपकी लाइफ से फन गायब हो गया। आप अभी भी ट्रेवल कर सकते हैं, दोस्तों के साथ समय बिता सकते हैं और नए व रोमांचक चीजें सीख सकते हैं। इस समय आपको देखना होगा कि किस तरह से मनोरंजन करें ताकि आप अपनी जॉब की जिम्मेदारी भी अच्छे से निभा पाएं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

जावेद डार ने जेकेएचपीएमसी की 45वीं वार्षिक आम बैठक की अध्यक्षता की

श्रीनगर, 27 जुलाई। कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, सहकारिता और निर्वाचन विभाग के मंत्री जावेद अहमद डार ने आज यहां सिविल सचिवालय में जम्मू-कश्मीर बागवानी उपज विपणन एवं प्रसंस्करण निगम (जेकेएचपीएमसी) की 45वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) की अध्यक्षता की। वार्षिक आम बैठक में निगम के वित्तीय वर्ष 2019-20 से 2023-24 तक के लेखापरीक्षित खातों को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई। बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री ने बागवानी मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने और उत्पादकों के लिए बेहतर विपणन अवसर उपलब्ध कराने में जेकेएचपीएमसी की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने प्रबंध निदेशक को निगम के प्रदर्शन का नियमित आकलन करने, लिए गए निर्णयों के कार्यान्वयन की निगरानी करने और सतत विकास के लिए भविष्य की रणनीति तैयार करने के उद्देश्य से साल में दो बार समीक्षा बैठकें आयोजित करने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। जावेद डार ने कृषि एवं बागवानी उत्पादों के विपणन, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के क्षेत्र में विस्तार एवं नवाचार के नए अवसरों की पहचान करने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिल सके। उन्होंने निगम से परिणामोन्मुखी दृष्टिकोण अपनाने और अपनी गतिविधियों को कृषि समुदाय की बदलती जरूरतों के अनुरूप करने का आह्वान किया। मंत्री ने अधिकारियों को निगम की सभी परिसंपत्तियों का व्यापक आकलन करने तथा उनका उचित रखरखाव, प्रभावी निगरानी और अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभावी परिसंपत्ति प्रबंधन और विकास परियोजनाओं का समय पर क्रियान्वयन निगम की कार्यक्षमता और वित्तीय स्थिरता को काफी मजबूत करेगा। कृषि और बागवानी क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मंत्री ने कहा कि जेकेएचपीएमसी की फसल कटाई के बाद प्रबंधन, मूल्य संवर्धन, बाजार संपर्क और प्रसंस्करण बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि इससे किसानों की आय बढ़ाने और जम्मू-कश्मीर में ग्रामीण अर्थव्यवस्था के टिकाऊ विकास में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। बैठक में कृषि उत्पादन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. आशीष चंद्र वर्मा, जेकेएचपीएमसी के प्रबंध निदेशक मोहम्मद फारूक डार, निगम के शेयरधारक, निदेशक मंडल के सदस्य तथा जेकेएचपीएमसी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने जिलों में 'सीएससी डिजिटल एक्सीलेंस सेंटर' का उद्घाटन किया

जम्मू-कश्मीर में नागरिक-केंद्रित शासन को मजबूत करने के लिए सीएससी नेटवर्क का अधिकतम उपयोग करने का आह्वान

श्रीनगर, 27 जुलाई। मुख्य सचिव अटल डुल्लो ने आज एक समीक्षा बैठक में जम्मू-कश्मीर में कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के प्रदर्शन का आकलन किया और लोगों को उनके घर-द्वार तक सरकारी सेवाएं पहुंचाकर नागरिक-केंद्रित शासन को मजबूत करने के लिए व्यापक सीएससी नेटवर्क के प्रभावी उपयोग के उपायों पर चर्चा की।

बैठक में वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के आयुक्त सचिव के अलावा संबंधित प्रशासनिक सचिव, जेकेईजीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उपायुक्तों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में भाग लिया।

बैठक की शुरुआत में मुख्य सचिव ने अनंतनाग, गांदरबल, कुपवाड़ा, पुलवामा, शोपियां, श्रीनगर, कठुआ, जम्मू, रियासी, कुलगाम, रामबन और सांबा जिलों में स्थापित 12 सीएससी डिजिटल एक्सीलेंस सेंटर फॉर ई-गवर्नेंस का ई-उद्घाटन किया।

इन केंद्रों की परिकल्पना डिजिटल शासन को बढ़ावा देने, ग्राम स्तरीय उद्यमियों (वीएलई) की क्षमता बढ़ाने, डिजिटल साक्षरता में सुधार करने और सरकार से नागरिक (जी2सी) सेवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए समर्पित केंद्रों के रूप में की गई है।

इन केंद्रों से जागरूकता बढ़ाने, उभरते डिजिटल प्लेटफॉर्म को अपनाने और सरकार की प्रमुख योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में कार्य करने की उम्मीद है। इससे पूरे केंद्र शासित प्रदेश में अंतिम छोर तक शासन व्यवस्था को और मजबूत किया जा सकेगा।

सार्वजनिक सेवाओं की डिलीवरी में सीएससी की परिवर्तनकारी भूमिका पर जोर देते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि 15,500 से अधिक सक्रिय सीएससी का विशाल नेटवर्क जम्मू-कश्मीर में जमीनी स्तर पर डिजिटल शासन की रीढ़ बनने की क्षमता रखता है।

उन्होंने कहा कि इस नेटवर्क का अधिकतम उपयोग किया जाना चाहिए, ताकि भौगोलिक स्थिति चाहे जो भी हो, प्रत्येक नागरिक को सरकारी सेवाएं समय पर अपने घर के पास या घर-द्वार पर उपलब्ध हो सकें।

जम्मू-कश्मीर एमेच्योर कबड्डी एसोसिएशन ने शरिया मंजूर के ऐतिहासिक एशियन कबड्डी लीग में चुने जाने पर खुशी जताई

श्रीनगर, 27 जुलाई(हि.स.)। जम्मू-कश्मीर एमेच्योर कबड्डी एसोसिएशन ने पुलवामा की शरिया मंजूर के पहली एशियन कबड्डी लीग (महिला- चैप्टर 1) के लिए चुने जाने पर बहुत गर्व और खुशी ज़ाहिर की है। यह जम्मू-कश्मीर और भारतीय महिला कबड्डी के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। शरिया को उनकी इस शानदार कामयाबी पर बधाई देते हुए जम्मू-कश्मीर एमेच्योर कबड्डी एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी डॉ. कुलदीप कुमार गुप्ता ने कहा कि उनका चयन सालों की कड़ी मेहनत, लगन और अनुशासित ट्रेनिंग का नतीजा है। उन्होंने उनके कोच अर्शिद राथर को भी बधाई दी जिनकी देखरेख और कोचिंग में शरिया ने अपने हुनर को निखारा और एक बेहतरीन कबड्डी खिलाड़ी बनीं जो इंटरनेशनल लेवल पर मुकाबला करने में सक्षम हैं। उन्होंने खेलो इंडिया सेंटर्स और पीएमडीपी सेंटर्स को सही ढंग से चलाने के लिए स्पोर्ट्स काउंसिल की लगातार कोशिशों की तारीफ़ की। इन सेंटर्स ने पूरे केंद्र शासित प्रदेश में युवा खेल प्रतिभाओं को निखारने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में 10 नए कबड्डी सेंटर मंजूर करने के जम्मू कश्मीर स्पोर्ट्स काउंसिल के सेक्रेटरी के हालिया फ़ैसले की भी तारीफ़ की। उन्होंने कहा कि इस पहल से ज़मीनी स्तर पर खेल का विकास काफ़ी मज़बूत होगा और उभरते खिलाड़ियों को खेल में आगे बढ़ने के ज़्यादा मौके मिलेंगे। डॉ. कुलदीप कुमार गुप्ता ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि जम्मू-कश्मीर में कबड्डी का अभूतपूर्व विकास हो रहा है।

जिला बैडमिंटन टूर्नामेंट-युवाओं ने खेलों के जरिए नशे के खिलाफ दिया संदेश

Badminton Tournament under Nasha Mukt Bharat Abi
District Administration Kathua At Indoor Sports Stadiu

कठुआ, 27 जुलाई (हि.स.)। जिला प्रशासन कठुआ द्वारा आयोजित जिला बैडमिंटन टूर्नामेंट में युवाओं का उत्साह देखने लायक रहा। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों ने न केवल अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया बल्कि समाज को सकारात्मक संदेश भी दिया।

टूर्नामेंट में भाग लेने वाली एक युवा प्रतिभागी ने कहा कि खेल हमें आत्मविश्वास, अनुशासन और जीवन में उद्देश्य प्रदान करते हैं। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे खेलों को अपनाएं, सक्रिय रहें और नशे जैसी बुराइयों से दूर रहें।

प्रतिभागी ने जिला प्रशासन से आग्रह किया कि भविष्य में भी ऐसे खेल आयोजनों को नियमित रूप से आयोजित किया जाए ताकि अधिक से अधिक युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिल सके। यह आयोजन नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत युवाओं को जागरूक करने और खेलों के प्रति प्रेरित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल माना जा रहा है।

शिवसेना का बढ़ता जनाधार, दर्जनों लोगों ने थामा पार्टी का दामन

जम्मू, 27 जुलाई (हि.स.)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) जम्मू-कश्मीर इकाई द्वारा आज पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे के जन्मदिवस के अवसर पर जम्मू स्थित प्रदेश कार्यालय में सदस्यता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी की उपस्थिति में दर्जनों युवाओं एवं स्थानीय नागरिकों ने पार्टी की नीतियों, विचारधारा एवं जनहित के संघर्षों से प्रभावित होकर शिवसेना (यूबीटी) की सदस्यता ग्रहण की।

प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी ने नव-शामिल सदस्यों की कलाई पर शिव बंधन बांधकर तथा पार्टी का पटका पहनाकर उनका स्वागत किया।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य इंजीनियर/पुल/कार्यशाला, उत्तर रेलवे, जालंधर छावनी के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से, ओपन ई-टेंडर को एकल पैकेट सिस्टम के तहत निमंत्रित किया गया है।

क्रम सं. 1: निविदा सं. : OT-19-JRC-2026
कार्य का विवरण : स्वीकृत ड्रॉइंग के अनुसार 3.05 मीटर से 12.20 मीटर लंबाई की प्री-स्ट्रेस्ट कंक्रीट (PSC) स्लेबों की ढलाई, ब्रिज वर्कशॉप, जालंधर कैंट के PSC यार्ड में कार्य करना।
अनुमानित लागत : रु. 8,99,42,565.06
धरोहर राशि : रु. 17,98,900.00
खुलने की तिथि : 17.08.2026
IREPS पर बोली लगाने की तिथि : 03.08.2026 से 17.08.2026
निविदा फार्म की लागत रुपये : 0
कार्य समापन का समय : 18 महीने
निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए दिनांक और समय : प्रत्येक के खिलाफ दिखाए गए तिथियों पर 15:00 बजे तक और उसी समय 15:00 बजे के बाद।
वेबसाइट विवरण जहां निविदा का पूरा विवरण देखा जा सकता है और डाउनलोड किया जा सकता है : विस्तृत ई-निविदा सूचना उत्तर रेलवे वेबसाइट www.nr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है और निविदा दस्तावेज www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

सं.: 80-W/30/Bridges/Invitation दिनांक: 24.07.2026 2578/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

रामकोट में अवैध शराब पर पुलिस की कार्रवाई, 55 बोतल जब्त

कठुआ, 27 जुलाई (हि.स.)। अवैध शराब के कारोबार पर शिकंजा कसते हुए पुलिस ने बिलावर क्षेत्र के रामकोट में कार्रवाई करते हुए 55 बोतल जेके स्पेशल व्हिस्की बरामद कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार पुलिस टीम ने अड़ी खोकय रामकोट क्षेत्र में विशेष नाका लगाकर जांच के दौरान शीश पाल पुत्र हंस राज निवासी वार्ड नंबर-01 चिन्जी मकवाल को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से अवैध शराब की 55 बोतलें बरामद हुईं जिन्हें वह अवैध रूप से बेचने के उद्देश्य से ले जा रहा था। इस संबंध में थाना बिलावर में एफआईआर नंबर 154/2026 धारा 48(ए) आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा ने कहा कि अवैध शराब के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अवैध शराब पर पुलिस की कार्रवाई, 55 बोतल जब्त, एक गिरफ्तार

कठुआ, 27 जुलाई (हि.स.)। अवैध शराब के कारोबार पर शिकंजा कसते हुए पुलिस ने बिलावर क्षेत्र के रामकोट में कार्रवाई करते हुए 55 बोतल जेके स्पेशल व्हिस्की बरामद कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार पुलिस टीम ने अड़ी खोकय रामकोट क्षेत्र में विशेष नाका लगाकर जांच के दौरान शीश पाल पुत्र हंस राज निवासी वार्ड नंबर-01 चिन्जी मकवाल को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से अवैध शराब की 55 बोतलें बरामद हुईं जिन्हें वह अवैध रूप से बेचने के उद्देश्य से ले जा रहा था।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना सं.: 433_TELE_JAT_8_26_27 **समापन तिथि/समय: 10.08.2026, 15:00**
दिनांक: 17.07.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत वरिष्ठ डीएसटीई/जेएटी, निविदा सूचना संख्या **433_TELE_JAT_8_26_27** अंतिम तिथि/समयः **10.08.2026, 15:00 बजे** के लिए विरुद्ध **https://www.ireps.gov.in** पर ई-निविदाएँ आमंत्रित करते हैं। बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियाँ अंतिम तिथि और समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के लिए मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं किए जाएँगे, और प्राप्त होने वाले ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को नज़रअंदाज़ कर दिया जाएगा। ठेकेदारों को इस निविदा के अंतर्गत निविदा दस्तावेज़ लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान विधियों जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से करने की अनुमति है। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, जमा रसीदें, FDR आदि के माध्यम से मैन्युअल भुगतान की अनुमति नहीं है।

एनआईटी हेडर

अनुबंध प्रकार	कार्य		
कार्य का नाम	जम्मू डिवीजन के JAT, KTHU, HRNR, MDPB, PTK, PTKC, DHW, GSP, MCTM, TDO और KNDI स्टेशन पर गुड्स शेड में CCTV कैमरों की सुविधा।		
निविदा समापन तिथि समय	10.08.2026 15:00	**निविदा अपलोड करने की तिथि और समय**	17.07.2026 18:37
विज्ञापित मूल्य (रु.)	1,13,01,941.21	**आईआरईपीएस के अनुसार बोली प्रारंभ तिथि**	27.07.2026
बयाना राशि (रु.)	2,26,000.00	**पूरा होने की अवधि**	4 महीने

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2485/2026

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना सं. :– 433–सिग–टी–27–26–27 **दिनाँक : 24.07.2026**
बंद होने की तिथि / समय : 17.08.2026 को 15:00 बजे

वरिष्ठ मण्डल संकेत एंव दूरसंचार इंजीनियर, उत्तर रेलवे, फिरोजपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से टैंडर नं. 433-सिग-टी-27-26-27 ई. टैडरिंग के माध्यम से दिनांक 17.08.2026 को 15:00 बजे तक **https://www.ireps.gov.in** वेबसाईट पर निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपनी निविदाएं असली/संशोधित निश्चित किए गए समय तथा तारीख तक अवश्य जमा करवाएं। इस टैंडर के अर्न्तगत मैनुअल निविदा वर्जित है और अगर कोई मैनुअल निविदा प्राप्त होगी तो वह मान्य नही होगी। ठेकेदारों द्वारा टैडर डाक्यूमैंट की कीमत और ब्याना राशि जोकि इस टैंडर के लिए मान्य है वह केवल आईआरईपीएस पोर्टल जैसे कि नैट बैकिंग, डैबिट कार्ड, क्रैडिट कार्ड इत्यादि द्वारा ही स्वीकृत की जाएगी। इसके अतिरिक्त डिमान्ड ड्राफट, बैंकर चैक, डिपोजिट रसीद, एफडीआर इत्यादि के माध्यम द्वारा जमा करवाई गई राशि मान्य नहीं होगी।

एन आई टी.

कार्य का नाम	**(i)** ADEN/लुधियाना के अंतर्गत, सहानवाल–जालंधर कैंट सेक्शन पर KM 398/970 (TVUS 78912) स्थित LC नंबर S84 की जगह B–रूट (वंदे भारत रूट) पर लिमिटेड हाइट सबवे (5.0 x 5.0 मीटर इंटरनल साइज) के निर्माण के संबंध में पुशिंग विधि से सिग्नलिंग और टेलीकॉम का काम। **(ii)** डीएसटीई/फिरोजपुर के अनुभागों के लिए एक वर्ष के लिए अनुभागीय सिग्नल रखरखाव अनुबंध का कार्य। (iii) S&T का काम जो इनसे जुड़ा हैः (1) जालंधर सिटी–अमृतसर सेक्शन पर पुल नंबर 102 UP&DN, 111 UP&DN, 119 UP; अमृतसर–अटारी सेक्शन पर पुल नंबर 180; और वेरका–डेरा बाबा नानक सेक्शन पर पुल नंबर 103 के स्टील गर्डर को RCC स्लैब से बदलना। (ii) फिरोजपुर डिविजन के ADEN–जालंधर के तहत जालंधर सिटी–नकोदर सेक्शन पर KM 4/13–14 पर LC C–7 की जगह 5 m x 3.5 m साइज का LHS बनाना। (iii) ADEN-I/अमृतसर के तहत वेरका–डेरा बाबा नानक सेक्शन पर मैन वाले L–क्रॉसिंग नंबर A–5 पर पुशिंग मेथड से 5.0 x 5.0 m साइज का LHS बनाना। (iv) फिल्लौर–लोहियां खास सेक्शन में स्टील ट्रफ पुल नंबर 158 की जगह RCC बॉक्स (2 ट्विन बॉक्स) पुल बनाना।		
टैंडर बन्द करने की तिथि तथा समय	(i) 17.08.2026 15:00 (ii) 17.08.2026 15:00 (iii) 17.08.2026 15:00	टैंडर की अपलोड करने की तिथि तथा समय	24.07.2026 18:22
अनुमानित कीमत	(i) 3548796.61 (ii) 14984554.68 (iii) 10311974.40	बिडिंग आरम्भ की तिथि (आई.आर.ई.पी.एस)	(i) 03.08.2026 (ii) 03.08.2026 (iii) 03.08.2026
ब्याना राशि (रु.)	(i) 71000.00 (ii) 299700.00 (iii) 206200.00	कार्य पूरा करने की अवधि	(i) 6 महीने (ii) 12 महीने (iii) 6 महीने
नोटः	निविदाकर्ता नियमित रूप से वेबसाइट के संपर्क में रहकर निविदा संशोधनों, शुद्धिपत्र आदि के बारे में स्वयं को अपडेट रखें।		

2575/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

UNION TERRITORY OF JAMMU & KASHMIR
OFFICE THE EXECUTIVE ENGINEER PWD (R&B) DIVISION UDHAM-PUR
NOTICE INVITING TENDER
Fresh e-NITNo.87of2026-27Dated 25.07.2026 (2nd Call)

For and onbehalf of theLieutenantGovernor,UnionTerritoryofJammuandKashmir e-tenders are invited on percentage basisfrom approved and eligible Contractors registered with Union Territory of J&K,CPWD, Railways, MES and other State/ Central Governments for the following works:-

S. No.	NameofWork	Advertised Cost(Rs. in lacs)	Cost of document (in Rs)	Earnest Money	Time Allowedfor completion	Class of Contractor	Headof Account
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.
1.	Revival, Restoration, Preservation and Maintenance of Sankri Baba Temple meer Panchari.	51.50	1500/-	@2% of advertised cost	180Days	"A-Class"	Under MH 4202-Archieves 2026-27
2.	Construction of Boundary Wall at MS Sankari (Under SAMAGRA2026-27)	5.32	600/-	@2% of advertised cost	30 Days	"C/ D Class"	SAMAGRA 2026-27

PositionofAAA:- Accorded
Position of T.S:- Accorded
Position of Funds:-Authorized

The BiddingdocumentsConsistingofqualifyinginformation,eligibilitycriteria,specifications,Drawings, bill ofquantities (B.O.Q), Set of terms and conditions of contract and other details can be seen/downloaded from the departmental website http://jktenders.gov.inas per below schedule:-

1 Date of Issue of Tender Notice	**25-07-2026**
2 Period of downloading of bidding documents	**From25-07-2026to30-07-2026,1800Hrs**
3 Date,Time and place of pre-bid meeting.	**31-07-2026 at 1200 Hrs.in the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division,Udhampur.**
4 Bid submission Start Date	**25-07-2026from 1400Hrs**
5 Bid Submission End Date	**30-07-2026upto1800Hrs**
6 Date & time of opening f TechnicalBids(Online)	**31-07-2026 on or after 1200 Hrs in the Office of Executive Engineer, PWD(R&B) Division,Udhampur.**
7 Date & time of opening of Financial Bids(Online)	**To be notified after technical bid evaluationis completed.**

1.Bids must be accompanied with cost of Tender document in shape of e-challan through TreasuryindicatingTreasuryVoucherNo.&date,nameofworkdulycreditingto0059(Revenue)favoring Executive Engineer PWD (R&B) Division, Udhampur uploading a copy of treasurychallan and EMD/Bid Security in the shape of CDR/FDR (The date of Treasury Challan/ BidSecurity/Affidavits between date of start of bid submission and bid submission end date) dulypledged to Executive Engineer PWD (R&B) Division, Udhampur(The date of Issuance of e- stamp/affidavit/attestationshouldbeafter date ofissueof e-NIT) as mentionedin thebiddocuments. The earnest money of the unsuccessful bidder shall be released only after submission of TreasuryChallan.
2.The electronic bidding system wouldnotallow any late submissionofbidsafterduedateandtimeas per server time. Bidders may modify their bids by uploading their request for modification before the deadlineforsubmissionofbids.Forthis,thebidderneednotmakeanyadditionalpaymenttowardsthe cost of tender document. For bid modification and consequential re-submission, the bidder is not required to withdraw his bid submitted earlier. The last modified bid submitted by the bidder within the bid submission time shall be considered as the bid. For this purpose, modification/withdrawal by other means will not be accepted.Inonlinesystemofbidsubmission,themodificationandconsequential-submissionofbidsisallowed any number of times. The bidders may withdraw his bid by uploading their request before the deadline for submission of bids; however, if the bid iswithdrawn, there-submission of thebid isnot allowed. No bid shall be modified or withdrawn after the deadline of submission of bids.
3.The date and time of opening of Financial-Bids shall be notified on Web Site www.jktenders.gov.inand conveyed to the bidders automatically through an e-mail message on their e-mail address. The Financial-bidsof Responsive biddersshall be opened online in the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division,Udhampur. The date for same shall be intimated separately.
4.The bids for the work shall remain valid for a period of 120 days from the date of opening of Technical bids.
5. The bidder shall be disqualified from bidding for any contract with this office for a period of 03 Yearsfrom the date of notification, If:-
a) Any bidder/tendererwithdrawshisbid/tenderduringtheperiodofbidvalidityormakesanymodificationsin the terms and conditions of the bid.
b)Failure of Successful bidder to furnish the required performance security within specified time period after issue of letter of acceptance.
6. Instruction to bidders regardinge-tendering process.
6.1 Bidders are advised to download bidsubmission manual fromthe"Downloads"optionaswellasfrom "Bidders Manual Kit"onwebsitewww.jktenders.gov.intoacquaintbidsubmissionprocess.
6.2.To participate in bidding process,bidders have to get 'DigitalSignatureCertificate(DSC)'asper Information Technology Act-2000. Bidders can get digital certificate from anyapprovedvendors.
6.3. The bidders have to submit their bids online in electronic format with digitalSignature.Nofinancialbidwill be accepted in physical form.
6.4. Bids will be opened online as per time schedule mentioned above.
6.5. Bidders must ensure to upload scanned copy of all necessary documents mentioned in NIT and SBD withtechnical bid online.

No:- 8186-91 Dated:-25-07-2026

DIP/J-6739/26
Dtd: 27-7-2026

Sd/-
Executive Engineer
PWD(R&B) Division
Udhampur

बदलते दौर में बढ़ी शिक्षकों की जिम्मेदारी, छात्रों को सोशल मीडिया के दुष्प्रचार से बचने का तरीका सिखाना होगा : सीएम योगी

***लखनऊ, 26 जुलाई।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बदलते दौर में शिक्षकों की जिम्मेदारी बढ़ गई है। उन्हें छात्रों को सच और झूठ में अंतर पता करना, सोशल मीडिया के दुष्प्रचार से बचने का तरीका और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी नई तकनीकों का जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग भी सिखाना होगा। सोशल मीडिया व एआई आज की जरूरत हैं, लेकिन इनका इस्तेमाल समाज व देशहित में होना चाहिए। भारत विरोधी ताकतें इन्हीं माध्यमों का दुरुपयोग कर समाज में भ्रम, विद्वेष और अव्यवस्था फैलाने का प्रयास कर रही हैं, इसलिए शिक्षण संस्थानों को युवाओं को जागरूक करने के लिए आगे आना होगा। मुख्यमंत्री रविवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा में उच्च शिक्षा विभाग के शिक्षकों एवं उनके आश्रितों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने वाली मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के शुभारंभ

समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग और पंजाब नेशनल बैंक के बीच शिक्षकों को सामाजिक सुरक्षा कवच उपलब्ध कराने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर भी किए गए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का स्वागत एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधा भेंटकर किया गया। मुख्यमंत्री ने गुरु पूर्णिमा के ठीक पहले उच्च शिक्षण संस्थानों के सभी प्राध्यापकों को यह सुविधा प्राप्त होने पर बधाई दी। सीएम ने कहा कि कैशलेस चिकित्सा सुविधा के माध्यम से विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों चाहे वे राजकीय हों, शासकीय सहायता प्राप्त अशासकीय महाविद्यालय हों अथवा स्ववित्तपोषित प्रबंधन के अंतर्गत संचालित विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय हों, सभी को इस योजना के अंतर्गत शामिल किया जा रहा है। इसके साथ ही शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को भी इस योजना से जोड़ा जा रहा है। प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये की कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने वाली इस योजना से लगभग 10 लाख लोग आच्छादित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कैशलेस चिकित्सा सुविधा के साथ ही पंजाब नेशनल बैंक के साथ एक एमओयू भी किया गया है, जो शिक्षकों को सामाजिक सुरक्षा की अतिरिक्त गारंटी प्रदान करेगा। इस एमओयू के अंतर्गत दुर्भाग्यवश किसी शिक्षक के साथ कोई दुर्घटना या स्थायी विकलांगता जैसी अप्रत्याशित घटना होने की स्थिति में परिवार को पंजाब नेशनल बैंक द्वारा इस योजना के माध्यम से 1.5 करोड़ से लेकर 3 करोड़ रुपये तक की सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। 60,000 रुपये तक की हॉस्पिटल कैश सुविधा तथा 12 लाख रुपये तक का टर्म लाइफ बीमा कवर भी इस योजना के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है। कोई भी व्यक्ति दुर्घटना की चपेट में आ सकता है। ऐसे समय में व्यक्ति या उसके परिवार के साथ सिस्टम, शासन और बैंकिंग व्यवस्था खड़ी रहे। इसी उद्देश्य से आज दो प्रकार की महत्वपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

सरकार ने दो प्रमुख विरासत संरक्षण परियोजनाओं के लिए 16.36 करोड़ रुपये किए मंजूर

श्रीनगर, 27 जुलाई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर सरकार ने शोपियां की ऐतिहासिक जामिया मस्जिद और रामबन के सर्वधर चौमांदा माता मंदिर के पुनरुद्धार और जीर्णोद्धार के लिए 16.36 करोड़ रुपये की दो प्रमुख विरासत संरक्षण परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

सरकारी प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार ने शोपियां की जामिया मस्जिद के लिए 6.05 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं ताकि इसकी विशिष्ट स्थापत्य शैली को संरक्षित किया जा सके और इसकी समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखा जा सके।

संपादकीय

बारिश, जोखिम और जिम्मेदारी

बीते वर्षों के विपरीत, जब बारिश का मौसम भीषण गर्मी से राहत लेकर आता था, आज जलवायु में काफी बदलाव देखने को मिल रहा है, जिसका मुख्य कारण संभवतः ग्लोबल वार्मिंग है। मौसम के बदलते मिजाज के कारण हिमालयी क्षेत्र, जिसमें जम्मू-कश्मीर भी शामिल है, में बारिश का असामान्य और बाधित दौर देखने को मिल रहा है। अत्यधिक बारिश और मौसम में होने वाले अन्य बदलावों से सुरक्षित रहने के लिए सभी जरूरी सावधानियां बरतना अब बेहद आवश्यक हो गया है।

इसी संदर्भ में, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कथित तौर पर चेतावनी जारी की है कि आने वाले दिनों में उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश, गरज-चमक, आकाशीय बिजली और तेज हवाएं चलने की संभावना है। दुर्भाग्य से, जम्मू-कश्मीर भी उन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सूची में शामिल है, जहां मानसून की यह तीव्र गतिविधि देखने को मिल सकती है।

यह उल्लेख करना उचित होगा कि हाल ही में जम्मू संभाग में अचानक आई बाढ़, भूस्खलन और बारिश से जुड़ी अन्य घटनाओं ने व्यापक तबाही मचाई और 20 से अधिक लोगों की जान चली गई। ऐसे में आईएमडी द्वारा आगामी सप्ताह के लिए जताई गई खराब मौसम की आशंका को देखते हुए अत्यधिक सतर्क रहना और भी जरूरी हो गया है।

अत्यधिक बारिश के दौरान बाढ़, जलभराव, भूस्खलन, सड़कों का अवरुद्ध होना तथा घरों और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचना आम जोखिम हैं। इसलिए लोगों को स्थिति का विवेकपूर्ण आकलन करना चाहिए और यदि उनके घरों के आसपास अचानक बाढ़, भूस्खलन या बारिश से जुड़ी किसी अन्य अप्रिय घटना का खतरा हो तो घरों के भीतर सुरक्षित रहना चाहिए या समय रहते सुरक्षित स्थानों पर चले जाना चाहिए।

पहाड़ी और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को विशेष रूप से सतर्क रहने की जरूरत है, क्योंकि लगातार बारिश से भूस्खलन और अचानक बाढ़ आने की आशंका बढ़ जाती है। आईएमडी द्वारा जारी चेतावनी को पूरी गंभीरता से लिया जाना चाहिए, क्योंकि सरकार हर एक घर तक तत्काल नहीं पहुंच सकती। इसलिए यह जरूरी है कि लोग खराब मौसम के कारण उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पहले से तैयार रहें।

स्थानीय प्रशासन को अपने कर्मचारियों को हर समय सतर्क रहने के निर्देश देने चाहिए और कर्मचारियों की सभी छुट्टियां रद्द कर देनी चाहिए, क्योंकि मानसून के दौरान उत्पन्न होने वाली चुनौतियां कई बार अप्रत्याशित और गंभीर होती हैं, जिनसे प्रशासन के सक्रिय सहयोग के बिना निपटना संभव नहीं है।

ऐसे कठिन समय में यह बेहद जरूरी है कि आम लोग, समुदाय और सरकार सभी अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए कार्य करें। मौसम संबंधी चेतावनी को सामान्य मौसमी सूचना मानकर नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। इसलिए किसी भी तरह की लापरवाही से बचना चाहिए। जब मामला जान-माल और संपत्ति की सुरक्षा से जुड़ा हो, तो लोगों और सरकार को मौसम के कहर बरपाने का इंतजार नहीं करना चाहिए। इसके बजाय, सभी आवश्यक सावधानियां समय रहते और प्राथमिकता के आधार पर उठाई जानी चाहिए।

(विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस/28 जुलाई/विशेष)

धरती की चेतावनी सुनिए

योगेश कुमार गोयल

पूरी दुनिया में मौसम के तेजी से बिगड़ते मिजाज के कारण विभिन्न देशों में प्रकृति की मार अब स्पष्ट नजर आने लगी है। प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही परिणाम है कि अब हर साल देश के कई हिस्से भारी बारिश के कारण बाढ़ की वजह से त्राहि-त्राहि करते नजर आते हैं जबकि कई हिस्से मानसून के दौरान भी पर्याप्त बारिश के लिए तरसते रह जाते हैं। इस वर्ष भी कुछ ऐसे ही हालात हैं। दुनिया के कई ठंडे इलाके अब ग्लोबल वार्मिंग के कारण तपने लगे हैं तो कई सूखे इलाके बाढ़ से त्रस्त हैं, जंगल झुलस रहे हैं। बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा जीव-जंतुओं की कई प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

पहली बार देखा गया था कि किस प्रकार लॉकडाउन के चलते लोगों के घरों में बंद रहने और सभी प्रकार के व्यावसायिक कार्य बंद हो जाने से हवा इतनी शुद्ध हो गई थी कि सैकड़ों किलोमीटर दूर स्थित पर्वतों की चोटियां भी स्पष्ट दिखाई दी थी। जिन नन्ही चिड़ियों की चहचहाहट को हमारे कान तरस गए थे, ब्रह्म मुहूर्त में उनकी मधुर आवाज फिर से सुनाई देनी लगी थी। प्रकृति के उस साफ-सुथरे स्वरूप को देखकर हर कोई खुश था।

पर्यावरण के तेजी से बदलते इस दौर में वैश्विक स्तर पर लोगों का ध्यान इन समस्याओं की ओर आकृष्ट करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 जुलाई को 'विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस' मनाया जाता है, जिसके माध्यम से वातावरण में हो रहे व्यापक बदलावों के चलते लगातार विलुप्ति के कगार पर पहुंच रही जीव जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों की रक्षा का संकल्प लिया जाता है। विश्वभर में आधुनिकीकरण और औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर जो खिलवाड़ हो रहा है, उसके मद्देनजर आमजन को जागरूक करने के लिहाज से आज के समय में प्रकृति संरक्षण दिवस की महत्ता बढ़ गई है।

साल 2020 में कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन के दौर में पूरी दुनिया ने पहली बार प्रकृति को खुलकर मुस्कराते देखा था। तब औद्योगिक इकाइयां, हवाई व रेल यात्राएं, बस यात्रा तथा निजी वाहनों का आवागमन बंद होने से हर तरह के प्रदूषण का स्तर पूर्ण रूप से नियंत्रित हो गया था। गंगा, यमुना जैसी जो पवित्र नदियां कई जगहों पर गंदे नालों की भांति बहती दिखाई देती थी, उनमें जल की निर्मल धारा बहने लगी थी। जिन नदियों को साफ करने के लिए पिछले कुछ दशकों में अनेक योजनाएं और समितियां बनी तथा नदियों की स्वच्छता के नाम पर अरबों-खरबों रुपये खर्च हो गए, लॉकडाउन के दौरान वे स्वतः ही स्वच्छ और निर्मल हो गई थी।

पहली बार देखा गया था कि किस प्रकार लॉकडाउन के चलते लोगों के घरों में बंद रहने और सभी प्रकार के व्यावसायिक कार्य बंद हो जाने से हवा इतनी शुद्ध हो गई थी कि सैकड़ों किलोमीटर दूर स्थित पर्वतों की चोटियां भी स्पष्ट दिखाई दी थी। जिन नन्ही चिड़ियों की चहचहाहट को हमारे कान तरस गए थे, ब्रह्म मुहूर्त में उनकी मधुर आवाज फिर से सुनाई देनी लगी थी। प्रकृति के उस साफ-सुथरे स्वरूप को देखकर हर कोई खुश था। दरअसल प्रकृति को स्वयं अपनी मरम्मत करने और खुद को सजाने-संवारने का सुअवसर मिला था लेकिन इंसानी गतिविधियां पुनः शुरू होते ही प्रकृति के साथ निर्मम खिलवाड़ का वही दौर पुनः शुरू हो गया, जिसका परिणाम इस समय दुनिया के तमाम देश भुगत रहे हैं।

लॉकडाउन के दौर ने पूरी दुनिया को यह समझने का बेहतरीन अवसर दिया था कि इंसानी गतिविधियों के कारण ही प्रकृति का जिस बड़े पैमाने पर दोहन किया जाता रहा है, उसी के कारण स्वर्ग से भी सुंदर हमारी धरती कराहती रही है। प्रकृति मनुष्य को ऐसा न करने के लिए बार-बार किसी न किसी बड़ी आपदा के रूप में चेतावनियां भी देती रही है लेकिन उन चेतावनियों को सदा दरकिनार किया जाता रहा है। प्रकृति के साथ मानवीय छेड़छाड़ का ही नतीजा रहा है कि बीते कुछ वर्षों में मौसम चक्र में बदलाव स्पष्ट दिखाई दिया है। वर्ष दर वर्ष अब जिस प्रकार मौसम के बिगड़ते मिजाज के चलते समय-समय पर तबाही देखने को मिल रही है, ऐसे में हमें अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि मौसम चक्र के बदलाव के कारण प्रकृति संतुलन पर जो विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, उसकी अनदेखी के कितने भयावह परिणाम होंगे।

प्रकृति बार-बार मौसम चक्र में बदलाव के संकेत, चेतावनी तथा संभलने का अवसर देती रही है लेकिन हम आदतन किसी बड़े खतरे के सामने आने तक ऐसे संकेतों या चेतावनियों को नजरअंदाज करते रहे हैं, जिसका नतीजा अक्सर भारी तबाही के रूप में सामने आता रहा है। पिछले तीन दशकों से पर्यावरण प्रदूषण के कारण जिस प्रकार मौसम चक्र तीव्र गति से बदल रहा है और प्राकृतिक आपदाओं का आकस्मिक सिलसिला तेज हुआ है, उसके बावजूद यदि हम नहीं संभलना चाहते तो इसमें भला प्रकृति का क्या दोष? प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर जो छेड़छाड़ कर रहे हैं, उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय में भयानक तूफान, बाढ़, सूखा, भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। जो पर्वतीय स्थान कुछ सालों पहले तक शांत और स्वच्छ वातावरण के कारण हर किसी को अपनी ओर आकर्षित किया करते थे, आज वहां भी प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है और ठंडे इलाकों के रूप में विख्यात पहाड़ भी तपने लगने हैं, वहां भी जल संकट गहराने लगा है।

दरअसल पर्वतीय क्षेत्रों में यातायात के साधनों से बढ़ते प्रदूषण, बड़े-बड़े उद्योग स्थापित करने और राजमार्ग बनाने के नाम पर बड़े पैमाने पर वनों के दोहन, सुरंगें बनाने के लिए बेदर्दी से पहाड़ों का सीना चीरे जाने का ही दुष्परिणाम है कि हमारे इन खूबसूरत पहाड़ों की ठंडक अब लगातार कम हो रही है। पहाड़ों में बढ़ती इसी गरमाहट के चलते हमें अकसर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें भी सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गरमाहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब वर्ष दर वर्ष बढ़ रहा है।

हालांकि प्रकृति बार-बार अपना रौद्र रूप दिखाकर स्पष्ट चेतावनी देती रही है कि यदि उसके साथ अंधाधुंध खिलवाड़ बंद नहीं हुआ तो उसके घातक परिणाम होंगे लेकिन विडंबना है कि लगातार प्रकृति का प्रचंड रूप देखते रहने के बावजूद प्रकृति की चेतावनियों को नजरअंदाज कर दुनिया अपने विनाश को आमंत्रित कर रही है। दरअसल हम समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम कंक्रीट के जो जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं है बल्कि विकास के नाम पर हम अपने ही विनाश का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। यदि हम अभी भी नहीं संभले और हमने प्रकृति से साथ खिलवाड़ बंद नहीं किया तो हमें आने वाले समय में इसके खतरनाक परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

क्या हमारे शहर इंसानों के लिए बने हैं या केवल वाहनों के लिए?

- डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में शहर तेजी से बदल रहे हैं। चौड़ी सड़कों, ऊंचे फ्लाईओवरों, एक्सप्रेस-वे, मेट्रो नेटवर्क और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को आधुनिक विकास का प्रतीक माना जा रहा है, लेकिन इस चमकदार विकास के बीच एक बुनियादी प्रश्न लगातार उपेक्षित है- क्या हमारे शहर इंसानों के लिए बने हैं या केवल वाहनों के लिए? क्या एक नागरिक को सुरक्षित, सम्मानजनक और सुविधाजनक ढंग से पैदल चलने का अधिकार वास्तव में उपलब्ध है?

राइट टू वॉक केवल परिवहन का मुद्दा नहीं है, बल्कि आधुनिक शहरी परिदृश्यों में स्थानिक न्याय, सामाजिक समानता और मानवीय गरिमा का गंभीर प्रश्न है। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में सार्वजनिक स्थानों पर समान अधिकार प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार होना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति सड़क पर सुरक्षित रूप से पैदल नहीं चल सकता, तो यह केवल यातायात की समस्या नहीं बल्कि उसके नागरिक अधिकारों के सीमित होने का संकेत है।

भारत में करोड़ों लोग आज भी अपनी दैनिक यात्राओं का बड़ा हिस्सा पैदल तय करते हैं। स्कूल जाने वाले बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं, दिव्यांगजन, मजदूर, छोटे दुकानदार और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने वाले अधिकांश लोग किसी न किसी चरण में पैदल ही चलते हैं। इसके बावजूद हमारी शहरी योजना में पैदल यात्रियों को सबसे कम प्राथमिकता दी जाती है। फुटपाथ या तो हैं ही नहीं, या अतिक्रमण से घिरे हैं, या उनकी स्थिति इतनी खराब है कि लोग मजबूर होकर सड़क पर चलने लगते हैं। परिणामस्वरूप सड़क दुर्घटनाओं में बड़ी संख्या पैदल यात्रियों की होती है।

विडंबना यह है कि जिन लोगों के पास निजी वाहन नहीं हैं, वही सबसे अधिक जोखिम उठाते हैं। जिनके पास कार है, उनके लिए चौड़ी सड़कें बनती हैं; जिनके पास वाहन नहीं, उनके लिए सुरक्षित फुटपाथ भी उपलब्ध नहीं। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं बल्कि स्थानिक अन्याय का उदाहरण है। स्थानिक न्याय का अर्थ है कि शहर के सार्वजनिक संसाधनों, स्थानों और सुविधाओं पर सभी नागरिकों का समान अधिकार हो। यदि शहर का अधिकांश सार्वजनिक स्थान वाहनों को समर्पित कर दिया जाए और पैदल चलने वालों, साइकिल चालकों तथा दिव्यांगजनों के लिए पर्याप्त व्यवस्था न हो, तो यह सार्वजनिक स्थानों के असमान वितरण को दर्शाता है। भारतीय शहरों की अधिकांश सड़कें वाहन-केंद्रित सोच के साथ विकसित हुई हैं। यातायात प्रबंधन का प्रमुख उद्देश्य वाहनों की गति बढ़ाना माना जाता है, जबकि सड़क का वास्तविक उद्देश्य लोगों को सुरक्षित रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाना होना चाहिए। यही कारण है कि कहीं फुटपाथ अचानक समाप्त हो जाते हैं, कहीं बिजली के खंभे, ट्रांसफार्मर या ठेले उनके बीच खड़े मिलते हैं, तो कहीं पार्किंग ने पूरी जगह घेर रखी होती है। महिलाओं के लिए सुरक्षित पैदल मार्ग केवल सुविधा नहीं बल्कि स्वतंत्रता का प्रश्न है। यदि किसी महिला को शाम के समय अंधेरे, सुनसान अथवा टूटी हुई सड़क से गुजरना पड़े तो उसकी आवाजाही सीमित हो जाती है। इसी प्रकार बुजुर्गों के लिए ऊंचे फुटपाथ, बिना रैंप के क्रॉसिंग और तेज रफ्तार यातायात गंभीर बाधाएँ उत्पन्न करते हैं। दिव्यांगजन तो अनेक बार सार्वजनिक स्थानों का उपयोग ही नहीं कर पाते। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य समावेशी, सुरक्षित और सुलभ शहरों पर विशेष बल देते हैं। शहर तभी समावेशी कहलाएंगे जब प्रत्येक नागरिक—चाहे उसकी आय, आयु, लिंग या शारीरिक क्षमता कुछ भी हो- समान सम्मान के साथ सार्वजनिक स्थानों का उपयोग कर सके। आज शहरी विकास में एक बड़ी विडंबना यह है कि विकास का मूल्यांकन प्रायः इस आधार पर किया जाता है कि सड़क पर कितनी तेजी से वाहन चल सकते हैं। जबकि किसी भी विकसित शहर का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि वहां पैदल चलना कितना सुरक्षित, आरामदायक और सहज है। विश्व के अनेक देशों ने पिछले वर्षों में वॉकेबल सिटी की अवधारणा को अपनाया है। उन्होंने महसूस किया कि अत्यधिक वाहन-निर्भरता प्रदूषण, ऊर्जा संकट, मानसिक तनाव, सड़क दुर्घटनाओं और सामाजिक अलगाव को बढ़ाती है। इसके विपरीत पैदल चलने योग्य शहर स्वास्थ्य, पर्यावरण, स्थानीय अर्थव्यवस्था और सामाजिक संवाद को मजबूत करते हैं। जब लोग पैदल चलते हैं तो स्थानीय बाजारों में अधिक खरीदारी करते हैं, छोटे व्यवसायों को लाभ मिलता है, सामुदायिक संबंध मजबूत होते हैं और शहर अधिक जीवंत बनते हैं। पैदल चलना सार्वजनिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत लाभकारी है। नियमित पैदल चलना मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग जैसी अनेक जीवनशैली संबंधी बीमारियों के जोखिम को कम करता है। यदि शहर लोगों को पैदल चलने के लिए प्रेरित करें तो स्वास्थ्य पर होने वाला सार्वजनिक व्यय भी कम हो सकता है। पर्यावरणीय दृष्टि से भी राइट टू वॉक अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत के अधिकांश बड़े शहर वायु प्रदूषण, कार्बन उत्सर्जन और ट्रैफिक जाम की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। यदि छोटी दूरी की यात्राओं के लिए लोग पैदल चलने लगें तो ईंधन की खपत कम होगी, प्रदूषण घटेगा और जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने में भी सहायता मिलेगी। स्मार्ट सिटी की अवधारणा केवल डिजिटल तकनीक या निगरानी प्रणाली तक सीमित नहीं होनी चाहिए। वास्तविक स्मार्ट सिटी वह है जहां बच्चा सुरक्षित स्कूल जा सके, बुजुर्ग बिना भय के पार्क तक पहुंच सके, महिला रात में भी आत्मविश्वास के साथ चल सके और दिव्यांग व्यक्ति बिना किसी बाधा के सार्वजनिक स्थानों का उपयोग कर सके। भारत में सड़क सुरक्षा की चुनौती भी राइट टू वॉक से गहराई से जुड़ी हुई है। तेज गति, अवैध पार्किंग, अतिक्रमण, अव्यवस्थित ट्रैफिक और पैदल पारपथों की कमी प्रतिवर्ष हजारों लोगों की जान लेती है। अनेक दुर्घटनाएं केवल इसलिए होती हैं क्योंकि लोगों को सड़क पार करने के लिए सुरक्षित व्यवस्था उपलब्ध नहीं होती।

शहरों में अक्सर देखा जाता है कि फुटओवर ब्रिज या सबवे तो बनाए जाते हैं, लेकिन उनकी उपयोगिता, दूरी और पहुँच का पर्याप्त ध्यान नहीं रखा जाता। कई बार बुजुर्ग, महिलाएं या दिव्यांगजन उनका उपयोग नहीं कर पाते और मजबूर होकर सड़क पार करते हैं। इसलिए केवल संरचना बना देना पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे मानव-केंद्रित बनाना आवश्यक है।

स्मृतियों में जिम कॉर्बेट

प्रयाग पाण्डे

प्रकृति के सजग चितेरे, वन्यजीव विज्ञानी, शिकार कथा लेखक और प्रसिद्ध शिकारी जेम्स एडवर्ड कॉर्बेट यानी जिम कॉर्बेट की 151वीं जयंती 25 जुलाई के साथ खामोशी के साथ गुजर गई। 71 वर्ष पूर्व उनकी आत्मा अनंत में विलीन हो चुकी है। इसके बावजूद नेकदिली और भलमनसाहत के चलते जिम कॉर्बेट भारत के सामाजिक जीवन का अटूट हिस्सा बने हुए हैं। जिन लोगों ने जिम कॉर्बेट को कभी देखा नहीं, वे भी गरीबों से अगाध प्रेम करने वाले नेक दिल इंसान के रूप में जिम के प्रति श्रद्धा रखते हैं।

जेम्स एडवर्ड कॉर्बेट के पुरखे मूलतः आयरिश नागरिक थे। कॉर्बेट का कुटुंब तीन पीढ़ियों तक भारत में रहा। जिम कॉर्बेट का जन्म 25 जुलाई,1875 को नैनीताल में हुआ था। इस दृष्टि से वे जन्म से भारतीय थे। संस्कारों से भी।

जिम के पिता का नाम क्रिस्टोफर विलियम कॉर्बेट था। वे नैनीताल के हेड पोस्ट ऑफिस में पोस्ट मास्टर थे। उनकी मां का नाम मैरी जेन कॉर्बेट था।

जिम कॉर्बेट की ख्याति कुशल शिकारी और शिकार कथा लेखक के रूप में है, लेकिन यह उनके व्यक्तित्व का अधूरा पक्ष है। वे अचूक निशानेबाज तो थे ही, इसी से उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली। इसके इतर वे गरीबों के प्रति अत्यधिक उदार और मानवीय गुणों से भरे संवेदनशील भलमानुष भी थे। उन्होंने अनेक बार स्वयं के जीवन को गंभीर संकट में डालकर मानव जीवन की रक्षा की। इसी भलमनसाहत के चलते जिम कॉर्बेट के जन्म से ईसाई होने के बावजूद उत्तराखंड की धर्मभीरू जनता ने उन्हे गोरा साधु की संज्ञा दी थी।

जिम कॉर्बेट ने करीब डेढ़ हजार लोगों को मारने के लिए जिम्मेदार दर्जन भर से अधिक खूंखार नरभक्षियों का अत्यंत साहस और बहादुरी के साथ मुकाबला किया। अपने प्राणों की परवाह किए बिना नरभक्षियों से लड़े। जिन आदमखोरों के सामने देश- विदेश के अनेक नामचीन निशानेबाजों ने हथियार डाल दिए थे, जिम कॉर्बेट ने अकेले उनका खात्मा कर उत्तराखंड के निवासियों को नरभक्षियों के आतंक से मुक्ति दिलाई। इस वजह से उत्तराखंड का जनमानस जिम कॉर्बेट को चमत्कारिक शक्ति से संपन्न व्यक्ति मानता था।

जिम कॉर्बेट के जीवन का अधिकांश हिस्सा कुदरत के निकट बीता। उन्होंने जंगल को अपने भीतर सोख लिया था। उनका संपूर्ण जीवन प्रकृति के सूक्ष्म और गहन रहस्यों को जानते और आत्मसात करने में बीता। स्वअर्जित जंगल ज्ञान के बूते ही वे प्रकृति के ज्ञाता बने और दुर्दांत नरभक्षियों को मारने में सफल हुए। जिम कॉर्बेट का व्यक्तित्व बहुआयामी था। वे प्रकृति विज्ञानी, वन्यजीव विशेषज्ञ एवं मशहूर शिकारी थे साथ ही वन्यजीव रक्षक भी। उन्होंने रेलवे में नौकरी की। सेना में भी सेवाएं दी। जिम कॉर्बेट को सेना में कर्नल की पदवी से नवाजा गया था। वे लोकप्रिय जनप्रतिनिधि भी रहे।

जिम कॉर्बेट ने 1907 से 1940 के कालखंड में नैनीताल नगर पालिका के सदस्य, उपाध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं कार्यवाहक अध्यक्ष के दायित्वों का निर्वहन किया। वे ठेकेदार भी थे और संपत्ति एजेंट भी। जिम सिद्धहस्त लेखक भी थे और प्रसिद्ध वन्यजीव फोटोग्राफर भी। जिम की तत्कालीन अंग्रेज शासकों के साथ निकटता भी थी और वे भारत के गरीबों के अजीज दोस्त एवं हमदर्द भी थे। जिम कॉर्बेट के व्यक्तित्व का सबसे उजला पक्ष था- उनकी दानशीलता और गरीबों के प्रति आत्मीयता। 1893 से 1914 के दौरान मोकामाघाट में रेलवे की नौकरी के कालखंड को छोड़कर जिम कॉर्बेट का अधिकांश जीवन नैनीताल और कालाढूंगी में ही बीता।

जिम कॉर्बेट भारत भूमि और भारत के गरीबों से बेपनाह मोहब्बत करते थे। जिम कॉर्बेट ने अपनी बहुचर्चित किताब 'माय इंडिया' हिंदुस्तान के गरीबों को समर्पित की है। जिम कॉर्बेट ने 'माय इंडिया' की प्रस्तावना में लिखा, 'जिस हिंदुस्तान को मैं जानता हूं, उसमें चालीस करोड़ लोग रहते हैं, जिनमें से नब्बे फीसदी लोग सीधे- सादे, ईमानदार, बहादुर, वफादार और मेहनती हैं, जिनकी रोजाना की इबादत- ऊपर वाले से और जो भी सरकार गद्दी पर हो, से यही रहती है कि उनकी जान-माल की सलामती बनी रहे और वो अपनी मेहनत का फल अच्छे से खा सकें। हिंदुस्तान के ये वो लोग हैं, जो निपट गरीब हैं और जिन्हें अक्सर हिंदुस्तान के करोड़ों अधपेटे कहा जाता है। ये वे लोग हैं जिनके बीच मैं रहा हूं और जिनसे मैं मोहब्बत करता हूं। यही वो लोग हैं जिनके बारे में बताने की कोशिश मैं इस किताब के पन्नों में करूंगा और यह किताब मैं अपने उन्हीं दोस्तों के नाम करता हूं। हिंदुस्तान के गरीबों के नाम।

जिम कार्बेट और उनकी बहन मारग्रेट विनिफर्ड मैगी ने 30 नवंबर, 1947 को भारी मन से नैनीताल को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया था। वे रोते- बिलखते सेवकों को छोड़कर केन्या की ओर चल पड़े। जिम कॉर्बेट और मैगी कभी नैनीताल नहीं छोड़ना चाहते थे। नैनीताल छोड़ते समय अपनी मनोदशा के बारे में जिम कॉर्बेट की बहन मैगी ने केन्या से अपने किसी मित्र को भेजे पत्र में लिखा था, 'जिस सुबह हम निकलने वाले थे, सुबह सबसे पहले हमने तालाब को देखा, सुबह की रोशनी में तालाब बेहद खूबसूरत दिख रहा था। तालाब की इस खूबसूरती को शब्दों में व्यक्त कर पाना असंभव है। हमारे नौकरों ने हमारा जाना आसान नहीं किया, वे रो रहे थे। उनके आंसू गालों से नीचे को लुढ़क रहे थे। जब हम पहाड़ी से नीचे उतर रहे थे, हमने मुड़कर उस घर (गर्नी हाउस) को देखा, जिस घर को अब हम दुबारा कभी नहीं देख पाएंगे।

जिम कॉर्बेट बेहतरीन शिकारी ही नहीं बल्कि उच्चकोटि के आदर्शवादी इंसान भी थे। वे आमदखोर जानवर को भी अपने बचाव का भरपूर अवसर देने के प्रबल पक्षधर थे। जिम कॉर्बेट के इस उच्च स्तरीय आदर्शवादिता को एक वाकये से बखूबी समझा जा सकता है। जब जिम कॉर्बेट मोहान के खूंखार नरभक्षी शेर को मारने के लिए घने जंगल में अकेले उसका पीछा कर रहे थे, एकाएक एक गहरी संकरी खाई में जिम कॉर्बेट और नरभक्षी शेर का प्रत्यक्ष आमना- सामना हो गया। शेर, चारे के रूप में लगाए गए कटड़े को खाकर संकरी खाई में टूटे वृक्ष के तने के नीचे आराम फरमा रहा था।

नरभक्षी को खोजते हुए जिम उसके बेहद करीब पहुंच गए। नरभक्षी शेर के मुंह और जिम के बीच केवल पांच फिट का फासला था। शेर नींद में था। जिम ने नरभक्षी शेर के माथे पर दनादन दो गोलियां उतार दीं। शेर वहीं पर ढेर हो गया। जिम कॉर्बेट इस नरभक्षी को मारने के निमित्त महीनों से दिन -रात जंगलों की खाक छान रहे थे। उनका काम पूरा हो गया था। इस वाकये के वक्त वहां जिम और नरभक्षी के अलावा कोई और चश्मदीद नहीं था। शेर को मारने के बाद जिम शेर की लाश के पास ही गिरे हुए पेड़ के तने पर बैठ गए। सिगरेट सुलगाई और सोचने लगे कि उन्होंने नरभक्षी शेर को मारने का यह काम ठीक ईमानदारी से नहीं किया।

जिम कॉर्बेट सोते हुए शेर को मार गिराने को नैतिक रूप से उचित ठहराने के लिए मन ही मन अनेक तर्क गढ़ने लगे। उन्होंने खुद को तसल्ली देने के लिए तर्क दिया कि शेर नरभक्षी था, जिसका जीवित रहने से मर जाना बेहतर था, इसलिए इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि जब उसे मारा गया वह जागा हुआ था या सोया हुआ। यदि उसे छोड़ दिया जाता तो उन सभी मानवों की संभावित मृत्यु के लिए, जिन्हें वह उसके बाद मारता, उसके लिए नैतिक रूप से वे (जिम) ही जिम्मेदार होते। जिम कॉर्बेट का मानना था कि सोये हुए शेर को मारने के लिए इन बलवान तर्कों के बावजूद यह खेद फिर भी बचा रह जाता है कि उन्होंने सोते हुए जानवर को बचाव के लिए खिलाड़ी जैसा मौका दिए बिना मार दिया। जिम कॉर्बेट का मानना था कि आदमखोर जानवर को भी बचाव का उचित अवसर मिलना चाहिए। जिम ने इस घटना पर अफसोस जताते हुए खुद इसका उल्लेख अपनी किताब कुमाऊं के नरभक्षी में किया है।

जिम कॉर्बेट में गजब की दानशीलता थी। कालाढूंगी का छोटी हल्द्वानी नाम का गांव जिम कॉर्बेट की दानशीलता का जीवंत प्रमाण है। जिम पूरे छोटी हल्द्वानी गांव की जमीन के मालिक थे। उन्होंने 1915 में 221 एकड़ रकबे वाला यह गांव खुद खरीदा था। जिम ने इस गांव में चालीस गरीब परिवारों को आसामी के रूप में बसाया था। उन्होंने अपने आसामियों के लिए घर बनाए, पीने और सिंचाई के लिए पानी की व्यवस्था की और गांव की सुरक्षा के लिए चारों ओर पत्थर की चहारदीवारी बनवाई। जिम कॉर्बेट द्वारा गांव की हिफाजत के लिए बनाई गई दीवार का कुछ हिस्सा अभी भी मौजूद है।

तब यूनाइटेड प्रोविंसेज (अविभाजित उत्तर प्रदेश) के तत्कालीन लेफ्टिनेंट गवर्नर सर विलियम मैल्कम हैली के साथ जिम कॉर्बेट की घनिष्ठता थी। सर हैली और जिम ने मिलकर अनेक शिकार यात्राएं की थी। जिम कॉर्बेट के सुझाव पर ही सर मैल्कम हैली ने 1934 में रामगंगा से लगे 324 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र को अभयारण्य घोषित किया था। यहां हैली नेशनल पार्क नाम से भारत का पहला राष्ट्रीय अभयारण्य बना, जो अब जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क के नाम से ख्यात है।

भारत छोड़ने से पहले जिम छोटी हल्द्वानी गांव को अपने किराएदारों को मुफ्त में दे गए। केन्या चले जाने के बाद भी जिम छोटी हल्द्वानी गांव की लगान की राशि, अपने पुराने सेवकों को आर्थिक सहायता और उत्तराखंड के सभी धर्मों के धार्मिक स्थलों के लिए चढ़ावा/दान केन्या से नियमित रूप से भेजा करते थे। जिम की मृत्यु के बाद उनकी बहन मैगी ने भी आर्थिक सहयोग भेजने का यह सिलसिला अनवरत जारी रखा। मैगी इस निमित्त न्येरी (केन्या) से हर साल नौ-दस हजार रुपए भेजती थीं। वर्तमान में जिम के गांव छोटी हल्द्वानी में करीब दो सौ परिवार निवास कर रहे हैं। इनमें से अधिकांश लोगों की आजीविका आज भी जिम कॉर्बेट के नाम पर ही चल रही है।

जिम कॉर्बेट ने अपने जीते जी समाज की खूब निःस्वार्थ सेवा की। उनकी मृत्यु के 71 वर्ष बीत जाने के बाद भी आज उनके नाम से कालाढूंगी और रामनगर क्षेत्र में सालाना हजारों करोड़ रुपये का पर्यटन व्यवसाय चल रहा है। इस क्षेत्र में फड़-खोमचों से लेकर बड़े - बड़े टूरिस्ट रिसॉर्ट जिम कॉर्बेट के नाम पर चल रहे हैं। जीवित रहते जिम कॉर्बेट ने सशरीर आम लोगों की भरपूर मदद की, उनकी मृत्यु के बाद उनका नाम लोगों की मदद कर रहा है। इस दृष्टि से जिम कॉर्बेट अविस्मरणीय थे और रहेंगे।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

सब-जूनियर महिला हॉकी अकादमी चैंपियनशिप का आगाज, पहले दिन आरके रॉय अकादमी का दबदबा

एजेंसी

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में चौथी हॉकी इंडिया सब-जूनियर महिला अकादमी चैंपियनशिप-2026 (जोन-ए और बी) का आगाज हुआ। दिन में पूल-बी के दो मुकाबले खेले गए, जिनमें खालसा स्पोर्ट्स हॉकी अकादमी (कोलकाता) और राजा करण हॉकी अकादमी के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा, जबकि आर.के. रॉय हॉकी अकादमी ने मुंबई स्कूल्स स्पोर्ट्स एसोसिएशन पर शानदार जीत दर्ज की। पूल-बी के पहले मुकाबले में खालसा स्पोर्ट्स हॉकी अकादमी (कोलकाता) ने 47वें मिनट में सौमी माझी के फील्ड गोल की बदौलत बढ़त बनाई। हालांकि, राजा करण हॉकी अकादमी की ओर से रिया ने 51वें मिनट में बराबरी का गोल दागकर टीम को हार से बचा लिया। मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ और दोनों टीमों ने अंक साझा किया। दिन के दूसरे मुकाबले में आर.के. रॉय हॉकी अकादमी ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए मुंबई स्कूल्स स्पोर्ट्स एसोसिएशन को 4-0 से शिकस्त दी। आरके रॉय हॉकी टीम की ओर से सोनाक्षी कुमारी ने 8वें और 33वें मिनट में दो गोल किए, जबकि कप्तान शिवानी कुमारी ने 27वें मिनट और कृतिका कुमारी ने 42वें मिनट में एक-एक गोल दागा।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026- भारत की रूपा, पिंकी ने टाईब्रेक में टोंगा को हराकर बाउल्स में लगातार तीसरी जीत दर्ज की

ग्लासगो। भारतीय महिला पेयर्स लॉन बाउल्स टीम ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 सेक्शनल प्ले मैच में टोंगा की पेरिस बेकर और मिलिका नाथन की कड़ी चुनौती को पार करते हुए टाईब्रेक में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस शानदार जीत में रूपा रानी टिर्की और पिंकी की अहम भूमिका निभाई। भारतीय जोड़ी ने पहला सेट गंवा दिया था। टोंगा ने पहला सेट जीत 1-0 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, भारतीय जोड़ी ने दूसरे सेट में शानदार खेल के जरिए जवाब दिया। पिंकी ने रूपा रानी को गाइड किया और एक सटीक बाउल डाला जो जैक के करीब खत्म हुआ, जिससे भारत ने स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसी मोमेंटम को बनाए रखते हुए, भारतीय जोड़ी बाकी सेट पर नियंत्रण रखा और इसे 5-2 से अपने नाम कर लिया और एक और जीत के करीब पहुंच गए। टोंगा पीछे हटने को तैयार नहीं था। बेकर और नाथन ने दूसरे सेट में अपना दबदबा बनाया, और शुरुआती तीन एंड के बाद 6-0 की बड़ी बढ़त बना ली। रूपा रानी और पिंकी ने आखिर में वापसी की, और कई अच्छे बॉल मारकर स्कोर कम किया, लेकिन यह रिकवरी काफी नहीं थी। टोंगा ने सेट 6-4 से जीतकर टाईब्रेक के लिए मजबूर कर दिया। जब मैच बराबरी पर था, उस समय भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया। रूपा रानी ने तीन पक्की बॉल फेंकी जिसने भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026: भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतने पर मीराबाई चानू बोलीं- ध्यान रिकॉर्ड पर नहीं, प्रदर्शन पर था

ग्लासगो। भारत की भारोत्तोलन क्वीन मीराबाई चानू ने ग्लासगो में आयोजित 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में देश के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतने के बाद अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और जो कुछ भी कर सकती थी, वह सब किया। मुझे खुशी है कि मैंने इन खेलों में भारत के लिए पहला गोल्ड मेडल जीता है। मीराबाई चानू ने ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में स्नैच में 85 किलोग्राम वजन उठाकर नया रिकॉर्ड बनाया। साथ ही, उन्होंने भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता। बात करते हुए मीराबाई चानू ने कहा, 'हर खिलाड़ी का सपना कॉमनवेल्थ गेम्स में जाने का रहता है। ये गेम्स हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होते हैं, ताकि हम देश के लिए कुछ करके दिखाएं। हर प्रतियोगिता में दबाव होता है, लेकिन हमें उसे संभालना होता है। यह मेरे लिए खास तौर पर अहम था क्योंकि मैं वेटलिफ्टिंग में अच्छा प्रदर्शन करना चाहती थी और भारत के लिए मेडल जीतना चाहती थी। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और जो कुछ भी कर सकती थी, वह सब किया। मुझे खुशी है कि मैंने इन खेलों में भारत के लिए पहला गोल्ड मेडल जीता है।'

वॉशिंगटन पहले टेस्ट से बाहर, इन खिलाड़ियों के पूरे श्रीलंका दौरे से बाहर रहने की संभावना

नई दिल्ली : श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से शुरू होने वाले पहले टेस्ट से पूर्व भारत के लिए बुरी खबर है। स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर पहले मैच के लिए उपलब्ध नहीं होंगे, जबकि चोटिल ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी और तेज गेंदबाज हर्षित राणा के दो टेस्ट मैचों के दौरे के लिए भारतीय टीम का हिस्सा बनने की संभावना कम है। भारत अगले महीने दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगा जिसमें पहला टेस्ट 15-19 अगस्त तक गाले में खेला जाएगा और दूसरा टेस्ट 23-27 अगस्त तक कोलंबो में होगा। एक सूत्र के अनुसार दूसरे टेस्ट के लिए वॉशिंगटन की उपलब्धता उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगी, क्योंकि इस महीने की शुरुआत में इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल दौरे के दौरान उनके पैर में चोट लग गई थी। इस बीच भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 30 जुलाई तक आराम करेंगे और उसके बाद बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिपोर्ट करेंगे। टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज बी साई सुदर्शन की उपलब्धता भी फिटनेस पर निर्भर करेगी, लेकिन कहा जा रहा है कि यह बाएं हाथ का बल्लेबाज तेजी से ठीक हो रहा है।

आपके शब्द मुझे और कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा देते हैं, पीएम मोदी से मिली तारीफ पर बोलीं पीवी सिंधु

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 136वें एपिसोड में जापान ओपन का खिताब जीतने पर पीवी सिंधु की जमकर प्रशंसा की। पीएम मोदी से मिली तारीफ से पीवी सिंधु गदगद नजर आईं। उन्होंने प्रधानमंत्री का धन्यवाद करते हुए उनके शब्दों को अपने लिए कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा बताया। भारतीय स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'सर, आपकी शुभकामनाओं और हौसला बढ़ाने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। 'मन की बात' में आपका मेरा जिक्र करना सचमुच मेरे लिए सम्मान की बात है। आपके शब्द मुझे और ज्यादा मेहनत करने, बेहतरीन काम करने और भारत का मान बढ़ाने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करते हैं। आपके

लगातार सहयोग और आशीर्वाद के लिए मैं आपकी आभारी हूं।' पीएम मोदी ने मन की बात में सिंधु का जिक्र करते हुए उन्हें जापान ओपन का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि सिंधु की इस उपलब्धि पर देश को गर्व है। जापान ओपन के खिताबी मुकाबले में सिंधु का प्रदर्शन लाजवाब रहा। उन्होंने अकाने यामागुची को एकतरफा मुकाबले में 21-17, 21-17 से हराते हुए पहली बार खिताब पर कब्जा जमाया। टूर्नामेंट की शुरुआत में संघर्ष करती नजर आईं सिंधु ने फाइनल में अपने शानदार खेल के बूते यामागुची को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया था।

पिछले दो साल में यह सिंधु का पहला बीडब्ल्यूएफ खिताब भी रहा। इससे पहले सिंधु ने अपना आखिरी बीडब्ल्यूएफ खिताब दिसंबर 2024 में सैयद मोदी टूर्नामेंट के रूप में जीता था। हालांकि, सिंधु को जापान ओपन में किस्मत का भी अच्छा साथ मिला। प्री-क्वार्टर फाइनल में उन्होंने विश्व की नंबर 5 खिलाड़ी हान यू को मात दी। वहीं, क्वार्टर फाइनल और फिर सेमीफाइनल में विपक्षी खिलाड़ी के चोटिल होने की वजह से सिंधु को सेमीफाइनल और फाइनल का आसानी से टिकट मिल गया। जापान ओपन का खिताब जीतने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट करते हुए भी सिंधु को बधाई दी थी। उन्होंने सिंधु की इस उपलब्धि को युवाओं के लिए प्रेरणा बताया था।

राष्ट्रमंडल खेल 2026: राजा मुथुपांडी ने भारोत्तोलन में जीता रजत, भारत की झोली में आया चौथा पदक

एजेंसी

ग्लासगो। भारतीय भारोत्तोलक राजा मुथुपांडी ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष 65 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीत लिया। शनिवार को खेले गए मुकाबले में मुथुपांडी ने कुल 286 किलोग्राम वजन उठाकर दूसरे स्थान पर रहते हुए भारत को खेलों का दूसरा रजत पदक दिलाया। इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक मलेशिया के अज़नील बिन बिदिन मोहम्मद ने कुल 299 किलोग्राम वजन उठाकर अपने नाम किया। वहीं, पापुआ न्यू गिनी के मोरिया बारू ने 282 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक हासिल किया। 22 वर्षीय राजा मुथुपांडी के लिए यह राष्ट्रमंडल खेलों का पहला पदक है। इससे पहले वह गोल्ड कोस्ट 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में छठे स्थान पर रहे थे। उन्होंने अगस्त 2025 में आयोजित राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में भी रजत पदक जीता था।राजा मुथुपांडी के इस शानदार प्रदर्शन के साथ ही राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत के पदकों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। भारत के खाते में अब एक स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक दर्ज हैं। भारतीय दल को आने वाले दिनों में विभिन्न स्पर्धाओं में पदकों की संख्या बढ़ने की उम्मीद रहेगी।

राष्ट्रमंडल खेल 2026: मीराबाई चानू ने जीता स्वर्ण, लगाई सोने की हैट्रिक

एजेंसी

ग्लासगो। भारतीय स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं के 48 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीत लिया। इसके साथ ही उन्होंने ग्लासगो में भारत का पहला स्वर्ण पदक दिलाने के साथ राष्ट्रमंडल खेलों में लगातार तीसरा स्वर्ण जीतकर इतिहास रच दिया।मीराबाई चानू ने प्रतियोगिता के स्नैच वर्ग में दो बार रिकॉर्ड तोड़ते हुए 85 किलोग्राम वजन उठाया। इसके बाद क्लीन एंड जर्क में 105 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाकर कुल 190 किलोग्राम के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनके दमदार प्रदर्शन के सामने अन्य प्रतियोगी काफी पीछे रह गए।इस उपलब्धि के साथ मीराबाई ने राष्ट्रमंडल खेलों में अपने स्वर्णिम अभियान को आगे बढ़ाया। उन्होंने 2018 गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों में 49 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भी उसी भार वर्ग

में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अब 2026 ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में 48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण जीतकर उन्होंने गोल्ड मेडल की ऐतिहासिक हैट्रिक पूरी कर ली। मीराबाई चानू की इस सफलता ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय भारोत्तोलन की ताकत को साबित किया है। अपने बेहतरीन प्रदर्शन, निरंतरता और दबाव में उत्कृष्ट खेल दिखाने की क्षमता के कारण वह लंबे समय से भारत की सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में शामिल रही हैं।

राष्ट्रमंडल खेल 2026: पाकिस्तान के मुक्केबाज को हराकर जदुमणि सिंह क्वार्टरफाइनल में

एजेंसी

ग्लासगो। भारत के मुक्केबाज मंडेंगबाम जदुमणि सिंह ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पुरुषों के 55 किलोग्राम भार वर्ग के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया है। खेले गए प्री-क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उन्होंने पाकिस्तान के रहमान सुमामा को एकतरफा अंदाज में 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया।

जदुमणि ने मुकाबले के तीनों राउंड में आक्रामक और संतुलित खेल का प्रदर्शन किया। उनकी सटीक पंचिंग, बेहतरीन फुटवर्क और मजबूत रक्षात्मक रणनीति के सामने पाकिस्तानी मुक्केबाज प्रभाव नहीं छोड़ सके।

पांचों निर्णायकों ने भारतीय खिलाड़ी के पक्ष में फैसला सुनाते हुए उन्हें विजेता घोषित किया। आधिकारिक स्कोरकार्ड के अनुसार, तीन निर्णायकों ने मुकाबला 30-27, जबकि दो अन्य निर्णायकों ने 29-28 के अंतर से जदुमणि सिंह के पक्ष में अंकित किया। इससे पूरे मुकाबले में भारतीय मुक्केबाज की स्पष्ट बढ़त और नियंत्रण का पता चलता है।

इससे पहले, प्रथम दौर (राउंड ऑफ-32) में भी जदुमणि ने स्कॉटलैंड के कुलन को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की थी। ग्लासगो में यह उनकी लगातार दूसरी एकतरफा जीत है। अब जदुमणि सिंह 28 जुलाई को होने वाले क्वार्टरफाइनल मुकाबले में जाम्बिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले प्री-क्वार्टरफाइनल विजेता से भिड़ेंगे। इस मुकाबले में जीत उन्हें सेमीफाइनल और कम से कम एक पदक की दहलीज तक पहुंचा सकती है।

टी20 में नंबर-1 बनी टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे का किया क्लीन स्वीप, तीसरा मुकाबला 35 रन से जीता

एजेंसी

हरारे। भारतीय क्रिकेट टीम ने तीसरे और अंतिम टी20 मुकाबले में जिम्बाब्वे को 35 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली। हाल ही में आईसीसी टी20 रैंकिंग में दोबारा शीर्ष स्थान हासिल करने वाली टीम इंडिया ने इस जीत के साथ अपने शानदार फॉर्म को भी बरकरार रखा।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने निर्धारित 20 ओवर में 192 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 20 ओवर में 157 रन ही बना सकी और भारत ने मुकाबला 35 रन से जीत लिया।भारत की जीत के नायक युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी रहे। उन्होंने 49 गेंदों में 81 रन की शानदार पारी खेली और टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। उनके सलामी जोड़ीदार अभिषेक शर्मा मात्र 02 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद ईशान किशन ने 29 रन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने 27 रन का योगदान दिया। अंतिम ओवरों में रिंकू सिंह ने

14 गेंदों पर 25 रनों की तेज पारी खेलकर टीम का स्कोर 192 तक पहुंचाया।लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत खराब रही। तेज गेंदबाज मयंक यादव ने पहले मैच की तरह इस बार भी पारी की पहली ही गेंद पर ब्रायन बेनेट को आउट कर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। मयंक ने अपनी तेज और सटीक गेंदबाजी से तीन विकेट झटके और विपक्षी बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। डेब्यू कर रहे अशोक शर्मा ने भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला विकेट हासिल किया। हालांकि, उनके स्पेल के दौरान एक आसान कैच छूट गया था, लेकिन बाद में उन्होंने तदिवानाशे मरुमानी को क्लीन बोल्ड कर अपने करियर का पहला अंतरराष्ट्रीय विकेट दर्ज किया। हालांकि भारतीय टीम की फील्डिंग उम्मीद के अनुरूप नहीं रही और खिलाड़ियों ने कई आसान कैच छोड़े, फिर भी गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे को लक्ष्य तक नहीं पहुंचने दिया। यह सीरीज जीत भारत के लिए इसलिए भी खास रही क्योंकि हाल ही में टीम ने आईसीसी टी20 रैंकिंग में फिर से दुनिया की नंबर-1 टीम का स्थान हासिल किया है। आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज हारने के बाद भारत शीर्ष स्थान से नीचे खिसक गया था, लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ लगातार तीन जीत के दम पर उसने एक बार फिर शीर्ष स्थान पर कब्जा मजबूत कर लिया।

पार्श्वनाथ प्रतिभा सोसाइटी के 14 ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने कलर बैल्ट टेस्ट में दिखाया दम

एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद की पार्श्वनाथ प्रतिभा सोसाइटी में चैंपियंस ताइक्वांडो फेडरेशन के तत्वावधान में ताइक्वांडो कलर बैल्ट टेस्ट का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में 14 खिलाड़ियों ने भाग लिया। परीक्षा के दौरान खिलाड़ियों ने किक्स, पंचेज, अटैक्स, ब्लॉक्स, सेल्फ डिफेंस आदि का शानदार प्रदर्शन किया। हेड कोच तकी इमाम ने बताया कि येलो बैल्ट के लिए प्रतिभागी सानवी सब्बरवाल, सत्या अरोरा, आदिशा शर्मा, अनिका जोशी, ताक्षी चौधरी, आद्विका मेहरोत्रा, सूर्यांश, ग्रीन बेल्ट के लिए प्रतिभागी रेयांश शर्मा, नित्य चौधरी, विहान चौधरी, हिमांशी रावत,स्वप्निल हीरणवाल, मीत पैसल, तोशानी मल्होत्रा रहीं। इस टेस्ट में परीक्षक की भूमिका मास्टर जतिन, ब्लैक बेल्ट ने निभाई। हेड कोच तकी इमाम ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और कहा कि इस तरह के आयोजन से बच्चों में आत्मविश्वास और खेल भावना बढ़ती है। शीघ्र ही सभी सफल खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र और नई बेल्ट प्रदान की जाएगी।

विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियन बनने पर प्रधानमंत्री मोदी ने अनाहत सिंह को दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप-2026 का खिताब जीतने पर भारतीय महिला खिलाड़ी अनाहत सिंह को बधाई दी और उनकी उपलब्धि को भारतीय खेल इतिहास का गौरवपूर्ण क्षण बताया है। कनाडा में आयोजित चैंपियनशिप के महिला एकल फाइनल में अनाहत ने मिस्र की रुकय्या सालेम को 11-3, 11-7, 11-9 से सीधे गेमों में हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।इस ऐतिहासिक जीत के साथ 18 वर्षीय अनाहत विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियन बनने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनी हैं। साथ ही उन्होंने पिछले करीब 15 वर्षों से इस प्रतियोगिता पर मिस्र के चले आ रहे वर्चस्व को भी समाप्त कर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल

मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, 2026 विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि। स्वर्ण पदक जीतने और विश्व जूनियर चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी बनने पर अनाहत सिंह पर गर्व है। यह उपलब्धि युवाओं के बीच स्क्वैश को और लोकप्रिय बनाएगी। इससे पहले केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भी अनाहत को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, इतिहास रचा गया। विश्व स्क्वैश जूनियर चैंपियनशिप जीतने वाली पहली भारतीय बनने पर अनाहत सिंह को बधाई। यह एक शानदार उपलब्धि और हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। अनाहत ने पिछले वर्ष इसी प्रतियोगिता में सेमीफाइनल तक पहुंच कर कांस्य पदक जीता था। इस बार उन्होंने अपने प्रदर्शन को एक कदम आगे बढ़ाते हुए फाइनल में रुकय्या सालेम को पराजित कर खिताब जीत लिया। यह उपलब्धि भारतीय स्क्वैश के इतिहास में एक नए अध्याय के रूप में दर्ज हो गई।

बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिए टीम की घोषणा की

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है।

बीसीबी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि यह मैच 13 अगस्त को डार्विन (ऑस्ट्रेलिया) में शुरू होगा। दौरे के लिए बांग्लादेश की टीम 31 जुलाई को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होगी। इस टीम में सौम्य सरकार भी शामिल हैं, जिन्होंने आखिरी बार 2021 में टेस्ट मैच खेला था और उनके पास 16 टेस्ट मैचों का अनुभव है। कप्तान नजमुल हुसैन शांतो और सरकार के अलावा बल्लेबाजी में मुशफिकुर रहीम, मोमिनुअल हक और शादमान इस्लाम जैसे खिलाड़ी भी हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण तस्कीन अहमद, हसन महमूद, खालिद अहमद और इबादत हुसैन पर निर्भर रहेगा। युवा मुसफिक हसन को टेस्ट टीम में पहली बार मौका मिला है। मेहदी हसन मिराज और ताइजुल इस्लाम स्पिन विभाग का नेतृत्व करेंगे।पहले टेस्ट के लिए टीमः नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), मेहदी हसन मिराज (उप कप्तान), सौम्या सरकार,

शादमान इस्लाम, तंजीद हसन तमीम, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, अमित हसन, जेकर अली अनिक, ताइजुल इस्लाम, तस्कीन अहमद, हसन महमूद, सैयद खालिद अहमद, एबादोत हुसैन चौधरी, मुसफिक हसन।

सीरीज कार्यक्रम- पहला टेस्ट, 13-17 अगस्त, डार्विन- दूसरा टेस्ट, 22-26 अगस्त, मैके

राष्ट्रमंडल खेलः भारोत्तोलक ऋषिकांता ने जीता दूसरा पदक

एजेंसी

(स्कॉटलैंड)। भारत के युवा भारोत्तोलक ऋषिकांता सिंह चानमबम ने ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में पुरुषों के 60 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। मणिपुर के इस खिलाड़ी ने स्नैच में नया रिकॉर्ड बनाते हुए 121 किलोग्राम भार उठाया और कुल 264 किलोग्राम (121+143) वजन के साथ दूसरे स्थान पर रहे।यह ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का दूसरा पदक है। इससे पहले पैरा पावर लिफ्टिंग में झंडू कुमार ने कांस्य पदक जीतकर भारत के पदकों का खाता खोला था। ऋषिकांता ने स्नैच में 121 किलोग्राम भार उठाया। इसके बाद क्लीन एंड जर्क में उन्होंने पहले प्रयास में 143 किलोग्राम सफलतापूर्वक उठाया। स्वर्ण पदक की दौड़ में बने रहने के लिए दूसरे प्रयास में 148 किलोग्राम और तीसरे प्रयास में 151 किलोग्राम उठाने का प्रयास किया लेकिन दोनों बार असफल रहे। इसके बावजूद उनका कुल भार 264 किलोग्राम रहा, जिसने उन्हें रजत पदक दिलाया। मलेशिया के बिन कसदान मोहम्मद अनीक ने स्नैच में 121 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 152 किलोग्राम सहित कुल 273 किलोग्राम भार उठाकर स्वर्ण पदक जीता।

निशानेबाजी विश्व कपः दमदार प्रदर्शन के बावजूद ऐश्वर्य और नीरज पदक से चूके

एजेंसी

हांगझोउ : भारत के दो निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार रविवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप (राइफल, पिस्टल, शॉटगन) में पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने के बावजूद पदक जीतने में नाकाम रहे जिससे देश केवल एक रजत पदक के साथ तालिका में संयुक्त सातवें स्थान पर बना हुआ है। भारतीय राइफल निशानेबाजों की किस्मत एक बार फिर उनका साथ नहीं दे सकी। विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता ऐश्वर्य और एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता नीरज दोनों आठ निशानेबाजों के फाइनल में पहुंचे, लेकिन क्वालीफिकेशन में शानदार प्रदर्शन को पदक में नहीं बदल सके। ऐश्वर्य ने 314.3 अंकों के साथ छठा स्थान हासिल किया जबकि नीरज 303.4 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहे। चीन के ओलंपिक चैंपियन झांग चांगहोंग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 363 अंक के विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। हंगरी के इस्तवान पेनी ने रजत और व्यक्तिगत तटस्थ खिलाड़ी मतवेई पोटापोव ने कांस्य पदक अपने नाम किया। क्वालीफिकेशन में नीरज ने दिन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 595 अंक

हासिल किए। वह झांग के बराबर अंक पर रहे, लेकिन काउंटबैक के आधार पर दूसरे स्थान पर रहे। ऐश्वर्य अपनी सर्वश्रेष्ठ लय में नहीं दिखे, फिर भी उन्होंने 589 अंक जुटाकर आठवें स्थान के साथ फाइनल में जगह बना ली। इस स्पर्धा में भारत के तीसरे निशानेबाज और पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल ने 587 अंक बनाए और 18वें स्थान पर रहे। वह फाइनल में जगह बनाने से काफी पीछे रह गए। राइफल निशानेबाजों के पदक जीतने में असफल रहने के बाद अब भारत की उम्मीदें मुख्य रूप से महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा पर टिकी हैं। एशियाई खेलों की कई बार पदक विजेता ईशा सिंह ने प्रिसीजन चरण में 293 अंक बनाकर तीसरा स्थान हासिल किया और खुद को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। दो बार की ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मनु भाकर 292 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर हैं। दोनों निशानेबाज सोमवार को होने वाले रैपिड फायर चरण के बाद फाइनल में जगह बनाने की मजबूत दावेदार हैं। जकार्ता एशियाई खेल 2018 की स्वर्ण पदक विजेता अनुभवी राही सरनोबत ने 289 अंक बनाए। वह तीन अन्य निशानेबाजों के साथ संयुक्त 15वें स्थान पर हैं। उनके पास अब भी शीर्ष आठ में जगह बनाने का मौका है, लेकिन इसके लिए उन्हें रैपिड फायर चरण में बेहतरीन प्रदर्शन करना होगा। अब तक इस प्रतियोगिता में भारत का एकमात्र पदक संयम ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीतकर दिलाया है।

चीन ने प्रतियोगिता में अपना दबदबा कायम रखते हुए अब तक 13 पदक जीत लिए हैं जिनमें छह स्वर्ण, तीन रजत और चार कांस्य शामिल हैं। जर्मनी और अमेरिका एक-एक स्वर्ण और एक-एक रजत पदक के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। वहीं भारत, जापान, स्पेन और हंगरी के साथ एकमात्र रजत पदक के दम पर संयुक्त सातवें स्थान पर बना हुआ है।

'एक्सपायरी डेट' में हेरफेर समेत अन्य उल्लंघनों पर वेस्टेंड एग्रो प्रोडक्ट्स का लाइसेंस निलंबित

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य उत्पादों के विनिर्माण और मियाद अवधि (एक्सपायरी) तिथि में बदलाव सहित गंभीर उल्लंघनों के मामले में वेस्टेंड एग्रो प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। एफएसएसएआई ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि खाद्य कारोबार परिसर के निरीक्षण में गंभीर अनियमितताएं पाए जाने के बाद वेस्टेंड एग्रो प्रोडक्ट्स का लाइसेंस निलंबित किया गया है। नियामक को शिकायत मिली थी कि कंपनी के परिसर में विनिर्माण तिथि, पैकिंग तिथि में बदलाव, फर्जी तरीके से दोबारा लेबल लगाना और गलत लेबल वाले खाद्य उत्पादों की बिक्री की जा रही है। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि वेस्टेंड एग्रो प्रोडक्ट्स और वेस्टेंड कॉरपोरेशन एक ही परिसर से काम कर रहे थे। एफएसएसएआई ने कहा कि कई खाद्य उत्पादों पर विनिर्माण तिथि, 'एक्सपायरी डेट', बैच संख्या और लेबल संबंधी जानकारियों में बदलाव किया गया था तथा भ्रामक घोषणाएं की गई थीं। नियामक ने बताया कि अनिवार्य खाद्य लेबल संबंधी जानकारी में बदलाव के लिए कथित तौर पर इस्तेमाल की जाने वाली प्रिंटिंग मशीनें, मुहर, सॉल्वेंट और अन्य सामग्री भी बरामद की गई। एफएसएसएआई ने कहा, ''अनिवार्य लेबल संबंधी जानकारी में जानबूझकर जालसाजी और बदलाव तथा गलत या भ्रामक लेबल वाले खाद्य पदार्थों की बिक्री उपभोक्ताओं और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए सीधा खतरा है। ऐसे खाद्य उत्पाद प्रथम दृष्टया असुरक्षित माने जाते हैं।''

स्वतः संज्ञान लेने से बच रहा सीसीआई, किसी पक्ष के आगे आने के बाद हो रही कार्रवाईः समिति

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) स्वतः संज्ञान वाले मामलों को उठाने से परहेज कर रहा है और वह किसी भी मामले पर किसी पक्ष के आगे आने के बाद ही कार्रवाई कर रहा है। आयोग ने एक संसदीय समिति को यह जानकारी दी है। नियामक के पास सभी क्षेत्र में अनुचित व्यावसायिक गतिविधियों को रोकने और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है।राज्यसभा की अधीनस्थ विधान समिति ने सीसीआई के अलग-अलग नियमों और निर्देशों की जांच करते हुए स्वतः संज्ञान मामलों में आई कमी के मुद्दे को उठाया। समिति की 19 मई को हुई बैठक में सीसीआई की चेयरपर्सन रवनीत कौर ने बताया कि शुरुआती वर्षों में ऐसे मामलों की संख्या अधिक थी, क्योंकि प्रतिस्पर्धा कानून को लेकर जागरूकता सीमित थी। नियामक ने कहा, 'आयोग को लगा कि वह एक पक्ष के खिलाफ मामला भी बना रहा है और उसी पर निर्णय भी दे रहा है, जिससे हितों के टकराव की स्थिति बनती है।'' समिति ने कहा, ''इसलिए अब ऐसे मामलों को तभी लिया जाता है जब कोई अन्य पक्ष आगे आने को तैयार न हो। साथ ही, जिन क्षेत्रों में क्षेत्रीय नियामक मौजूद हैं, वहां आयोग संयम बरतता है। '

निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड चार करोड़ से अधिक फोलियो के साथ म्यूचुअल फंड उद्योग में शीर्ष पर

नई दिल्ली। निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड देश की पहली परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी (एएमसी) बन गई है, जिसके फोलियो की संख्या चार करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, यह उपलब्धि हासिल करने वाली यह पहली कंपनी है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, जून के अंत तक म्यूचुअल फंड उद्योग में कुल 27.86 करोड़ फोलियो थे। इनमें निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड की हिस्सेदारी 14.4 प्रतिशत यानी 4.02 करोड़ फोलियो रही। निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड ने बताया कि उसके पास उद्योग का सबसे बड़ा व्यक्तिगत निवेशक आधार भी है। कंपनी के अनुसार, उसके 2.41 करोड़ विशिष्ट निवेशक हैं, जो उद्योग के कुल 6.19 करोड़ विशिष्ट निवेशकों का 39 प्रतिशत है। निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संदीप सिक्का ने कहा, ''चार करोड़ निवेशकों के भरोसे और भारत के विशिष्ट निवेशक आधार में 39 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करना हमारे लिए गर्व की बात है। यह उपलब्धि लाखों खुदरा निवेशकों के लिए धन सृजन की हमारी यात्रा को दर्शाती है।''उन्होंने कहा कि कंपनी घरेलू बचत को भारतीय पूंजी बाजारों में पहुंचाने के साथ-साथ जापानी निवेशकों की भारत की वृद्धि यात्रा में भागीदारी को भी बढ़ावा दे रही है।

लोढ़ा डेवलपर्स का चालू वित्त वर्ष में शुद्ध लाभ में 20 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी लोढ़ा डेवलपर्स लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष (2026-27) में घरों की बेहतर मांग और परियोजनाओं के मजबूत क्रियान्वयन के दम पर अपने शुद्ध लाभ को 4,100 करोड़ रुपये पर पहुंचाने का लक्ष्य रखा है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने अपने नवीनतम निवेशक प्रस्तुतीकरण में कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में उसने अब तक का सर्वाधिक तिमाही लाभ दर्ज किया। इस दौरान उसका शुद्ध लाभ दोगुना होकर 1,373.1 करोड़ रुपये रहा, जो एक वर्ष पहले की समान अवधि में 675 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष के लिए तय 4,100 करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ के लक्ष्य का लगभग 33 प्रतिशत वह पहली तिमाही में ही हासिल कर चुकी है। अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ मार्जिन बढ़कर 26.9 प्रतिशत हो गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 18.6 प्रतिशत था। वहीं, कुल आय बढ़कर 5,096.7 करोड़ रुपये रही, जो एक वर्ष समान अवधि में 3,624.7 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में लोढ़ा डेवलपर्स का शुद्ध लाभ 3,430.7 करोड़ रुपये और कुल आय 17,119.5 करोड़ रुपये रही थी। कंपनी के अनुसार, उसका शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2020-21 के लगभग 500 करोड़ रुपये से बढ़कर पिछले वित्त वर्ष में 3,400 करोड़ रुपये से अधिक हो गया।

मारुति सुजुकी का चालू वित्त वर्ष में 9 लाख सीएनजी वाहन बेचने का लक्ष्य

एजेंसी
नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 में करीब 9 लाख सीएनजी वाहन बेचने का लक्ष्य रखा है। यह पिछले वित्त वर्ष में बेची गई 7 लाख से अधिक इकाइयों की तुलना में लगभग 30 फीसदी की वृद्धि होगी। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने जारी बयान में कहा कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 की (अप्रैल-जून) पहली तिमाही में कंपनी ने विभिन्न मॉडल श्रेणियों में 2.2 लाख सीएनजी वाहन बेचे हैं, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 58 फीसदी अधिक है। पार्थो बनर्जी ने कहा कि पश्चिम एशिया युद्ध के बाद ईंधन के दाम बढ़ने से सीएनजी वाहनों की मांग बढ़ी है। उन्होंने बताया कि कंपनी का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बाद ईंधन

की कीमतों में बढ़ोतरी से सीएनजी वाहनों की मांग तेजी से बढ़ी है। कंपनी को मांग में पहले ही तीव्र वृद्धि देखने को मिल रही है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सीएनजी वाहन बिक्री लक्ष्य के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि पहली तिमाही के आंकड़े को देखते हुए हम लगभग नौ लाख इकाई की बिक्री की उम्मीद कर रहे हैं। बनर्जी ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी ने सात लाख से ज्यादा सीएनजी वाहन बेचे थे। उन्होंने कहा कि पहले सीएनजी वाहनों की मांग मुख्य रूप से छोटी कारों, वैन और अर्टिगा तक सीमित थी लेकिन अब कंपनी की एसयूवी श्रेणी में भी इनकी मांग तेजी से बढ़ रही है। बनर्जी के अनुसार कंपनी की विक्टोरिस एसयूवी की कुल बिक्री में 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी गाड़ी के नीचे लगे सीएनजी टैंक (अंडरबॉडी) संस्करण की है। इसी रुझान को देखते हुए कंपनी ने नई ब्रेज़ा एस-सीएनजी में भी अंडरबॉडी सीएनजी टैंक की सुविधा दी है। उन्होंने कहा कि मारुति सुजुकी फिलहाल घरेलू बाजार में 15 सीएनजी मॉडल, जिनमें हल्के वाणिज्यिक वाहन भी शामिल हैं, बेच रही है। पिछले महीने कंपनी की कुल बिक्री में सीएनजी वाहनों की हिस्सेदारी 42 प्रतिशत रही, जो इस श्रेणी की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है।

एयर इंडिया की चेक-इन सुविधा अब नई दिल्ली और शिवाजी स्टेडियम मेट्रो स्टेशनों पर भी उपलब्ध

एजेंसी
नई दिल्ली। टाटा समूह की अगुवाई वाली एयर इंडिया ने दिल्ली मेट्रो चेक-इन सर्विस के साथ अब नई दिल्ली और शिवाजी स्टेडियम मेट्रो स्टेशनों पर अपनी चेक-इन सर्विस की शुरुआत की है। एयर इंडिया ने 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा कि शहर से आसमान तक, हम हर सफर को आसान बनाते हैं। कंपनी ने कहा कि हमारी दिल्ली मेट्रो चेक-इन सर्विस के साथ अब आप नई दिल्ली और शिवाजी स्टेडियम मेट्रो स्टेशनों पर अपनी चेक-इन की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। एयरलाइन ने कहा कि घरेलू और इंटरनेशनल दोनों तरह की फ्लाइट्स के लिए पहले से चेक-इन की सुविधा उपलब्ध है। कंपनी ने कहा कि मेट्रो से सीधे एयरपोर्ट तक सुरक्षित सामान का ट्रांसफर। ये सर्विस रोजाना सुबह 07:00 बजे से रात 09:00 बजे तक यात्री के लिए उपलब्ध है।एयर इंडिया ने कहा कि ट्रैफिक की वजह से होने वाली देरी से बचने और समय बचाने का एक सुविधाजनक तरीका है। यह हमारे मेहमानों के सफर के अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में एक और कदम है, ताकि शहर से आसमान तक उन्हें आराम, सुविधा और सुकून मिल सके।

अगले सप्ताह खुलेंगे 8 नए आईपीओ, 7 कंपनियों की लिस्टिंग

एजेंसी
नई दिल्ली,। शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में अच्छी हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह आठ कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें दो कंपनियों के आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि शेष छह आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुले चार आईपीओ में भी 27 और 28 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह सात कंपनियां स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं। इनमें तीन कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की जबकि शेष चार कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 27 जुलाई को प्रॉपशॉप इंवेंट्स एंड एक्जीबिशंस का 28.57 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 29 जुलाई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 65 रुपये प्रति शेयर से लेकर 69 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद तीन अगस्त को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।इसी दिन एडवांस टेक्नोफॉर्ज का 24.03 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 29 जुलाई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 95 रुपये प्रति शेयर का फाइनल इश्यू प्राइस तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 04 अगस्त को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।इसके अगले दिन 28 जुलाई को पूजा प्रेसीजन इंजीनियरिंग लिमिटेड का 159.83 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 30 जुलाई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 285 रुपये प्रति शेयर से लेकर 301 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 400 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद चार अगस्त को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार यानी 29 जुलाई को मनिपाल हेल्थ इंटरप्राइजेज का 9,275.22 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 31 जुलाई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 560 रुपये प्रति शेयर से लेकर 590 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 25 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद पांच अगस्त को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसी दिन एचआर हाइजीन प्रोडक्ट्स का 53.95 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा।

पीआरसीआई मुंबई द्वारा संपन्न हुआ जनसंपर्क उत्कृष्टता सम्मान

एजेंसी
मुंबई। अंतरराष्ट्रीय पीआर दिवस 2026 के अवसर पर पब्लिक रिलेशन्स काउंसिल ऑफ इंडिया , मुंबई चैप्टर द्वारा जनसंपर्क एवं कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए अदानी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड के कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन विभाग में कार्यरत विजयेंद्र भावसार को 'पब्लिक रिलेशन्स एक्सीलेंस रिकग्निशन' से सम्मानित किया गया।

जनसंपर्क एवं कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन क्षेत्र में 25 वर्षों से अधिक के अनुभव वाले विजयेंद्र भावसार ने बिजली, अवसंरचना (इंफ्रास्ट्रक्चर), दूरसंचार, बैंकिंग, एफएमसीजी, रिटेल, हॉस्पिटैलिटी, शिक्षा तथा प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कार्य किया है। वर्तमान में वे अदानी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड में कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन पहलों का नेतृत्व कर रहे हैं तथा पारदर्शी और प्रभावी संवाद के माध्यम से हितधारकों के साथ विश्वासपूर्ण संबंध स्थापित करने

और संस्था की प्रतिष्ठा को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। विजयेंद्र भावसार, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन विभाग, अदानी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड ने, 'इस सम्मान के लिए पीआरसीआई मुंबई चैप्टर के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने सहकर्मियों, मार्गदर्शकों, मीडिया प्रतिनिधियों, उद्योग जगत के सहयोगियों तथा परिवार के सदस्यों के निरंतर सहयोग के लिए भी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उन्हें भविष्य में भी जनसंपर्क के क्षेत्र में निरंतर सीखते हुए, नवाचार के साथ कार्य करने और अधिक सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा। '

अगस्त में प्राइमरी मार्केट में बढ़ेगी हलचल, सब्सक्रिप्शन के लिए खुल सकते हैं एक दर्जन से ज्यादा मेनबोर्ड आईपीओ

एजेंसी
नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद भारत में प्राइमरी मार्केट की हलचल लगातार बढ़ रही है। जुलाई में सामान्य कारोबार के बाद अब अगस्त में प्राइमरी मार्केट में तेजी के साथ कारोबार होने की उम्मीद बन गई है। अभी तक के निवेश प्रस्तावों के मुताबिक अगस्त में मेनबोर्ड सेगमेंट में एक दर्जन से अधिक कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर सकती हैं। इन आईपीओ के जरिए कंपनियों ने बाजार से लगभग 25,000 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है।

अभीतक जिन कंपनियों द्वारा अगस्त में आईपीओ लाने की लॉन्च करने की पक्की खबर आई है, उनमें क्विक कॉमर्स प्लेटफार्म जेप्टो, हाउसिंग फाइनेंस कंपनी टू होम फाइनेंस, एलीवेट कंपसेज, फुल स्टेक ई-कॉमर्स इनेबलर शिप रॉकेट, इन्नोवेटिव व्यू इंडिया, मिल्की मिस्ट डेरी फूड, धूत ट्रांसमिशन, एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी इंडिया लिमिटेड (एआरसीआईएल), हाईटेक इंजीनियर्स, गजा

अल्टरनेटिव ऐसेट मैनेजमेंट, आरडी इंडस्ट्रीज और लर्न फ्लुएंस एजुकेशन के नाम शामिल हैं। इस साल अभी तक मेनबोर्ड सेगमेंट में 36 कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर चुकी हैं। इनमें से नौ कंपनियां जुलाई के महीने में ही स्टॉक मार्केट में लिस्ट हुई हैं। जुलाई के आखिरी सप्ताह में ही मेनबोर्ड सेगमेंट की कंपनी मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज, जुनिपर ग्रीन एनर्जी और एमवी इलेक्ट्रोसिस्टम्स के आईपीओ खुलने वाले हैं।

जानकारों का मानना है कि प्राइमरी मार्केट की तेज हलचल से बाजार के प्रति निवेशकों के बढ़ते भरोसे का पता चलता है। इससे पता चलता है कि शेयर बाजार के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है और प्राइमरी मार्केट की मांग में बढ़ोतरी हो रही है। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का कहना है कि कंपनियां भी बाजार की स्थिति और निवेशकों के पॉजिटिव सेंटीमेंट्स के कारण पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद प्राइमरी मार्केट में उतरने का जोखिम ले रही हैं। धामी का मानना है कि बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव के बावजूद भारत के प्राइमरी मार्केट का लॉन्ग टर्म आउटलुक मजबूत बना हुआ है। इसी मजबूती के करण साल 2026 में आईपीओ के जरिए तमाम कंपनियों द्वारा प्राइमरी मार्केट से लगभग 20 अरब डॉलर से अधिक की राशि जुटाने की उम्मीद की जा रही है।

चीनी अनुभव से भारतीय स्मार्टफोन ब्रांड बनाने में जुटी एआई प्लस, 7,500 करोड़ रु. के कारोबार का लक्ष्य

एजेंसी
नई दिल्ली। स्मार्टफोन उद्योग में दो दशक से अधिक का अनुभव रखने वाले नेक्स्टक्वांटम शिफ्ट टेक्नोलॉजी के संस्थापक माधव सेठ भारतीय स्मार्टफोन ब्रांड 'एआई प्लस' को वैश्विक कंपनियों के मुकाबले खड़ा करने की योजना पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चीन के स्मार्टफोन बाजार और आपूर्ति श्रृंखला से मिली सीख का इस्तेमाल वह भारत में एक मजबूत घरेलू ब्रांड बनाने में कर रहे हैं।

सेठ ने बातचीत में कहा कि उनकी कंपनी ने सितंबर, 2025 में अपना पहला स्मार्टफोन बाजार में उतारा था। कंपनी ने अपने पहले ही वित्त वर्ष में 965 करोड़ रुपये का कारोबार किया। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष कंपनी का पहला पूर्ण परिचालन वर्ष होगा और इस दौरान कारोबार कई गुना बढ़कर 7,500 करोड़ रुपये से अधिक पहुंचने की उम्मीद है। नेक्स्टक्वांटम शिफ्ट टेक्नोलॉजी पूरी तरह भारतीय कंपनी है। सेठ ने कहा कि रियलमी जैसे ब्रांड को चीनी बाजार में स्थापित करने के अनुभव और चीन की मजबूत आपूर्ति श्रृंखला से मिली सीख के आधार पर कंपनी भारत में अपना स्मार्टफोन ब्रांड खड़ा कर रही है। उन्होंने इससे पहले ओप्पो और ऑनर जैसे स्मार्टफोन ब्रांड के साथ भी काम किया है। सेठ ने कहा कि भारत में स्मार्टफोन बाजार की

संभावनाएं बहुत बड़ी हैं। देश में स्मार्टफोन की मांग तेजी से बढ़ रही है, लेकिन अभी तक कोई भी भारतीय स्मार्टफोन ब्रांड वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान नहीं बना पाया है। उन्होंने कहा, ''भारत में कलपुर्जों का पूरा पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए जरूरी है कि यहां से कोई मजबूत भारतीय ब्रांड खड़ा हो। मौजूदा समय में इस क्षेत्र पर विदेशी कंपनियों का दबदबा है, जिससे घरेलू स्तर पर पुर्जों के निर्माण का विकास मुश्किल रहा है।''

सीतारमण ने कहा, आम लोगों के हित के लिए काम करें आयकर अधिकारी

एजेंसी
नई दिल्ली/मुंबई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आयकर अधिकारियों से कहा कि वे आम जनता को दफ्तरों के चक्कर न कटवाएं और बिना अनावश्यक देरी के उन्हें समय पर और संवेदनशील सेवाएं प्रदान करें। केंद्रीय वित्त मंत्री ने मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित 13 मंजिला 'आयकर सिंधु' भवन के उद्घाटन अवसर पर आयकर विभाग के अधिकारियों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने अधिकारियों से आम नागरिकों के हित में कार्य करने की अपील करते हुए कहा कि लोगों को अपने वैध कार्यों के लिए दर-दर भटकने पर मजबूर नहीं होना चाहिए। सीतारमण ने अधिकारियों से नियमों के दायरे में रहते हुए जनता के कार्यों का समयबद्ध और संवेदनशील तरीके से निपटारा करने का आग्रह किया।

सीतारमण ने कहा कि इस

भवन के निर्माण के लिए जरूरी अनुमतियां प्राप्त करने में स्वयं आयकर विभाग के अधिकारियों को भी कई दिक्कतों का सामना करना पड़ा। यदि विभाग के अधिकारी ऐसी कठिनाइयों का अनुभव कर सकते हैं तो उन्हें आम नागरिकों की समस्याओं का भी बेहतर ढंग से एहसास होना चाहिए। वित्त मंत्री ने सरकारी विभागों की सुस्त कार्यशैली पर चिंता जताते हुए कहा कि इसी कारण सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे और अतिक्रमण जैसी समस्याएं पैदा होती हैं। उन्होंने बताया कि जिस भूमि पर नया भवन बनाया गया है, वह वर्ष 1973 से आयकर विभाग के पास थी, इसके बावजूद उस पर अवैध कब्जे हो गए, जो प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण है। उन्होंने अपने संबोधन में मुंबई और नवी मुंबई में आयकर अधिकारियों के लिए सरकारी आवास की कमी का भी उल्लेख किया। सीतारमण ने कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाएंगी। इसके साथ ही उन्होंने सरकारी विभागों के बीच भूमि हस्तांतरण और अन्य मंजूरियों की प्रक्रिया को तेज करने का भरोसा दिया, ताकि भविष्य में कार्यालय भवनों का निर्माण समय पर पूरा हो सके। वित्त मंत्री ने अधिकारियों को बीएसएनएल की उपलब्ध भूमि के उपयोग की संभावनाएं तलाशने का सुझाव भी दिया और कहा कि इस संबंध में वह संबंधित मंत्री से बातचीत करेंगी। अपने संबोधन के अंत में सीतारमण ने कहा कि ईमानदारी ही कर प्रशासन की सबसे महत्वपूर्ण आधारशिला है। उन्होंने सभी अधिकारियों से निष्पक्ष, पारदर्शी और ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों के निर्वहन का आह्वान किया।

पश्चिम एशिया तनाव, फेडरल रिजर्व के निर्णय से तय होगी सर्राफा बाजार की दिशाः विश्लेषक

एजेंसी
नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिवर्ज के ब्याज दर संबंधी फैसले, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और अमेरिका-ईरान संघर्ष जैसी घटनाएं अगले सप्ताह सोने और चांदी की कीमतों की दिशा तय करेंगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

फेडरल रिजर्व के फैसले के अलावा निवेशक अमेरिका के उपभोक्ता विश्वास, महंगाई आंकड़े, साप्ताहिक बेरोजगारी दावों और बैंक ऑफ इंग्लैंड तथा बैंक ऑफ जापान की मौद्रिक समीक्षा बैठकों की घोषणाओं पर भी नजर रखेंगे। एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष शोध विश्लेषक (जिंस एवं मुद्रा) जतिन त्रिवेदी ने कहा, '29 जुलाई को अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीति निर्णय से पहले बाजार की धारणा अमेरिका-ईरान की भू-राजनीतिक स्थिति में घटनाक्रम, कच्चे तेल की कीमतों की दिशा और उनके महंगाई संबंधी अपेक्षाओं पर पड़ने वाले असर से प्रभावित होती रहेगी।''

घरेलू वायदा बाजार में पिछले सप्ताह अगस्त में आपूर्ति वाले सोने का वायदा भाव 2,200 रुपये यानी 1.6 प्रतिशत बढ़कर 1.43 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं सितंबर में आपूर्ति वाली चांदी का वायदा भाव 5,735 रुपये यानी 2.7 प्रतिशत चढ़कर 2.22 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में न्यूयॉर्क के कॉमेक्स पर अगस्त में आपूर्ति वाले सोने का वायदा भाव 52 डॉलर यानी 1.3 प्रतिशत बढ़कर 4,070.8 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ। वहीं, सितंबर अनुबंध वाली चांदी करीब पांच प्रतिशत की बढ़त के साथ 58.90 डॉलर प्रति औंस पर रही। विश्लेषकों के अनुसार, सप्ताह के दौरान सर्राफा में तेज उतार-चढ़ाव देखा गया, क्योंकि ब्रेंट कच्चा तेल कुछ समय के लिए 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के पार चला गया। यह तेजी हूती विद्रोहियों द्वारा सऊदी स्वामित्व वाले जहाजों पर हमलों के बाद आपूर्ति बाधित होने की आशंकाओं के चलते आई। मिराए एसेट शेयरखान में जिंस मामलों के प्रमुख प्रवीण सिंह ने कहा कि ईरान से जुड़े घटनाक्रमों पर नजर के बीच सोना और चांदी सीमित दायरे में कारोबार कर सकते हैं।

प्रतिस्पर्धा कानून उल्लंघन रोकने के लिए दंड दिशानिर्देश प्रभावी ढंग से लागू करे सीसीआई : समिति

नई दिल्ली। संसद की एक समिति ने कहा है कि प्रतिस्पर्धा कानूनों के बार-बार उल्लंघन को कंपनियां महज 'कारोबार करने की लागत' के रूप में न लें। इसके लिए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) को मौद्रिक दंड निर्धारण संबंधी दिशानिर्देशों को सख्ती से लागू करना चाहिए। राज्यसभा की अधीनस्थ विधान संबंधी समिति ने कहा कि इन दिशानिर्देशों में प्रतिस्पर्धा कानूनों के बार-बार उल्लंघन को जुर्माना तय करते समय एक गंभीर कारक माना गया है, ताकि भविष्य में ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति को रोका जा सके। यह सिफारिश सीसीआई से संबंधित उस रिपोर्ट का हिस्सा है, जिसे समिति के अध्यक्ष मिलिंद मुरली देवड़ा की अध्यक्षता वाली समिति ने इस सप्ताह संसद में पेश किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि समाज के कमजोर वर्गों को अनुचित या प्रतिस्पर्धा-रोधी गतिविधियों से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए प्रतिस्पर्धा कानूनों का प्रभावी अनुपालन जरूरी है।समिति ने कहा, ''छोटे कारोबार, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) और स्टार्टअप आदि को अपनी प्रतिस्पर्धी क्षमता बनाए रखने के लिए प्रतिस्पर्धा कानूनों के स्थिर और प्रभावी अनुपालन पर भरोसा करने में सक्षम होना चाहिए।'' समिति ने कॉरपोरेट इकाइयों की ओर से प्रतिस्पर्धा कानूनों और नियमों के बार-बार उल्लंघन पर भी चिंता जताई। रिपोर्ट में कहा गया, ''इस तरह के बार-बार उल्लंघनों का जोखिम यह है कि उन्हें महज 'कारोबार करने की लागत' के रूप में स्वीकार कर लिया जाए।

टॉप 10 में शामिल देश की 9 कंपनियों के मार्केट कैप में 2.74 लाख करोड़ की गिरावट

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल नौ कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट आ गई, जबकि छह कंपनियों के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हो गई। देश में मार्केट कैप के मामले में शीर्ष स्थान पर मौजूद इन दस कंपनियों में से नौ के मार्केट कैप में सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार के बाद 2.74 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक को हुआ, जबकि मार्केट कैप में गिरावट के मामले में दूसरा स्थान रिलायंस इंडस्ट्रीज ने हासिल किया। दूसरी ओर, टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल सिर्फ एक कंपनी के मार्केट कैप में पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान 152 करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। पिछले सप्ताह चौतरफा दबाव के बीच हुए कारोबार में मार्केट कैप में बढ़ोतरी हासिल करने वाली एकमात्र कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर रही। शुक्रवार तक के कारोबार के बाद एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), बजाज फाइनेंस, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और लार्सन एंड टूब्रो के मार्केट कैप में 2,74,078.37 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। दूसरी ओर, हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 152.73 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 1,18,383.91 करोड़ रुपये घट कर 11,43,985.90 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह देश में सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 65,429.82 करोड़ रुपये की कमजोरी के साथ 17,29,661.44 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 26,814.94 करोड़ रुपये कम होकर 9,36,953.84 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 26,802.74 करोड़ रुपये कम होकर 6,30,471.54 करोड़ रुपये के स्तर पर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 15,116.74 करोड़ रुपये फिसल कर 5,33,007.56 करोड़ रुपये के स्तर पर गया। सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार में आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 6,223.84 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 10,28,217.93 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह भारती एयरटेल का मार्केट कैप 6,021.64 करोड़ रुपये घट कर 11,85,046.13 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 5,191.95 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 8,15,480.75 करोड़ रुपये के स्तर पर और लार्सन एंड टूब्रो (एलएंडटी) का मार्केट कैप 4,092.79 करोड़ रुपये कम होकर 5,20,747.89 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। दूसरी ओर, पिछले सप्ताह के कारोबार में हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 152.73 करोड़ रुपये बढ़ कर 5,03,928.59 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 17,29,661.44 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 11,85,046.13 करोड़ रुपये), एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 11,43,985.90 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 10,28,217.93 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 9,36,953.84 करोड़ रुपये), टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) (कुल मार्केट कैप 8,15,480.75 करोड़ रुपये), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 6,30,471.54 करोड़ रुपये), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) (कुल मार्केट कैप 5,33,007.56 करोड़ रुपये), लार्सन एंड टूब्रो (कुल मार्केट कैप 5,20,747.89 करोड़ रुपये) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,03,928.59 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

यमन के प्रधानमंत्री का आरोप- हूती हमले ईरान के एजेंडे का हिस्सा

एजेंसी

अदन। यमन के प्रधानमंत्री शईद मोहसिन अल-जंदानी ने लाल सागर में व्यापारिक जहाजों पर हूती विद्रोहियों के लगातार हमलों की कड़ी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि ये हमले ईरान के व्यापक एजेंडे को आगे बढ़ाने की कोशिश का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियां क्षेत्रीय और वैश्विक समुद्री सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन गई हैं। प्रधानमंत्री अल-जंदानी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी अपने संदेश में कहा कि हूती विद्रोहियों के हमलों से अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की स्वतंत्र आवाजाही प्रभावित हो रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि इन घटनाओं का असर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन), अंतरराष्ट्रीय व्यापार और समुद्री परिवहन पर भी पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि लाल सागर में बढ़ता तनाव संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की ओर से क्षेत्र में शांति स्थापित करने के प्रयासों को भी नुकसान पहुंचा रहा है। उनके अनुसार, इस प्रकार की गतिविधियां क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रही हैं। यमन के प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हूती विद्रोहियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि विद्रोही समूह को मिलने वाले बाहरी समर्थन को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए, ताकि क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और स्थिरता बहाल की जा सके।

नेपाल के सशस्त्र प्रहरी बल ने भारतीय सीमा पर तैनात की 'बॉर्डर इंटर एक्शन टीम'

काठमांडू। नेपाल-भारत सीमा को सहज बनाने, सीमावर्ती क्षेत्रों में होने वाली अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण लगाने और सूचना एकत्र करने के उद्देश्य से सशस्त्र प्रहरी बल की 'बॉर्डर इंटर एक्शन टीम' (बीआईटी) को तैनात किया गया है। 26 जुलाई से प्रमुख सीमा नाकों- झापा के कांकड़भिट्ठा, मोरंग के रानी, पर्सा के बीरगंज, रुपंदेही के डंडा, बांके के जमुनाह और कैलाली के त्रिनगर में सशस्त्र प्रहरी नायब निरीक्षक (एएसआई) की कमान में प्रति स्थान 14 जवानों की टीम तैनात की गई है। यह टीम संबंधित क्षेत्रों में स्थित सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल सीमा सुरक्षा गुल्म (कंपनी/बटालियन बेस) में तैनात रहकर मुख्य सीमा नाकों पर कार्य करेगी। सशस्त्र प्रहरी महानिरीक्षक नारायण दत्त पौडेल ने रुपंदेही स्थित डंडा सीमा सुरक्षा गुल्म पहुंच कर इस टीम को आवश्यक निर्देश दिए और परिचालन का शुभारंभ किया। इसके साथ ही उन्होंने सीमा क्षेत्र में होने वाली दैनिक गतिविधियों की जानकारी भी ली। यह टीम विशेष रूप से सीमा पार करने वाली महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की सहायता, मानव तस्करी की रोकथाम व बचाव, प्रतिबंधित नशीले पदार्थों एवं वन्य जीवों सहित अवैध सामग्रियों की निगरानी, नियंत्रण तथा गहन जांच-पड़ताल का काम करेगी।

उत्तर कोरिया की परमाणु क्षमताओं का होगा लगातार होगा उन्नयन : किम यो जोंग

मास्को। उत्तर कोरिया की परमाणु क्षमताओं का लगातार उन्नयन किया जाएगा और वे सुरक्षा की सबसे अच्छी गारंटी बने रहेंगे। यह बात कोरियन वर्कर्स पार्टी की केंद्रीय समिति का सामान्य विभाग की निदेशक और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने कही। कोरियन सेंट्रल न्यूज़ एजेंसी के अनुसार, किम यो जोंग ने कहा, 'हमारा रुख एक जैसा और स्पष्ट है कि परमाणु प्रतिरोध देश की संप्रभुता के लिए एक भरोसेमंद ढाल और सुरक्षा की सबसे अच्छी गारंटी है। उत्तर कोरिया की परमाणु क्षमता को बिना किसी रुकावट के लगातार बेहतर बनाया जाएगा। ' उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विरोधी ताकतों के कारण उत्पन्न हुए संकट के बीच यह बचाव ज़रूरी है।

यूरोप को अमेरिका के परमाणु 'सुरक्षा कवच' पर संदेह, अपना खुद रक्षा तंत्र कर रहा विकसितः रूसी राजनयिक

जेनेवा। जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र में रूस के स्थायी प्रतिनिधि गेनाडी गैतिलोव ने आरआईए नोवोस्ती को बताया कि अमेरिकी परमाणु 'सुरक्षा कवच' की विश्वसनीयता पर संदेह होने के कारण यूरोपीय देश अपनी खुद की प्रतिरोधक क्षमताएं विकसित कर रहे हैं। राजनयिक ने कहा, 'अमेरिकी परमाणु 'सुरक्षा कवच' की विश्वसनीयता पर शक होने के कारण, यूरोपीय देश अब अपनी खुद की सुरक्षा प्रणालियाँ विकसित करने पर काम कर रहे हैं।' श्री गैटिलोव के अनुसार, 'यह सब सिर्फ़ कागज़ों तक ही सीमित नहीं है। ' श्री गैटिलोव का मानना है, 'फ्रांस पहले से ही जर्मनी और पोलैंड के साथ व्यावहारिक परमाणु सहयोग की शुरुआत कर चुका है। अभी पिछले हफ़्ते ही, परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम लड़ाकू विमानों में हवा में ही ईंधन भरने का संयुक्त फ्रांसीसी-जर्मन अभ्यास हुआ। स्पष्ट है कि यह तो बस शुरुआत है। 'उन्होंने कहा कि यह बात अहम है कि बर्लिन में अपने परमाणु हथियार रखने की समझदारी पर पहले से ही सार्वजनिक बहस चल रही है और वारसॉ में भी ऐसे लोग हैं जो इस संभावना को खारिज नहीं करते हैं। स्थायी प्रतिनिधि ने कहा, 'फिनलैंड, एस्टोनिया और लिथुआनिया जैसे देश अपने वरिष्ठ सहयोगी के प्रति वफादारी दिखाने की होड़ में हैं और नाटो सहयोगियों के परमाणु हथियारों को अपने यहां तैनात करने की संभावना तलाश रहे हैं। '

मध्यस्थ देशों के जरिए अमेरिका के साथ संदेशों का आदान-प्रदान जारी : ईरान

एजेंसी

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा है कि अमेरिका, पाकिस्तान और कतर सहित कुछ मध्यस्थ देशों के जरिए ईरान के साथ संदेशों का आदान-प्रदान कर रहा है। ईरानी मीडिया ने ऑस्ट्रियाई प्रसारक ओआरएफ को दिए गए उनके इंटरव्यू के हवाले से यह जानकारी दी। इस्माइल बघाई ने इंटरव्यू में कहा कि किसी भी बातचीत की शुरुआत के लिए पहले 'उचित माहौल' तैयार होना चाहिए। उनका कहना था कि अमेरिका ने ऐसा माहौल खुद ही नष्ट कर दिया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने अमेरिका पर ईरान-अमेरिका के बीच हुए समझौता ज्ञापन की सभी शर्तों का व्यवहार में उल्लंघन करने का आरोप लगाया। प्रवक्ता ने कहा कि इस समय ईरान की प्राथमिकता अपनी

संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करना तथा अपने लोगों को उन युद्ध अपराधों से बचाना है, जो उनके अनुसार अमेरिका द्वारा किए जा रहे हैं। 18 जून को हुए समझौते के तहत अमेरिका और ईरान को 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते तक पहुंचने के लिए बातचीत करनी थी। हालांकि, पिछले दो सप्ताह में दोनों देशों के बीच तनाव और झड़पें बढ़ने के बाद इन वार्ताओं का भविष्य अनिश्चित बना हुआ है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान, अमेरिका के साथ बातचीत करना चाहता है, लेकिन तेहरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में उन्होंने अपनी सरकार की इस नीति को दोहराया। ट्रंप ने कहा, 'वे इस समय हमसे बात कर रहे हैं। वे समझौता करना चाहते हैं। ' उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि वे अभी इसके लिए तैयार हैं। अभी सही समय नहीं है। लेकिन मैं उनकी बात सुनने को तैयार हूं। ' ट्रंप ने स्पष्ट किया कि अमेरिका, ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर कोई समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा, 'ईरान परमाणु हथियार नहीं रख सकता। ' उन्होंने कहा, 'हम नहीं चाहते कि वॉशिंगटन डीसी, हमारे अन्य शहर, इजरायल या पूरा मध्य पूर्व किसी परमाणु हथियार से तबाह हो जाए। ' ट्रंप ने यह भी दावा किया कि हालिया अमेरिकी सैन्य कार्रवाई से ईरान की सैन्य क्षमता को बड़ा नुकसान पहुंचा है, हालांकि उन्होंने अपने दावों के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया। उन्होंने कहा, 'हमने ईरान को बहुत कड़ा झटका दिया है।' ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की नौसेना और वायुसेना लगभग खत्म हो चुकी हैं और 250 विमान, 159 नौकाएं, रडार सिस्टम तथा अपनी ड्रोन क्षमता का बड़ा हिस्सा खो दिया है।

ईरान का आरोप- यूक्रेन ने इजराइल के इशारे पर किया जहाज पर हमला

एजेंसी

तेहरान। ईरान ने कैस्पियन सागर में अपने एक वाणिज्यिक पोत पर हुए हमले को लेकर यूक्रेन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा कि यह हमला कथित रूप से इजराइल के इशारे पर किया गया, जिसका उद्देश्य यूरोप को पश्चिम एशिया के मौजूदा संघर्ष में शामिल करना है। अराघची ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि यूक्रेन द्वारा ईरानी वाणिज्यिक जहाज पर किया गया हमला संयुक्त राष्ट्र चार्टर का खुला उल्लंघन है। उन्होंने दावा किया कि इस घटना में एक नाविक की मौत हुई और एक अन्य घायल हुआ। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर उन्होंने यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काया कैलास और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से भी बातचीत की है। ईरानी विदेश मंत्रालय के अनुसार, विदेश मंत्री ने यूरोपीय संघ से इस घटना पर निर्णायक कार्रवाई करने और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हमले के जिम्मेदार लोगों एवं उनके समर्थकों के खिलाफ जवाबदेही तय करने की मांग की है। मंत्रालय ने बताया कि इस मुद्दे पर ईरान ने तेहरान स्थित यूक्रेन के प्रभारी राजनयिक (चार्जे डी'अफेयर्स) को तलब कर औपचारिक विरोध दर्ज कराया। ईरान ने इस हमले को शत्रुतापूर्ण और आपराधिक कृत्य बताते हुए विरोध-पत्र भी सौंपा। बयान के अनुसार, बातचीत के दौरान दोनों पक्षों ने होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति पर भी चर्चा की और क्षेत्रीय तनाव कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। ईरानी विदेश मंत्रालय ने दोहराया कि उसने रूस-यूक्रेन युद्ध में कभी हस्तक्षेप नहीं किया है।

बोर्दो के पास जंगलों में लगी भीषण आग, 55,000 लोग सुरक्षित स्थानों पर भेजे गए

एजेंसी

द्वबोर्दो (फ़्रांस)। फ़्रांस के दक्षिण-पश्चिम में स्थित प्रसिद्ध शहर बोर्दो के निकट जंगलों में लगी भीषण आग ने विकराल रूप ले लिया है। आग के तेज़ी से फैलने के कारण एहतियातन आसपास के इलाकों से हज़ारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया है। दमकलकर्मी आग पर काबू पाने के लिए लगातार मशक्कत कर रहे हैं, लेकिन मौसम और हवाओं के रुख के कारण स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

फ़्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज़ ने स्थिति की गंभीरता को स्वीकार करते हुए कहा कि प्रभावित क्षेत्र में हालात अब भी 'बेहद मुश्किल' बने हुए हैं। उन्होंने जानकारी दी कि आग अनिश्चित दिशा में आगे बढ़ते हुए बोर्दो शहर की ओर रुख कर रही है। हालाँकि, अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल बोर्दो शहर को पूरी तरह खाली कराने की आवश्यकता महसूस नहीं की गई है। शनिवार रात से रविवार सुबह के बीच बोर्दो के दक्षिण में स्थित जिरोंद क्षेत्र के विभिन्न गांवों से करीब 55,000 लोगों को सुरक्षित

स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। उल्लेखनीय है कि जिरोंद क्षेत्र अपने विश्व प्रसिद्ध अंगूर के बागानों और प्रीमियम वाइन उत्पादन के लिए जाना जाता है। पिछले एक सप्ताह से भीषण गर्मी और हीटवेव के चलते यूरोप के कई हिस्सों में जंगलों की आग बेकाबू हो गई है। इसका सबसे भयंकर प्रभाव फ़्रांस और स्पेन में देखा जा रहा है:

3.3 लाख से अधिक बेघरः दोनों देशों में अब तक 3 लाख 30 हजार से अधिक लोगों को उनके घरों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया जा चुका है। राहत कार्य जारीः आपातकालीन सेवाएं, वायुसेना के वॉटर बॉम्बर विमान और स्थानीय प्रशासन लगातार आग को आबादी वाले इलाकों में पहुँचने से रोकने में जुटे हैं।

ईरान युद्ध में 18 अमेरिकी सैनिक मारे गए और 624 घायल, पेंटागन ने आलोचना के बाद डेटाबेस को अपडेट किया

एजेंस

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन को तीखी आलोचना के बाद ईरान युद्ध में हताहत और घायल सैनिकों के डेटाबेस को अपडेट करना पड़ा। इसमें 140 और घायल सैनिकों और पिछले हफ्ते ईरानी हमलों में मारे गए चार सैनिकों के नाम जोड़े गए। अपडेट डेटाबेस के अनुसार, 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू होने के बाद से 18 सैनिक मारे गए और 624 सैनिक घायल हुए हैं।

सीएनएन और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार,ताजा बदलाव में पेंटागन ने डिफेंस कैजुअल्टी एनालिसिस सिस्टम में मृतकों और घायल सैनिकों के लिए एक नई ट्रैकिंग कैटेगरी ओवरसीज ऑपरेशन्स जोड़ी है।

पिछले हफ्ते पेंटागन को मीडिया और सांसदों की आलोचना का सामना करना पड़ा था।सीनेट की आर्म्ड सर्विसेज कमेटी के 12 डेमोक्रेटिक सांसदों ने गुरुवार को रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को पत्र लिखकर इस बारे में जवाब मांगा

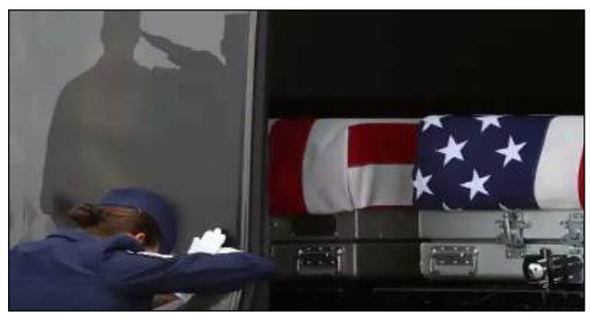

था। रक्षा विभाग के कार्यवाहक प्रेस सचिव जोएल वाल्डेज ने गुरुवार को एक्स पोस्ट में कहा था कि वेबसाइट पर डेटा में अस्थायी रुकावट के कारण सही संख्या नहीं दिख रही। इस बारे में न्यूयॉर्क टाइम्स ने सबसे पहले डेटाबेस की गड़बड़ी का खुलासा किया था। इस पर पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने गुरुवार को एक्स पर साझा किए गए एक बयान में सफाई दी थी। उन्होंने इसके लिए डिफेंस कैजुअल्टी एनालिसिस सिस्टम में साइट की गलतियों के लिए अस्थायी डेटा व्यवधान को जिम्मेदार ठहराया था। पार्नेल ने न्यूयॉर्क टाइम्स की आलोचना भी की थी।

अमेरिका-ईरान के बीच हमले रुके, होर्मुज में बारूदी सुरंग से टकराया टैंकर, धमाका

एजेंसी

तेहरान/वाशिंगटन। मध्य पूर्व (पश्चिम एशिया) में हमले तो रुक गए हैं पर होर्मुज जलडमरूमध्य में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। होर्मुज में एक तेल टैंकर के बारूदी सुरंग से टकराने के बाद जोरदार धमाका हुआ है। अमेरिका ने फिलहाल ईरान के खिलाफ अपने हमले रोक दिए हैं। तेहरान को भी लगभग दो सप्ताह की बमबारी के बाद इस इलाके में अपने जवाबी हमले रोकने पड़े हैं।

अल जजीरा और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सेना के पास गोला-बारूद कम होने की खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई का कहना है कि अमेरिका पूर्व की बातचीत के अपघात कर चुका है। बावजूद इसके तेहरान और वाशिंगटन मध्यस्थों के माध्यम से संदेशों का आदान-प्रदान कर रहे हैं। ईरान के अधिकारियों ने

पुष्टि की है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की कोशिश कर रहा एक तेल टैंकर बारूदी सुरंगों से टकराने के बाद धमाके का शिकार हो गया। यह टैंकर ईरानी अधिकारियों के निर्देशों की अनदेखी कर आगे बढ़ रहा था। होर्मुज में यह घटना दो दिनों की शांति के बाद हुई है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत माइक वाल्ट्ज ने कहा कि ईरान के सैन्य ठिकानों पर लगातार 13वीं रात अमेरिकी हमलों के बाद ट्रंप प्रशासन ने कूटनीतिक प्रयासों को देखते हुए अनिश्चित समय तक हमले रोकने का फैसला किया है। उधर, पाकिस्तान, कतर और मध्य पूर्व के अन्य देश अमेरिका और ईरान को फिर शांति की मेज पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। ईरानी सेना ने भी कहा कि उसने मध्य पूर्व में अमेरिका के सहयोगी देशों पर जवाबी हमले रोक दिए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एआई निर्मित कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इनमें अमेरिका की सैन्य ताकत को दिखाया गया है और उसे दुनिया का रक्षक बताया गया है। यह तस्वीरें अमेरिका की राजनीतिक महत्वाकांक्षा को भी रेखांकित करती हैं।

नेपाल पर चीन के दबाव का असर, काठमांडू में होने वाले तिब्बत सम्मेलन में नहीं आएंगे दलाई लामा के प्रतिनिधि

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल सरकार पर चीन के दबाव का बड़ा असर हुआ है। चीन के दबाव के बाद काठमांडू में आयोजित होने वाले तिब्बत से जुड़े अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दलाई लामा की निर्वासित सरकार अपने आधिकारिक प्रतिनिधि नहीं भेजेगी। भारत के हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला स्थित मुख्यालय सेंट्रल तिब्बतन एडमिनिस्ट्रेशन (सीटीए) ने 23 से 29 अगस्त तक काठमांडू में आयोजित होने वाले 'इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर तिब्बतन स्टडीज' के 17वें सम्मेलन में शामिल न होने का फैसला किया है। सीटीए ने इस सम्मेलन में अपने थिंक टैंक 'तिब्बत नीति संस्थान' (टीपीआई) से पांच प्रतिनिधियों को भेजने की तैयारी की थी। यह हैं-टीपीआई के निदेशक दावा छिरिंग के नेतृत्व में शोधकर्ता डॉ. छेवांग दोरजी, डॉ. छिरिंग डोल्मा, डॉ. कर्मा तेन्जिंग दलिया और डॉ. रिगमोन छिरिंग सामदुक। वर्तमान में पेनपा छिरिंग सीटीए के प्रमुख हैं। एक उच्च सुरक्षा अधिकारी के मुताबिक, 20 जुलाई को काठमांडू स्थित चीन के राजदूत चांग माओमिंग ने नेपाल के विदेश सचिव अमृत बहादुर राई से मुलाकात में सीटीए के कुछ प्रतिनिधियों के औपचारिक रूप से शामिल होने की बात कहते हुए सम्मेलन को लेकर चिंता जताई थी। सुरक्षा अधिकारी ने बताया, राजदूत ने सम्मेलन को रोकने के लिए तो नहीं कहा, लेकिन चीन-विरोधी बयानबाजी की आशंका जताते हुए चिंता व्यक्त की थी। शायद नेपाल सरकार पर ज्यादा दबाव न पड़े और सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न हो सके, इसलिए सीटीए ने अपने प्रतिनिधि न भेजने का फैसला किया है।समय और कैलेंडर सीटीए के 21 जुलाई को लिए गए निर्णय के अनुसार, भले ही उनकी औपचारिक भागीदारी न हो, लेकिन जिन प्रतिनिधियों ने पहले ही अपना पंजीकरण करा लिया है, वे व्यक्तिगत रूप से सम्मेलन में भाग ले सकते हैं। नेपाल सरकार की विदेश नीति का सम्मान करते हुए ।

नेपाल के कप्तानगंज में बोलबम कांवरिया यात्रा पर मुस्लिम समुदाय का हमला, पुलिस ने चलाई गोली, हिन्दू युवक की मौत

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के सीमावर्ती सुनसरी जिले के देवानगंज गांव के कप्तानगंज में मुस्लिम समुदाय द्वारा बोलबम कांवरिया यात्रा पर जा रहे हिन्दू युवकों पर किए गए हमले से स्थिति तनावपूर्ण है। दो समूहों के बीच बढ़े विवाद को नियंत्रित करने के लिए सशस्त्र पुलिस द्वारा चलाई गई गोली लगने से एक युवक की मौत होने की जानकारी पुलिस ने दी। मृतक की पहचान 24 वर्षीय ओमप्रकाश मेहता के रूप में हुई है। वह कप्तानगंज का है।

सुनसरी के डीएसपी चंद्र बहादुर खड्का के अनुसार, गोली लगने से गंभीर रूप से घायल मेहता को इलाज के लिए विराटनगर स्थित न्यूरो अस्पताल ले जाते ही रविवार देर रात 11:50 बजे डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों के बीच का मामूली

विवाद उग्र होकर झड़प और हिंसा में बदल गया, जिसके बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गोली चलानी पड़ी। इस घटना में अन्य 10 लोग घायल हुए हैं। घायलों का इलाज विराटनगर के न्यूरो, विराट नर्सिंग और नोबेल मेडिकल कॉलेज समेत अन्य अस्पतालों में चल रहा है। पुलिस ने बताया कि कुछ घायलों की हालत गंभीर है और उनकी पहचान अभी बाकी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सावन के सोमवार के अवसर पर 'बोलबम' यात्रा के लिए सप्तकोशी नदी की ओर जाने के लिए हिन्दू युवाओं का एक समूह डीजे बजाते हुए तैयारी कर रहा था। इसी दौरान, मुस्लिम समुदाय ने रात के समय शोर-शराबा और बाधा उत्पन्न होने का हवाला देते हुए आपत्ति जताई, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि रविवार रात करीब 10 बजे शुरू हुई मामूली कहासुनी के बाद स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई। स्थिति के बिगड़ने के बाद दोनों पक्षों के बीच मारपीट, आगजनी और तोड़फोड़ शुरू हो गई। जब नेपाल पुलिस और सशस्त्र पुलिस की संयुक्त टीम घटनास्थल पर पहुंची, तब घरों, मेडिकल स्टोर और वाहनों में तोड़फोड़ व आगजनी हो रही थी। स्थिति के बेकाबू होने पर इनरुवा स्थित जिला सुरक्षा समिति की देररात 1 बजे हुई आपात बैठक में स्थिति को तुरंत नियंत्रित करने के लिए बल प्रयोग करने का निर्णय लिया गया। सुनसरी पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। अतिरिक्त पुलिस बल और दंगा नियंत्रण यूनिट को चप्पे-चप्पे पर तैनात कर दिया गया है। विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा है।

अराघची ने रूसी विदेश मंत्री लावरोव से फोन पर की बात, ईरानी जहाज पर यूक्रेनी हमले को लेकर हुई चर्चा

एजेंसी

तेहरान । ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची और उनके रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव ने रविवार को एक फोन कॉल के दौरान कैस्पियन सागर में एक ईरानी कमर्शियल जहाज पर यूक्रेन के हमले की निंदा की। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अराघची ने यूक्रेन के इस कदम की निंदा करते हुए इसे खतरनाक और यूनाइटेड नेशंस चार्टर के बुनियादी सिद्धांतों का साफ उल्लंघन बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईरान अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और हितों की पूरी तरह से रक्षा करेगा। बयान में आगे कहा गया कि लावरोव ने इस हमले की निंदा करते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करने वाला एक्शन और रूस और ईरान के बीच ट्रेड रूट के लिए खतरा बताया।

बयान के मुताबिक, दोनों मंत्रियों ने तेहरान द्वारा अमेरिका के 'वादों को तोड़ने और होर्मुज स्ट्रेट पर असुरक्षा थोपने' के बाद हुए क्षेत्रीय डेवलपमेंट पर भी चर्चा की।

इसके अलावा, विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा कि कैस्पियन सागर में ईरान के कमर्शियल जहाज पर यूक्रेन के हमले को बिना जवाब दिए ऐसे नहीं छोड़ा जा सकता। ईरानी विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की पर आरोप लगाया कि उन्होंने इजरायल के कहने पर यूएन चार्टर का खुला उल्लंघन करके यूरोप को अपनी लड़ाई में घसीटने का आदेश दिया। न्यूज एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार, विदेश मंत्री अराघची ने कहा कि उन्होंने शनिवार और रविवार को यूरोपीय संघ की विदेश नीति की प्रमुख काजा कैलास और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ फोन पर हुई बातचीत में स्पष्ट कर दिया था कि कीव में मुफ्तखोर ने जो किया, उसे बिना जवाब दिए नहीं जाने नहीं दिया जा सकता। ईरानी विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, अराघची ने शनिवार को ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलास के साथ एक फोन कॉल में यह बात कही। इसके साथ ही दोनों पक्षों ने हाल के क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा की। बयान के अनुसार, अराघची ने यूक्रेनी हमले की निंदा की और ईयू, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इसके गुनाहगारों और समर्थकों को जिम्मेदार ठहराने की अपील की।

पाकिस्तान के पंजाब में भारी बारिश से मची तबाही, 24 घंटे में सात लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पिछले 24 घंटों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में दो बच्चों समेत सात लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। भारी बारिश के कारण छत गिरने, डूबने और बिजली का करंट लगने जैसी घटनाएं हुईं। स्थानीय मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, भारी बारिश से कई जिलों में घरों को नुकसान पहुंचा और मवेशियों की मौत हो गई। पाकिस्तानी अखबार 'डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार, मौत का कारण डूबना और इमारतों का गिरना रहा जबकि घायल होने की घटनाएं मुख्य रूप से छत गिरने एवं बिजली का करंट लगने के कारण हुई। डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार, लाहौर में गढ़ी शाहू रेलवे कॉलोनी, बॉबी प्लाज़ा, सग्गियां पिंड और काहना में छत गिरने की चार अलग-अलग घटनाओं में एक पुरुष, एक महिला और एक बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। कसूर ज़िले में, अड्डा ढिंग शाह के पास एक घर की छत गिरने से एक व्यक्ति और एक बच्चे की मौत हो गई और एक महिला एवं दो बच्चों समेत तीन अन्य लोग घायल हो गए। फैसलाबाद में भारी बारिश के कारण एक घर की छत गिरने से एक महिला की मौत हो गई जबकि गुजरांवाला में पठान कॉलोनी के पास खेतों में जमा बारिश के पानी में डूबने से एक बच्चे की मौत हो गई।

सिंध में नए प्रांत की मांग लेकर सड़क पर उतरा सियासी दल, भेदभाव का लगाया आरोप

एजेंसी

राची। पाकिस्तान की मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) ने सिंध समेत देश में नए प्रांतों के गठन की मांग को लेकर अपना अभियान तेज कर दिया है। पार्टी अध्यक्ष खालिद मकबूल सिद्दीकी ने हैदराबाद में रैली का नेतृत्व किया, जबकि वरिष्ठ नेता और संघीय स्वास्थ्य मंत्री मुस्तफा कमाल ने कराची में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर प्रशासनिक आधार पर नए प्रांत बनाए जाने की मांग दोहराई। हैदराबाद में हजारों की तादाद में लोग जुटे। अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट से जारी कुछ वीडियो क्लिप्स और तस्वीरों में भारी भीड़ देखी जा सकती है। पार्टी का कहना है कि मौजूदा प्रशासनिक ढांचा देश की बढ़ती आबादी और विकास संबंधी जरूरतों को पूरा करने में नाकाम रहा है। एमक्यूएम-पी का दावा है कि खासकर सिंध में बेहतर प्रशासन, संसाधनों के समान वितरण और प्रभावी जनसेवाओं के लिए नए प्रशासनिक प्रांत बनाना जरूरी हो गया है। हैदराबाद में रैली को संबोधित करते हुए खालिद मकबूल सिद्दीकी ने कहा कि एमक्यूएम-पी ने सिंध से अलग नया प्रांत बनाने की अपनी मांग कभी वापस नहीं ली है। उन्होंने कहा कि नया प्रांत मातृभाषा और भूमि के आदान-प्रदान के आधार पर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत से आए मुहाजिर अपनी इच्छा से पाकिस्तान आए थे और यह पलायन लियाकत-नेहरू समझौते के तहत हुआ था। सिद्दीकी ने पूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो का जिक्र करते हुए कहा कि उनके दौर में शहरी और ग्रामीण सिंध की व्यवस्था तय की गई थी। साथ ही यह भी तय हुआ था कि यदि मुख्यमंत्री सिंधी भाषी होगा तो राज्यपाल उर्दू भाषी होगा, जिसे शहरी सिंध में जनादेश प्राप्त पार्टी नामित करेगी। उन्होंने दावा किया कि सिंध के कुल बजट का 97 प्रतिशत हिस्सा कराची से आता है, जबकि बाकी योगदान हैदराबाद और मीरपुर खास जैसे शहरों से मिलता है। सिद्दीकी ने आरोप लगाया कि सिंध में दो वर्ग हैं एक जो 100 प्रतिशत टैक्स देकर पूरे प्रांत का बोझ उठा रहा है और दूसरा जो बिना योगदान दिए उसका लाभ ले रहा है। उन्होंने कहा कि यदि निष्पक्ष तरीके से गिनती की जाए तो अलग प्रांत की मांग दूसरी ओर से भी उठेगी। कराची में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मुस्तफा कमाल ने कहा कि नए प्रांतों की मांग किसी जातीय या भाषाई आधार पर नहीं, बल्कि पूरी तरह प्रशासनिक जरूरत के तहत की जा रही है। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ती आबादी और शहरीकरण के कारण मौजूदा प्रशासनिक व्यवस्था प्रभावी ढंग से काम नहीं कर पा रही है। कमाल ने आरोप लगाया कि पिछले 18 वर्षों में सिंध सरकार को 22 ट्रिलियन रुपये मिले, लेकिन कराची को केवल 680 अरब रुपये आवंटित किए गए, जबकि प्रांत के 90 प्रतिशत से अधिक राजस्व का योगदान अकेले कराची देता है। उनका कहना था कि यदि 2010 से पहले वाला जीएसटी बंटवारा फॉर्मूला लागू रहता, तो कराची को लगभग 2 ट्रिलियन रुपये मिलते। इससे शहर में सड़कें, पेयजल, सार्वजनिक परिवहन, स्कूल, अस्पताल और रोजगार के बेहतर अवसर विकसित किए जा सकते थे। मुस्तफा कमाल ने आरोप लगाया कि 18वें संवैधानिक संशोधन के बाद सिंध सरकार ने अधिकांश अधिकार अपने पास केंद्रित कर लिए, लेकिन कराची और अन्य क्षेत्रों में लोगों को साफ पानी, स्वच्छता, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं करा सकी। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकायों को न तो पर्याप्त वित्तीय अधिकार मिले और न ही प्रशासनिक शक्तियां, जिसके कारण लोगों को प्रभावी नगर सेवाएं नहीं मिल पा रही हैं।

page 1 and 8 July 26_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/28/2026 1:17 AM Page 2

*परेशान कतई न हों, हर उचित समस्या का निष्पक्षता से कराएंगे समाधानः मुख्यमंत्री

सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह 'जनता दर्शन'में आए लोगों को दिया भरोसा

लखनऊ, 27 जुलाईः। मुख्यंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह 'जनता दर्शन' किया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न जनपदों से आए प्रत्येक व्यक्ति से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने यहां आए लोगों से कहा कि आप परेशान कतई न हों, सरकार हर उचित समस्या का निष्पक्ष समाधान कराएगी। मुख्यमंत्री ने अभिभावकों के साथ आए बच्चों से भी बातचीत की, उनकी पढ़ाई और रूचि के बारे में भी जाना, फिर सभी को चॉकलेट भी दी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'जनता दर्शन' में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं-शिकायतें सुनीं। उन्होंने भरोसा दिलाते हुए कहा कि परेशान न हों, सबकी उचित समस्या पर प्रभावी कार्रवाई कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि यहां आईं शिकायतों का निस्तारण और समस्याओं का समाधान शीघ्रता से कराया जाए।

मुख्यमंत्री 'जनता दर्शन' में आए फरियादियों के पास पहुंचे और एक-एक कर उनके प्रार्थना पत्र लेते हुए शिकायतों व समस्याओं को सुना। उन्होंने भरोसा दिलाते हुए कहा- परेशान न हों, सबकी उचित समस्या पर प्रभावी

कार्रवाई कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने पास में खड़े अधिकारियों को निर्देशित किया कि यहां आईं शिकायतों का निस्तारण और समस्याओं का समाधान शीघ्रता से कराया जाए। अलग-अलग मामलों से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी का निस्तारण निष्पक्ष और समयबद्ध होना चाहिए।

अपराध व जमीन पर जबरन कब्जा किए जाने संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके साथ ही इलाज के लिए आर्थिक मदद से जुड़े प्रार्थना पत्रों पर उन्होंने अस्पतालों के एस्टिमेट की प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने को कहा। सीएम ने लोगों को आश्वस्त किया कि एस्टिमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी।

'जनता दर्शन' में अभिभावकों के साथ कुछ बच्चे भी आए थे। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को दुलारा, उनसे पढ़ाई और रुचि के बारे में भी पूछा, फिर चॉकलेट के साथ आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री ने बच्चों से कहा कि मन लगाकर पढ़ाई करें। इसके साथ ही किसी अन्य विधा (खेल, गीत-संगीत, कला, नाट्य) आदि में भी प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने भीतर की कला को निखारें।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न जनपदों से आए प्रत्येक व्यक्ति से मिलकर सुनीं समस्याएं, अधिकारियों को दिए समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

अभिभावकों के साथ आए बच्चों से सीएम ने पढ़ाई और रुचि के बारे में भी पूछा, बोले- अपने अंदर की कला को भी निखारें

डोडा के गांवों में निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं स्क्रीनिंग शिविर आयोजित

डोडा, 27 जुलाई। आज जिला डोडा के चिकित्सा ब्लॉक ठाठरी के शरनी और पंचायई गांवों में मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) पहल के तहत निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किया गया।

ठाठरी के ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. शकील अहमद किचलू की देखरेख में आयोजित इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण आबादी को उनके घर-द्वार के करीब गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, बीमारियों की समय रहते पहचान करना तथा निवारक स्वास्थ्य देखभाल के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

शिविर में सामान्य स्वास्थ्य जांच, गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की स्क्रीनिंग, प्रयोगशाला जांच और चिकित्सकीय परामर्श सहित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। क्षेत्र के 140 से अधिक मरीजों ने निशुल्क सेवाओं का लाभ उठाया।

चिकित्सा दल का नेतृत्व डॉ. मंसूर गनई ने किया। स्थानीय स्वास्थ्य कर्मचारियों के साथ सीएमओ कार्यालय डोडा की एमएमयू टीम ने भी शिविर में सहयोग किया। स्वास्थ्य टीम ने लोगों को निशुल्क दवाइयां वितरित कीं तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, बीमारियों से बचाव और नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में परामर्श दिया। स्थानीय निवासियों ने शिविर आयोजित करने और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं को समुदाय के करीब पहुंचाने के लिए स्वास्थ्य विभाग की सराहना की, विशेष रूप से दूरदराज और स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित क्षेत्रों के लोगों के लिए इसे महत्वपूर्ण बताया।

स्थानीय समाचार

ग्राम सभा में हंगामा-आवास योजना सूची पर उठे सवाल

कठुआ, 27 जुलाई (हिं.स.)। कठुआ जिला के पंचायत बुद्धि गांव में आयोजित ग्राम सभा के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची को लेकर जोरदार हंगामा हो गया। ग्रामीणों ने चयन प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए पंचायत अधिकारियों पर सवाल उठाए।

पूर्व नायब सरपंच ने बताया कि ग्राम सभा की सूचना उन्हें नहीं दी गई जबकि बैठक में 26 लाभार्थियों के नाम घोषित किए गए। उनका आरोप है कि गांव के दो अत्यंत गरीब परिवारों के नाम सूची में शामिल नहीं किए गए जबकि पहले भी योजना के तहत कई संपन्न लोगों को बार-बार लाभ दिया गया है। ग्रामीणों ने जब इस पर अधिकारियों से सवाल किया तो कथित रूप से अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया और मौके पर हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। लोगों ने आरोप लगाया कि बिना सही जांच के अमीरों को ग्रांट दी जा रही है जबकि वास्तविक जरूरतमंदों को नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को भी इसके लिए जिम्मेदार ठहराया और उच्च स्तरीय जांच की मांग की। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बाद में बीडीओ ने भी पहुंचकर लोगों को समझाकर शांत कराया। वहीं बीडीओ ने स्पष्ट किया कि जारी की गई सूची अभी ड्राफ्ट है अंतिम सूची नहीं। उन्होंने कहा कि कुछ छूटे हुए नामों को लेकर लिखित रूप में प्रस्ताव भेजा गया है और पूरी जांच के बाद ही अंतिम सूची जारी की जाएगी।

अज्ञात शव की पहचान के लिए हटली पुलिस ने जारी किया लुकआउट नोटिस

कठुआ, 27 जुलाई (हि.स.)। कठुआ के हटली मोड़ औद्योगिक क्षेत्र स्थित पुलिस पोस्ट के सामने एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

पुलिस के अनुसार 26 जुलाई को संदिग्ध परिस्थितियों में यह शव बरामद हुआ जिसके बाद धारा 194 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई शुरू की गई है।

मृतक की उम्र लगभग 40-45 वर्ष बताई जा रही है। उसकी लंबाई करीब 5 फीट 5 इंच, रंग गेहुआं, शरीर कमजोर तथा चेहरे का आकार लंबा है। मृतक के बाल लंबे चोटीदार हैं और उसने काले रंग का कुर्ता पहन रखा था। पुलिस ने शव को जीएमसी कठुआ के शवगृह में रखवाया है और आम जनता से अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति मृतक की पहचान कर सके तो तुरंत पुलिस थाना कठुआ या पुलिस पोस्ट इंडस्ट्रियल एस्टेट से संपर्क करे ताकि आगे की कानूनी कार्रवाई की जा सके।

गौ सम्मान आह्वान अभियान-संत समाज और गौ रक्षकों की भागीदारी, रैली निकाल डीसी को सौंपा ज्ञापन

कठुआ, 27 जुलाई (हि.स.)। कठुआ में सोमवार को गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत एक विशाल जनसमूह एकत्रित हुआ जिसमें संत समाज, गौ रक्षक और बड़ी संख्या में आम लोगों ने भाग लेकर गौ संरक्षण के समर्थन में जोरदार प्रदर्शन किया।

रामलीला ग्राउंड पटेल नगर से शुरू हुए इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने बुलडोजर पर सवार होकर अभियान को प्रतीकात्मक रूप से आगे बढ़ाया। संत समाज के नेतृत्व में निकाली गई रैली शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई जिला सचिवालय पहुँची जहां जोरदार नारेबाजी के बीच गौ माता के सम्मान और सुरक्षा की मांग उठाई गई।

रैली के समापन पर प्रतिनिधिमंडल ने डिप्टी कमिश्नर कठुआ को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि गौ रक्षकों के सम्मान के लिए विशेष कानून बनाया जाए, गौ संरक्षण को लेकर सख्त और प्रभावी कदम उठाए जाए। कार्यक्रम में संत समाज ने कहा कि गौ माता की रक्षा, राष्ट्र की सुरक्षा केवल नारा नहीं बल्कि समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से इस मुहिम को जन-जन तक पहुंचाने और निरंतर समर्थन देने की अपील की।

पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से सम्पन्न हुआ जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी ने इसे जिले के प्रमुख जन-आंदोलनों में शामिल कर दिया।

बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों की बहाली तेज करने के निर्देश

कठुआ, 27 जुलाई । हालिया भारी बारिश से जिले में क्षतिग्रस्त सड़कों व सार्वजनिक ढांचे की बहाली को लेकर डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर कार्यों की समीक्षा की।

बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यकारी अभियंताओं ने क्षति और मरम्मत की प्रगति की जानकारी दी। पीडब्ल्यूडी कठुआ व बिलावर के अधिकारियों ने बताया कि अधिकांश सड़कों की बहाली पूरी कर ली गई है जबकि शेष पर कार्य तेजी से जारी है।

पीएमजीएसवाई बिलावर के तहत प्रभावित 18 में से 17 सड़कों को बहाल किया जा चुका है और एक पर कार्य अंतिम चरण में है। डीसी ने सभी एजेंसियों को शेष कार्य शीघ्र पूरा करने तथा बाढ़ सुरक्षा ढांचे की प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जेकेसीआईपी की प्रगति पर डीसी सख्त, लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश

कठुआ, 27 जुलाई (हि.स.)। डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने जम्मू-कश्मीर प्रतिस्पर्धात्मक कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र परियोजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य कृषि अधिकारी जतिंदर खजूरिया ने विभिन्न विभागों के लक्ष्यों, स्वीकृतियों और उपलब्धियों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। भेड़ पालन विभाग ने 16 लक्ष्यों में से 10 मामलों की स्वीकृति की जानकारी दी जबकि पशुपालन, बागवानी और मत्स्य विभागों ने भी अपनी-अपनी प्रगति रिपोर्ट साझा की। डीसी ने कहा कि योजना का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समय पर पहुंचाने के लिए विभागीय समन्वय और तेजी से कार्यवाही जरूरी है।

उन्होंने सभी विभागों को लंबित आवेदनों के शीघ्र अनुमोदन और निष्पादन में तेजी लाने के निर्देश दिए।

बैठक में एडीसी महिमा मदान, सीपीओ रणजीत ठाकुर, मुख्य भेड़ पालन अधिकारी रोमेश कुमार मनहास, मुख्य पशुपालन अधिकारी डॉ. युगल किशोर, सहायक निदेशक मत्स्य पवन कुमार, जिला बागवानी अधिकारी अश्विनी शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जीसीडब्ल्यू परेड में कारगिल विजय दिवस मनाया गया

जम्मू, 27 जुलाई। गवर्नमेंट कॉलेज फॉर विमेन, परेड, जम्मू में 1999 के कारगिल युद्ध में भारत की विजय सुनिश्चित करने वाले भारतीय सशस्त्र बलों के जवानों के साहस और बलिदान को सम्मानित करने के लिए कारगिल विजय दिवस मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान के साथ हुई। इसके बाद प्राचार्य डॉ. नवीन आनंद ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आतिया सैयद ने स्वागत भाषण दिया और उन शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनका बलिदान आज भी प्रत्येक भारतीय को प्रेरणा देता है।

एनएसएस स्वयंसेवकों और एनसीसी कैडेटों ने परविंदर सिंह द्वारा रचित देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। एक एनएसएस स्वयंसेवक ने श्रद्धांजलि भाषण दिया, जिसमें कारगिल के वीर जवानों की बहादुरी और सेवा को रेखांकित किया गया। इसके बाद सैनिकों के शौर्य और शहादत को दर्शाती नाट्य प्रस्तुति तथा वीर शहीदों को समर्पित काव्य श्रद्धांजलि प्रस्तुत की गई।

प्राचार्य डॉ. नवीन आनंद ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल सैन्य विजय की स्मृति का दिन नहीं है, बल्कि भारतीय सशस्त्र बलों की भावना, अनुशासन और प्रतिबद्धता का उत्सव भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से देशभक्ति, ईमानदारी, साहस और निस्वार्थ सेवा की भावना को अपने जीवन में अपनाने तथा राष्ट्र की प्रगति और एकता के लिए समर्पित जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया।

डीन अकादमिक अफेयर्स प्रो. अंजलि अबरोल ने स्वयंसेवकों के साथ बातचीत की और उन्हें अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

हरदीप सिंह चौधरी ने पुंछ जिला सूचना अधिकारी का कार्यभार संभाला

पुंछ, 27 जुलाई। हरदीप सिंह चौधरी ने आज जिला सूचना अधिकारी (डीआईओ), पुंछ का कार्यभार संभाल लिया।

जिला सूचना कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया तथा नवनियुक्त अधिकारी को सम्मानित करते हुए उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। जिला सूचना अधिकारी ने कर्मचारियों के साथ बातचीत की और कार्यालय में चल रहे कार्यों एवं गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कार्यालय के कामकाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और अपने कार्यकाल की प्राथमिकताओं के रूप में प्रभावी समन्वय, समय पर सूचना का प्रसार तथा आधिकारिक जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करने पर जोर दिया।

सकीना इट्टू ने जीडीसी महिला जकूरा श्रीनगर का दौरा किया

कॉलेज के लिए 529.02 लाख रुपये की लागत से नए अकादमिक-सह-पुस्तकालय ब्लॉक की घोषणा

श्रीनगर, 27 जुलाई। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा मंत्री सकीना इट्टू ने आज जीडीसी महिला जकूरा में लगभग 529.02 लाख रुपये की लागत से पुस्तकालय सहित नए अकादमिक ब्लॉक के निर्माण की घोषणा की।

मंत्री ने यह घोषणा आज यहां सरकारी डिग्री कॉलेज (जीडीसी) महिला जकूरा के दौरे के दौरान की।

दौरे के दौरान मंत्री के साथ हजरतबल के विधायक सलमान अली सागर, कॉलेज निदेशक प्रो. (डॉ.) शेख एजाज बशीर तथा उच्च शिक्षा विभाग और अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

दौरे के दौरान मंत्री ने कॉलेज की शैक्षणिक और बुनियादी ढांचे से जुड़ी आवश्यकताओं की समीक्षा की तथा कॉलेज प्रशासन के साथ भविष्य की विकास संबंधी जरूरतों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि नए स्वीकृत अकादमिक-सह-पुस्तकालय ब्लॉक से संस्थान के बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय विस्तार होगा, छात्रों को बेहतर शिक्षण सुविधाएं मिलेंगी और उनकी बढ़ती शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलेगी।

विभिन्न विभागों के छात्रों के साथ बातचीत करते हुए सकीना इट्टू ने उन्हें समर्पण और अनुशासन के साथ शैक्षणिक उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्रों से नवाचार को अपनाने, अपने कौशल को मजबूत करने और समाज तथा राष्ट्र की प्रगति में सार्थक योगदान देने का आह्वान किया।

मंत्री ने छात्रों की आकांक्षाओं और सुझावों को भी सुना तथा उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर मंत्री ने दोहराया कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार शैक्षणिक बुनियादी ढांचे को उन्नत करने और उच्च शिक्षण संस्थानों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने पर विशेष ध्यान दे रही है, ताकि वे समकालीन शैक्षणिक मानकों के अनुरूप आवश्यक सुविधाएं प्रदान कर सकें।

उन्होंने कहा कि शिक्षा में निवेश भविष्य में निवेश के समान है और यह सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। हजरतबल के विधायक सलमान अली सागर ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कॉलेज प्रशासन के प्रयासों की सराहना की और विश्वास जताया कि नया अकादमिक-सह-पुस्तकालय ब्लॉक संस्थान के शैक्षणिक वातावरण को और मजबूत करेगा।

डीसी और सीएमओ कार्यालय परिसरों में एंटी-लार्वा अभियान और डेंगू जागरूकता अभियान चलाया गया

डोडा, 27 जुलाई। राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीबीडीसीपी) के तहत जुलाई 2026 में चलाए जा रहे एंटी-डेंगू माह अभियान के तहत डिप्टी कमिश्नर कार्यालय डोडा, चिन्हित हॉटस्पॉट क्षेत्रों तथा सीएमओ कार्यालय डोडा के आसपास के परिसरों में एंटी-लार्वा अभियान और सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) जागरूकता अभियान चलाया गया।

जिला मलेरिया अधिकारी डोडा इलम-उद-दीन की देखरेख में चलाए गए इस अभियान को सीएमओ कार्यालय डोडा और चिकित्सा ब्लॉक घाट की मलेरिया टीमों ने संयुक्त रूप से संचालित किया।

टीमों ने चिन्हित मच्छर प्रजनन स्थलों पर एंटी-लार्वा कीटनाशक का छिड़काव किया, ताकि डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी वेक्टर जनित बीमारियों के प्रसार को रोका जा सके।

जनता को निवारक उपायों, मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करने और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर पोस्टर लगाए गए तथा अन्य आईईसी गतिविधियां आयोजित की गईं।

स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अभियान में सहयोग करने की अपील की है। विभाग ने घरों और कार्यस्थलों के आसपास पानी जमा न होने देने, मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करने तथा सभी अनुशंसित निवारक उपायों को अपनाने का आग्रह किया है।

एलजी वीके सक्सेना ने द्रास में छठे एलजी हॉर्स पोलो कप के समापन समारोह में हिस्सा लिया

द्रास, 27 जुलाई। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने आज ऐतिहासिक गोशन पोलो ग्राउंड, द्रास में आयोजित छठे एलजी हॉर्स पोलो कप 2026 के समापन समारोह में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं की खेलों में अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने और पूरे क्षेत्र के खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए विजेता और उपविजेता टीमों की पुरस्कार राशि में उल्लेखनीय वृद्धि की घोषणा की।

उपराज्यपाल ने घोषणा की कि इस वर्ष की विजेता टीम को मिलने वाली पुरस्कार राशि 50 हजार रुपये से बढ़ाकर 1 लाख रुपये और उपविजेता टीम की पुरस्कार राशि 25 हजार रुपये से बढ़ाकर 50 हजार रुपये की जाएगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि अगले वर्ष के संस्करण की विजेता टीम को 2 लाख रुपये, जबकि उपविजेता टीम को 1 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

विजेता और उपविजेता टीमों की पुरस्कार राशि बढ़ाने की घोषणा

21 से 27 जुलाई तक आयोजित इस प्रतिष्ठित केंद्र शासित प्रदेश स्तरीय चैंपियनशिप में लद्दाख के विभिन्न हिस्सों से 18 पुरुष टीमों और 4 महिला टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता ने क्षेत्र की समृद्ध खेल विरासत और हॉर्स पोलो की पुरानी परंपरा को प्रदर्शित किया।

फाइनल मुकाबला लद्दाख स्काउट्स रेजिमेंटल सेंटर (एलएसआरसी) और पशुपालन विभाग, लेह के बीच खेला गया, जिसमें एलएसआरसी की पोलो टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की और कप अपने नाम किया।

इस अवसर पर लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद (लाहौल) करगिल के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी पार्षद डॉ. मोहम्मद जाफर अखून और लद्दाख से सांसद मोहम्मद हनीफा जान भी उपस्थित रहे।

छठे संस्करण में पहुंच चुका यह टूर्नामेंट अब एक प्रमुख खेल आयोजन के रूप में उभर रहा है, जो पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने, लद्दाख की विशिष्ट सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और

प्रतिभाशाली घुड़सवारों तथा घोड़ों को क्षेत्र की चुनौतीपूर्ण ऊंचाई वाले मौसम में प्रतिस्पर्धा करने का मंच प्रदान करता है। इस आयोजन ने पारंपरिक घुड़सवारी खेलों और सांस्कृतिक पर्यटन के केंद्र के रूप में द्रास की बढ़ती पहचान को भी मजबूत किया है।

समारोह को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि एलजी हॉर्स पोलो कप के भव्य समापन समारोह का हिस्सा बनना उनके लिए बेहद खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि लद्दाख में हॉर्स पोलो केवल एक खेल नहीं है, बल्कि एक जीवंत विरासत है, जो क्षेत्र की योद्धा भावना, घुड़सवारी कौशल और सांस्कृतिक पहचान को दर्शाती है।